RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 | अंक:212 | पेज:12 | mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (मंगलवार) 24 मार्च 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700) | | मूल्य :- 1.50 रु.-/

पश्चिम एशिया संकट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिंताजनक बताया

● हमें तैयार रहना होगा, कोरोना में भी ऐसा संकट झेल चुके, एकजुटता हमारी पहचान

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष को चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह संकट भारत के लिए आर्थिक, सुरक्षा और मानवीय स्तर पर गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहा है। उन्होंने संसद और देश से इस मुद्दे पर एकजुट होकर प्रतिक्रिया देने का आह्वान किया, ताकि वैश्विक मंच पर भारत की स्पष्ट और मजबूत आवाज पहुंच सके।

प्रधानमंत्री ने सोमवार को लोकसभा में पश्चिम एशिया सैन्य संघर्ष और इसकी वजह से भारत के समक्ष चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी यह संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की

अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। सरकार इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विदेश मंत्री तथा पेट्रोलियम मंत्री द्वारा संसद को समय-समय पर जानकारी दी जा चुकी है। मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां से देश की बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति होती है, वहीं यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार मार्गों के लिहाज से भी अहम है। खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं, जबकि समुद्री जहाजों में भी बड़ी संख्या में भारतीय क्रू सदस्य कार्यरत हैं। ऐसे में इस संकट का भारत पर प्रभाव स्वाभाविक रूप से अधिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। ईरान से करीब 1000 भारतीयों को निकाला गया है, जिनमें 700 से अधिक मेडिकल छात्र शामिल हैं। विदेशों में स्थित भारतीय मिशन 24 घंटे काम कर रहे हैं और प्रभावित नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही हेल्पलाइन और कंट्रोल रूम भी स्थापित किए गए हैं।

ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दे पर मोदी ने कहा-

कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते खतरे के बावजूद सरकार पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि भारत ने ऊर्जा आयात के स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर 41 देशों तक विविधीकृत किया है। साथ ही देश के पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार उपलब्ध है।

पश्चिम बंगाल में 31 मार्च तक केंद्रीय बलों की 300 अतिरिक्त कंपनियां पहुंचेंगी

● केंद्रीय बलों की कुल 2,400 कंपनियां तैनात की जाएंगी।

एजेंसी
कोलकाता । विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल में अतिरिक्त केंद्रीय बल पहुंच रहे हैं। चुनाव आयोग के एक सूत्र ने सोमवार को बताया कि इस बार बंगाल चुनाव के लिए केंद्रीय बलों की कुल 2,400 कंपनियां तैनात की जाएंगी। गौरतलब है कि इनमें से 480 केंद्रीय बल कंपनियां इसी महीने की शुरुआत में राज्य में तैनात की जा चुकी थीं। खबरों के मुताबिक, केंद्रीय बलों की 300 और कंपनियां 31 मार्च तक राज्य में पहुंच जाएंगी। इसके बाद शेष बल चरणबद्ध तरीके से पहुंचेंगे।

इस बीच, चुनाव आयोग ने इस विशाल सुरक्षा बल को कैसे और कहां तैनात किया जाए, इस संबंध में पहले ही एक बैठक कर ली है।

खबरों के मुताबिक, सोमवार को बाद में एक और बैठक होने वाली है। इस बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त मनीष गर्ग करेंगे। बताया जा रहा है कि यह बैठक ऑनलाइन होगी।

उपायुक्त मनीष गर्ग के अलावा, इस बैठक में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी भी

शामिल होंगे। इसके बाद, चुनाव आयोग जिला निर्वाचन अधिकारियों (जो जिला मजिस्ट्रेट भी होते हैं) और पुलिस अधीक्षकों के साथ चुनाव सुरक्षा पर चर्चा करने के लिए एक और बैठक करेगा। बताया जा रहा है कि इस बैठक में विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बंगाल में मतदान दो चरणों में होना है - 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को। चुनाव आयोग ने दोनों चरणों में हिंसक घटनाओं से बचने के लिए कई उपाय किए हैं। खबर है कि इस बार केंद्रीय बलों की कार्रवाई केवल मतदान केंद्रों तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि मतदान क्षेत्र के आसपास कहीं भी कोई अप्रिय घटना होने पर केंद्रीय बलों को हस्तक्षेप करने का अधिकार दिया गया है। इसके अलावा, यदि मतदान केंद्र के बाहर मतदाताओं को धमकाने या डराने-धमकाने के संबंध में विश्वसनीय आरोप सामने आते हैं, तो पुनर्निर्वाचन का आदेश दिया जा सकता है।आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि मतदान में धांधली, नागरिक अशांति या मतदान केंद्रों पर जबरन कब्जा जैसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संसद में पीएम मोदी के बयान पर प्रियंका गांधी ने उठाई चर्चा की मांग

● हमने चर्चा के लिए जो नोटिस किया है: पीएम मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा में पीएम मोदी के बयान पर एआईसीसी महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने आज ताजा हालात को लेकर देश को अवगत कराया है। उन्होंने ज्यादा नई बातें नहीं कही हैं। हमने चर्चा के लिए जो नोटिस किया है, उस पर चर्चा होनी चाहिए। सबके पक्ष सामने आने चाहिए। संसद में पीएम मोदी के बयान पर

कांग्रेस सांसद प्रणिती शिंदे ने कहा कि हमने चर्चा की मांग की थी। रूलिंग पार्टी हमें चर्चा का अवसर नहीं दे रही है। प्रधानमंत्री ने पढ़कर बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बयान जमीनी स्तर से काफी डिस्कनेक्ट था। एलपीजी की कमी है। एलपीजी को लेकर कैसे डील करने वाले हैं, उसके बारे में नहीं बताया। किसानों के हजारों टन फल होर्मुज स्ट्रेट में अटके हुए हैं। किसान बड़े संकट में हैं।

नितिन नवीन 24 और 25 मार्च को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे

● नवीन उच्च स्तरीय रणनीतिक बैठकों की एक श्रृंखला का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की तैयारियों का जायजा लेने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मंगलवार से दो दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल पहुंचेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष वहां चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे, भाजपा की कोर टीमों के साथ संवाद करेंगे और समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं में मिशन की नई भावना जागृत करेंगे। नवीन उच्च स्तरीय रणनीतिक बैठकों की एक श्रृंखला का नेतृत्व करेंगे, जिसका उद्देश्य पार्टी की डिजिटल, सोशल मीडिया और जमीनी स्तर की

पहुंच को मजबूत करना है। चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का राज्य का यह पहला दौरा है। सोमवार को भाजपा की विज्ञप्ति के अनुसार 24 मार्च 2026 को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबह 09:45 बजे कोलकाता पहुंचेंगे, जहां से रणनीतिक सत्रों के मैराथन की शुरुआत होगी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वरिष्ठ पार्टी नेताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। 11:00 बजे हावड़ा और हुगली जोन की बैठक को संबोधित करेंगे। दोपहर साढ़े तीन बजे वे चुनावी अभियान में पार्टी की डिजिटल रीढ़ को मजबूत करने के लिए राज्य आईटी और कॉल सेंटर टीमों के कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसके पश्चात् सायं 04:30 बजे वे राज्य सोशल मीडिया, मीडिया और नैरेटिव (विमर्श) टीमों के साथ एक बैठक करेंगे जो पार्टी के संचार और विपक्षी नैरेटिव को काटने की रणनीतियों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक महत्वपूर्ण सत्र है।

विश्व टीबी दिवस 2026 पर राष्ट्रीय कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जेपी नड्डा

● टीबी मुक्त भारत ऐप और टीबी मुक्त शहरी वार्ड पहल का शुभारंभ करेंगे

नई दिल्ली। विश्व टीबी दिवस पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में संपन्न होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा करेंगे इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के टीबी-मुक्त भारत के विजन के अनुरूप, टीबी उन्मूलन की दिशा में

भारत की प्रगति को दर्शाना है। यह राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत हासिल की गई प्रमुख उपलब्धियों, नवोन्मेषी रणनीतियों और मजबूत सामुदायिक भागीदारी को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस अवसर पर टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिन का सघन टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को मंत्री जे पी नड्डा हरी झंडी दिखाएंगे और टीबी मुक्त भारत ऐप और टीबी मुक्त शहरी वार्ड पहल का शुभारंभ करेंगे। इन पहलों का लक्ष्य टीबी के मामलों की तेजी से पहचान करना, उपचार के प्रति समर्पण को बढ़ावा देना और विशेष रूप से उच्च बोझ वाले क्षेत्रों में टीबी सेवाओं की अंतिम चरण की डिलीवरी को सुदृढ़ करना है।

स्पेशल इन्वेसिटेशन रिपोर्ट

ठाणे का 'मिनी कसीनो' और वर्दी पर भ्रष्टाचार के दाग

येयूर की पहाड़ियों में जुए का 'साम्राज्य', क्या वर्तक नगर पुलिस की सरपरस्ती में फल-फूल रहा है अवैध धंधा

महानगर मेट्रो

ठाणे। मुख्यमंत्री के गढ़ ठाणे शहर से एक ऐसी खबर सामने आ रही है जो न केवल पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाती है, बल्कि कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते 'सिंडिकेट' का पर्दाफाश करती है। ठाणे के वर्तक नगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले येयूर क्षेत्र में, वन विभाग की चेकपोस्ट के पीछे बड़े पैमाने पर अवैध खनन और करोड़ों के जुए का अड्डा चलने का सनसनीखेज दावा किया जा रहा है।

PI माने: रक्षक या भक्षक

सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, वर्तक नगर पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर (PI) माने पर इन

अवैध गतिविधियों को पूर्ण संरक्षण देने का आरोप है। चर्चा है कि यह ठाणे का सबसे 'मलाईदार' थाना बन चुका है। आरोप है कि वरिष्ठ अधिकारियों और शिकायतों के बावजूद, पीआई माने के रसूख के आगे कोई कार्रवाई नहीं होती। सवाल यह उठता है कि क्या ठाणे पुलिस कमिश्नर के आदेशों से ऊपर किसी इंस्पेक्टर की 'सेटिंग' हो सकती है

जुए के अड्डे के 'खिलाड़ी' और राजनीतिक साठ-गांठ

इस काले कारोबार के पीछे जिन नामों की चर्चा है, वे चौंकाने वाले हैं:

रात भर झूमता 'सिस्टम': बार और मटका

सिर्फ जुआ ही नहीं, बल्कि वर्तक नगर क्षेत्र में गोपाल आश्रम, पांचाली और इंडियन स्वाद जैसे बार और रेस्टोरेंट पूरी रात खुले रहने की खबर है। यहाँ घोड़ी जुआ, वर्ली मटका, गांजा और तीनपत्ती जैसे अवैध धंधों का टर्नओवर रोजाना करोड़ों में बताया जा रहा है। 'ये पुलिस विभाग पर एक तमाचा है कि एक क्लब संचालक खुलेआम पुलिस को चुनौती दे रहा है कि उस पर कार्रवाई करने की हिम्मत किसी में नहीं है। 'लव जिहाद और फंडिंग का 'गुजरात कनेक्शन' इस मामले का सबसे डरावना पहलू इसका 'टेरर-फंडिंग' या 'लव जिहाद' से जुड़ा संदिग्ध कनेक्शन है। सूत्रों का दावा है कि गुजरात के भूरिया और रफ्फा जैसे बुकी यहाँ से कमाए गए पैसे का इस्तेमाल गुजरात में असामाजिक गतिविधियों और 'लव जिहाद' की फंडिंग के लिए कर रहे हैं। यदि यह सच है, तो यह केवल भ्रष्टाचार का मामला नहीं, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है।

किंगपिन: राजा ठाकुर (बाहुबली), जिसे सत्ता के गलियारों में ऊँची पहुँच वाला बताया जाता है। मैनेजर: गोपाल शर्मा, जो पिछले 25 वर्षों से क्लब लाइन में है और जिसका दावा है कि पुलिस विभाग में उसकी सीधी पैठ है।

वसूली नेटवर्क: किरण पुजारी (K.P.), पर उगाही और पैसों को ठिकाने लगाने जिम्मा है।

बुकी सिंडिकेट: नितिन लांडे, जीतू जल मौली (गुजरात) और राजकोट का रफ्फा घो

प्रशासन से तीखे सवाल:

क्या मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री इस बा अवगत हैं कि उनके नाक के नीचे इतना सिंडिकेट चल रहा है? क्या महाराष्ट्र डीजीपी अधिकारियों पर कार्रवाई करेंगे जो खाकी की में 'वसूली भाई' बने हुए हैं क्या येयूर के प्रतिब वन क्षेत्र में अवैध खनन और जुआ घर राजनीतिक वरदहस्त के संभव है महानगर न्यूज़ इस मामले की तह तक जाता रहेगा। देखना यह है कि क्या शासन इन 'सफेद अपराधियों और भ्रष्ट पुलिसकर्मियों पर शि कसता है या ठाणे की जनता को इसी 'जंगल के भरोसे छोड़ दिया जाएगा।

'वनवासी' शब्द से आदिवासी पहचान कमजोर करना चाहती है केंद्र सरकार - राहुल गांधी

● आदिवासी मतलब ओरिजिनल हिंदुस्तान के जो मालिक थे।

एजेंसी
वडोदरा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को वडोदरा में आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी शब्द से शुरुआत करना चाहता हूं। आदिवासी शब्द का बहुत गहरा मतलब है। आदिवासी मतलब ओरिजिनल हिंदुस्तान के जो मालिक थे। अगर आप यहां दो हजार, तीन हजार साल पहले आते तो सारी जमीन आदिवासियों के हाथ में थी। राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासी समाज का इतिहास अधिकारों और जमीन से लगातार बेदखली का इतिहास रहा है। समय के साथ आदिवासियों को उनकी भूमि से हटाया गया और अब 21वीं सदी में 'वनवासी' जैसे शब्दों से उनकी पहचान बदलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि 'वनवासी' शब्द आरएसएस और भाजपा की सोच को दर्शाता है, जबकि 'आदिवासी' शब्द इस बात को स्वीकार करता है कि जल, जंगल और जमीन पर मूल अधिकार

आदिवासी समाज का रहा है। वनवासी का मतलब आप जंगल में रहते हो, आपका क्या लेना देना? उन्होंने कहा कि वनवासी का मतलब बिरसा मुंडा जी की सोच पर हमला है। हम संविधान की लड़ाई लड़ रहे हैं। संविधान में हजारों साल पुरानी सोच है। भाजपा के लोग और पीएम मोदी बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़ते हैं। अंबेडकर जी की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़ते हैं। ज्योतिबा फूले जी की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़ते हैं, लेकिन बिरसा मुंडा जी की जिस सोच के लिए मौत हुई, उसकी रक्षा नहीं करते हैं। इस किताब में बिरसा मुंडा जी की आवाज है।

राहुल गांधी ने कहा-

कि देश में जमीन किसकी जाती है? जब भी विकास की बात आती है, सीधा आदिवासी की जमीन छीन लेते हैं। मैं जाति जनगणना की बात करता हूं। जब मैं इसकी बात करता हूं तो आरएसएस, मोदी और भाजपा के लोग मुझ पर हमला करते हैं। पूरा देश जानता है कि देश में तकरीबन 9-10 प्रतिशत आदिवासी हैं। देश जानता है कि 15 प्रतिशत दलित हैं, 50 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग है, 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक हैं।

प्रयागराज में बड़ा हादसा: कोल्ड स्टोरेज की छत गिरने से चार मजदूरों की मौत

कई लोग घायल हो गए

एजेंसी
प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के फाफामऊ क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें कोल्ड स्टोरेज की इमारत तेज धमाके के साथ ढह गई। हादसा छत गिरने से हुआ, जिसमें चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। राहत और बचाव कार्य जारी है। घटना प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर स्थित चंदापुर गांव की है, जहां एक निजी कोल्ड स्टोरेज अचानक जोरदार धमाके के बाद धराशायी हो गया। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और अब तक 16 लोगों को बाहर निकाला जा चुका है। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई लोग घायल हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को तत्काल एंबुलेंस के जरिए

स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

प्रशासन के अनुसार, यह कोल्ड स्टोरेज स्थानीय व्यवसायी अंसार अहमद का बताया जा रहा है। शुरुआती जांच में संरचनात्मक लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। मामले की जांच जिलाधिकारी स्तर पर कराई जा रही है, जबकि पुलिस भी सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। हादसे के बाद प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर यातायात बाधित हो गया, जिससे मलाक हरहर इलाके में लंबा जाम लग गया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर यातायात को डायवर्ट किया गया है।

प्रयागराज हादसे पर प्रधानमंत्री ने जताया दुख

● मृतकों के आश्रितों को 2 लाख की सहायता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज की छत गिरने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के आश्रितों के लिए दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, 'उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक इमारत के ढहने से हुई दुर्घटना से मैं अत्यंत दुखी हूं। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल लोग जल्द से जल्द स्वस्थ हों। '

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। इस हादसे में घायल हुए लोगों को 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। '

पंजाब सरकार के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर गिरफ्तार

● स्वाति मालीवाल बोलीं- सीबीआई जांच से डरी सरकार

एजेंसी
नई दिल्ली। पंजाब वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (पीडब्ल्यूसी) के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा की मौत के मामले में सोमवार को बड़ी कार्रवाई हुई है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देश के बाद फतेहगढ़ साहिब पुलिस द्वारा की गई। इस गिरफ्तारी पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की प्रतिक्रिया सामने आई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में स्वाति मालीवाल ने लिखा, 'इतने समय से पंजाब सरकार अपने

मंत्री लालजीत भुल्लर को बचाने का प्रयास कर रही थी। आज जैसे ही संसद में गृह मंत्री ने इस केस को सीबीआई को देने की बात कही, आधे घंटे के अंदर पंजाब पुलिस ने मंत्री को अरेस्ट कर लिया।' उन्होंने आगे कहा, 'पंजाब सरकार सीबीआई जांच से डर रही है। मंत्री की जांच हुई तो बहुत बड़े बड़े नाम सामने आयेंगे, भ्रष्टाचार खुलकर सामने आएगा, सब पता चल जाएगा पैसा कहां-कहां तक पहुंच रहा है। पंजाब में भ्रष्टाचार कंट्रोल से बाहर है। ये केस निष्पक्ष जाँच के लिए सीबीआई को ट्रांसफर होना चाहिए।

गौरतलब है कि गगनदीप सिंह रंधावा ने 21 मार्च को आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद से ही इस मामले ने तूल पकड़ लिया था। रंधावा की मौत के पीछे पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर पर प्रताड़ना और मानसिक दबाव बनाने के गंभीर आरोप लगे थे। मामले में एक अहम मोड़ तब आया जब मृतक द्वारा आत्महत्या से पहले बनाया गया एक वीडियो सामने आया। इस वीडियो में रंधावा ने कथित तौर पर अपनी परेशानी के लिए पूर्व मंत्री का नाम लिया था। इसके बाद परिजनों ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए भुल्लर पर उत्पीड़न, धमकी और मानसिक दबाव बनाने के आरोप लगाए।

क्रिकेट मैच बना रणक्षेत्र: इंगोली गांव में दो गुटों में फायरिंग, दहशत का माहौल

अहमदाबाद के धोलका में मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप, पुलिस ने संभाला मोर्चा

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। जिले के धोलका तालुका के इंगोली गांव में रविवार को क्रिकेट खेलते समय दो गुटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि सरेआम फायरिंग की घटना हो गई। इस घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी और डर का माहौल फैल गया। जानकारी के अनुसार, एक ही समुदाय के युवक क्रिकेट खेल रहे थे, तभी किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद हिंसक झगड़े में बदल गया। इसी दौरान गुस्से में आए वहीदखान मजीदखान पठान ने अपने पास मौजूद हथियार से हवा में फायरिंग कर दी, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। घटना की सूचना मिलते ही धोलका डिवीजन के DySP, धोलका ग्रामीण पुलिस, LCB और पुलिस बल का काफिला तुरंत गांव पहुंचा। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए गांव में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी। पीड़ित पक्ष की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी के पास हथियार का वैध लाइसेंस था या नहीं। यदि लाइसेंस पाया गया, तो सार्वजनिक स्थान पर हथियार के दुरुपयोग के चलते उसे रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जबकि अवैध हथियार होने की स्थिति में इसके स्रोत की भी जांच की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं।

नशे में धुत हेड कांस्टेबल का हंगामा, ग्रामीणों ने की पिटाई

अहमदाबाद के कुहा गांव में फास्ट फूड ट्रक चालक से मारपीट, कार से मिली शराब की बोतलें

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। ग्रामीण क्षेत्र में पुलिसकर्मियों के विवाद लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला कंभा पुलिस थाना क्षेत्र से जुड़ा है, जहां हेड कांस्टेबल दीपक डामोर ने नशे की हालत में हंगामा खड़ा कर दिया। जानकारी के अनुसार, बीती रात कुहा गांव में दीपक डामोर शराब के नशे में एक फास्ट फूड ट्रक के पास पहुंचे और ट्रक चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना के बाद मौके पर जमा हुए ग्रामीणों ने विरोध करते हुए हेड कांस्टेबल की पिटाई कर दी, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। घटना के दौरान आरोपी पुलिसकर्मी की कार से शराब की भरी और खाली बोतलें भी बरामद हुईं। इसके बाद 112 डायल टीम को मौके पर बुलाया गया, जिसने आरोपी को वहां से हटाया और शिकायतकर्ता को थाने ले जाया गया। हालांकि, देर रात तक सख्त कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल भी उठे। मामले में कंभा पुलिस स्टेशन के PI ने स्पष्ट किया कि आरोपी 112 टीम का नहीं, बल्कि कंभा थाने का हेड कांस्टेबल है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ शराबबंदी और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

प्लास्टिक के खिलाफ गांधीगिरी: गांधीनगर नगर निगम ने अपनाया जागरूकता का रास्ता

व्यापारियों को समझाइश के साथ बांटे पेपर बैग, शहर को 'ग्रीन सिटी' बनाने की पहल तेज

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के बढ़ते खतरे के बीच गांधीनगर नगर निगम ने सख्ती के बजाय 'गांधीगिरी' का रास्ता अपनाते हुए अनोखी पहल शुरू की है। शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ने मुख्य बाजारों में जागरूकता अभियान चलाकर व्यापारियों और आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया। इस अभियान में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सेक्टर-21, सेक्टर-24, सेक्टर-7 और मीना बाजार जैसे व्यस्त क्षेत्रों में जाकर सब्जी विक्रेताओं और ग्राहकों को सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्हें यह समझाया गया कि प्लास्टिक का उपयोग न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। अभियान की खास बात यह रही कि नगर निगम ने केवल चेतावनी देने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि व्यापारियों को विकल्प भी उपलब्ध कराए। प्रतीकात्मक रूप से पेपर बैग वितरित किए गए, ताकि व्यापारी प्लास्टिक के बजाय पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित हों। इस पहल को व्यापारियों का भी सकारात्मक समर्थन मिला और उन्होंने प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का भरोसा जताया। नगर निगम सूत्रों के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई के बजाय नागरिकों में स्वेच्छा से जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। आने वाले दिनों में शहर के अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह के जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिससे गांधीनगर को एक स्वच्छ, हरित और प्लास्टिक मुक्त शहर बनाया जा सके।

गांधीगिरी से बदलेगी तस्वीर

गांधीनगर नगर निगम का यह अभियान इस बात का उदाहरण बन रहा है कि बदलाव केवल जुर्माने से नहीं, बल्कि जागरूकता और सहभागिता से भी लाया जा सकता है।

मुख्य बातें:

सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ अनोखा अभियान
बाजारों में जाकर व्यापारियों को समझाइश
विकल्प के तौर पर पेपर बैग का वितरण
महिलाओं की सक्रिय भागीदारी
बिना दंड, स्वेच्छा से बदलाव की कोशिश
'प्लास्टिक मुक्त गांधीनगर, स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य'

'बदलाव' को अपनाएं लोग बदलेंगे और 'हालात' भी बदलेंगे उन्हें थामे रहने के बजाय, बहना सीखें

महानगर मेट्रो

बदलाव ज़िंदगी का पक्का नियम है और शांति का रास्ता है। ज़िंदगी में हम जो सबसे बड़ी गलती करते हैं, वह है चीज़ों, हालात और लोगों को हल्के में लेना। हम चाहते हैं कि आज हमारे पास जो खुशी है, वह हमेशा बनी रहे, आज हमारे जो दोस्त हैं, वे कभी न बदलें। लेकिन कुदरत का नियम अलग है। यह नाकाबिलियत में छिपा है।

दर्शना पटेल (नेशनल मेडलिस्ट)

बदलते लोग: एक कड़वा सच

हम अक्सर यह सोचकर दुखी हो जाते हैं कि 'वह इंसान पहले कभी ऐसा नहीं था, अब वह क्यों बदल गया

असलियत यह है कि लोगों की ज़रूरतें, ज़रूरतें और विचार समय के साथ बदलते हैं। जब कोई बदलता है तो उसे दोष देने के बजाय, यह मान लें कि आपकी ज़िंदगी में उसका रोल शायद खत्म हो गया है। किसी को थामे रहने से सिर्फ़ दिमागी दर्द होता है। रिश्तों में 'बहना सीखना' का मतलब है उस इंसान की तारीफ़ करना जो आपके साथ चलने को तैयार है, और जो बदल गए हैं उन्हें दिमागी तौर पर आज़ाद करना। हालात का चक्र रात-ब-दिन जब हम कहते हैं 'एक दिन सब ठीक हो जाएगा', तो हम अनजाने में बदलाव की उम्मीद कर रहे होते हैं। अगर आज हालात खराब हैं, तो वे परमानेंट नहीं हैं। अगर आज आप ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबे हैं, तो समय के साथ वह बोझ या तो हल्का हो जाएगा या आप उसे सहने के लिए और मज़बूत हो जाएंगे। हालात से चिपके रहने का मतलब है पुराने दर्द को बार-बार याद करके आज को खराब करना।

बने रहना बनाम बहना सीखना

आपने देखा होगा कि नदी का पानी पत्थरों के बीच से भी अपना रास्ता बना लेता है क्योंकि वह 'बहता' रहता है। अगर वह किसी पत्थर से टकराकर वहीं रुक जाए, तो वह एक पोखर बन जाता है। जब हम पुरानी बातों या पुराने सपनों से चिपके रहते हैं, तो हमारी ग्रोथ रुक जाती है। बहना सीखने का मतलब है हमारे सामने आए हालात को स्वीकार करना और आगे बढ़ना। टूटे सपनों पर पछतावा करने के बजाय, आज जो मुमकिन है उस पर ध्यान दें। अपनी उम्मीदें कम करें। दुख का मुख्य कारण लोगों की उम्मीदें हैं। उम्मीदों से मुक्त जीवन बदलाव को स्वीकार करने में मदद करता है। आज की कद्र करें। 'कल क्या होगा' या 'कल क्या था' के चक्कर से बाहर निकलें और 'अभी क्या है' पर ध्यान दें। सेल्फ-डेवलपमेंट। दुनिया बदलती रहेगी, लेकिन अगर आप खुद को अंदर से मजबूत करेंगे, तो बाहरी बदलाव आपको हिला नहीं पाएंगे। ज़िंदगी में सब कुछ कभी 'ठीक' नहीं होता, हम बस बदलते हालात के साथ एडजस्ट करना सीखते हैं। जो लोग बदलते हालात के साथ बहना सीख जाते हैं, उनके लिए ज़िंदगी 'बोझ' नहीं रहती और एक 'अनुभव' बन जाती है।

SOG की बड़ी कार्रवाई, हाइब्रिड गांजा बरामद; दो गिरफ्तार, एक फरार

बोपल के वकील साहेब ब्रिज के पास रेड, 9 लाख से ज्यादा का गांजा जब्त

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्पेशल टीम ने बोपल इलाके में बड़ी कार्रवाई करते हुए हाइब्रिड गांजा बरामद किया है। पुलिस ने वकील साहेब ब्रिज के पास स्थित एक शोरूम पर छापा मारकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर देर रात यह रेड की गई। कार्रवाई के दौरान नारोल निवासी शिवमसिंह भदौरिया और शास्त्रीनगर निवासी हेमंतकुमार देसाई को 258.76 ग्राम हाइब्रिड गांजे के साथ पकड़ा गया। जब्त गांजे की बाजार कीमत करीब 9,05,660 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने इस ऑपरेशन में गांजे के अलावा एक मोपेड और पांच मोबाइल फोन समेत कुल 9,79,790 रुपये का सामान जब्त किया है। मामले में बोपल निवासी पूर्वराजसिंह वाघेला फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। SOG टीम ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

1 टन प्लास्टिक कचरे से बच्चों ने बनाई बेंच, अहमदपुरा स्कूल की मिसाल

दहेगाम के गांव में 'प्लास्टिक मुक्त अभियान' सफल, छात्रों ने दिखाया पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। जिले के दहेगाम तालुका के अहमदपुरा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल कर उदाहरण प्रस्तुत किया है। 'प्लास्टिक मुक्त गांव' अभियान के तहत विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने मिलकर एक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा एकत्र किया और उसे पुनर्चक्रित कर स्कूल के लिए बैठने की बेंच तैयार की। इस अभियान में विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और ग्राम पंचायत ने पूरे वर्ष सक्रिय भागीदारी निभाई। एकत्र किए गए कचरे में पानी की बोतलें, एकल उपयोग प्लास्टिक, घरेलू कचरा और औद्योगिक पैकेजिंग सामग्री शामिल रही। इस प्लास्टिक को एकत्र कर पुनर्चक्रण के लिए भेजा गया, जहां से बेंच बनाने योग्य सामग्री तैयार की गई। विद्यालय के वार्षिक कार्यक्रम में अधिकतम कचरा एकत्र करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को फैक्ट्री भ्रमण भी कराया गया, जहां उन्होंने प्लास्टिक पुनर्चक्रण की प्रक्रिया को करीब से समझा। इस दौरान बच्चों को पुनर्चक्रण योग्य और अपुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक के बीच अंतर की जानकारी दी गई। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और वैज्ञानिक सोच विकसित करना रहा। यह पहल न केवल स्वच्छता का संदेश देती है, बल्कि समाज को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करती है।

गुजरात फार्मेसी काउंसिल का बड़ा कदम, IPC और IMA के साथ दो अहम समझौते

'मन की बात' के बाद एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के खिलाफ जागरूकता अभियान तेज

महानगर मेट्रो

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) के खतरे को लेकर दी गई चेतावनी के बाद गुजरात स्टेट फार्मेसी काउंसिल ने सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। काउंसिल ने राज्यभर में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंडियन फार्माकोपिया कमीशन और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के साथ दो अहम समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दवाओं के अनियंत्रित उपयोग को रोकना और एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बढ़ते प्रतिरोध के खतरों के बारे में आमजन को जागरूक करना है। इस मौके पर गुजरात स्टेट फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष भरत पटेल, उपाध्यक्ष कश्यप पटेल तथा फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष जशुभाई चौधरी उपस्थित रहे। इसके अलावा आईएमए के अध्यक्ष डॉ. अनिल नायक और आईपीसी के सचिव डॉ. कलाप की मौजूदगी में यह समझौता संपन्न हुआ।

एएमआर क्या है और क्यों खतरनाक है

एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस एक ऐसी स्थिति है, जब बैक्टीरिया, वायरस और फंगस जैसे सूक्ष्मजीव दवाओं के प्रभाव को निष्क्रिय करने की क्षमता विकसित कर लेते हैं। इससे सामान्य बीमारियों का इलाज भी कठिन हो जाता है और गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो सकता है। इस चुनौती से निपटने के लिए अब फार्मेसी काउंसिल डॉक्टरों और फार्मासिस्ट के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाएगी, ताकि दवाओं का सही उपयोग सुनिश्चित किया जा सके और भविष्य में उनकी प्रभावशीलता बनी रहे।

आवारा कुत्तों की गिनती का जिम्मा अब आंगनवाड़ी बहनों पर, विरोध तेज

तलाटी और टीचर्स के बाद नई जिम्मेदारी, वेतन वृद्धि के बजाय बढ़ता काम बना नाराजगी की वजह

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद गुजरात सरकार आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए सक्रिय हो गई है, लेकिन इस बार कुत्तों की गिनती की जिम्मेदारी आंगनवाड़ी बहनों को सौंपे जाने से नया विवाद खड़ा हो गया है। सरकार द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अब स्कूल, कॉलेज, रेलवे स्टेशन, एसटी स्टेशन, धार्मिक स्थलों, गार्डन, कम्युनिटी हॉल, गोदाम और आईटीआई जैसे सार्वजनिक स्थानों के आसपास आवारा कुत्तों की गिनती करनी होगी और इसकी रिपोर्ट संबंधित तालुका वेटनरी ऑफिसर को सौंपनी होगी। दरअसल, इससे पहले यही जिम्मेदारी तलाटी और शिक्षकों को दी गई थी, लेकिन दोनों वर्गों के विरोध और हड़ताल की चेतावनी के बाद सरकार को अपने फैसले वापस लेने पड़े थे। अब यह जिम्मेदारी आंगनवाड़ी बहनों पर डाले जाने से असंतोष बढ़ गया है। गुजरात आंगनवाड़ी वर्कर्स एसोसिएशन ने इस फैसले का कड़ा विरोध किया है। उनका कहना है कि पहले से ही कम वेतन में काम कर रहीं आंगनवाड़ी बहनों पर लगातार अतिरिक्त जिम्मेदारियां थोपी जा रही हैं, जबकि वेतन वृद्धि की मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पिछले तीन दिनों से हड़ताल पर हैं और जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। उनका आरोप है कि हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद वेतन नहीं बढ़ाया गया और अब काम का बोझ और बढ़ाया जा रहा है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया, तो वे विधानसभा का घेराव करने के लिए मजबूर होंगी।

MD ड्रग्स केस में 12 साल की सजा, 8 लाख की नशीली सामग्री के साथ पकड़ा गया आरोपी

अहमदाबाद स्पेशल कोर्ट का बड़ा फैसला, NDPS एक्ट के तहत दोषी को जुर्माना भी

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। शहर में नशीले पदार्थों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच NDPS मामले में स्पेशल कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। DCB पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में बापूनगर निवासी सलीम शेख को 12 साल की सजा सुनाई गई है, जबकि सह-आरोपी डूंगरपुर निवासी भरत अभी फरार है। मामले की सुनवाई अहमदाबाद सिटी सेशंस कोर्ट की NDPS स्पेशल कोर्ट में हुई, जहां जज वी.बी. राजपूत ने पब्लिक प्रॉसिक्यूटर दिलीपसिंह एम. ठाकोर की दलीलों, गवाहों और सबूतों के आधार पर आरोपी को दोषी करार दिया। कोर्ट ने आरोपी पर 2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जांच के दौरान पुलिस ने ड्रग्स तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए मुखबिरों का नेटवर्क सक्रिय किया था। इसी के तहत सूचना मिली कि अजीत मिल चौराहे के पास स्थित सुमेल कॉम्प्लेक्स में आरोपी की दुकान में MD ड्रग्स रखा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जहां आरोपी की तलाशी के दौरान उसकी जेब से सफेद पाउडर से भरा बैग बरामद हुआ। जांच में यह पाउडर 82 ग्राम MD ड्रग्स निकला, जिसकी बाजार कीमत करीब 8.25 लाख रुपये आंकी गई। पुलिस को इस दौरान सह-आरोपियों के साथ किए गए बैंक ट्रांजैक्शन के सबूत भी मिले, जिसने केस को मजबूत बनाया। फिलहाल फरार आरोपी की तलाश जारी है और पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

नारोल में कानून बेअसर PI गढ़वी के राज में शराब-जुए का काला साम्राज्य

4 'वहीवटदारों' के नेटवर्क से करोड़ों का खेल, मीडिया की आड़ में वसूली का आरोप

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद। गुजरात में शराबबंदी के सख्त कानूनों के बावजूद शहर का नारोल इलाका इन दिनों अवैध गतिविधियों का गढ़ बनता जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, नारोल पुलिस स्टेशन में नए PI के.ए. गढ़वी के कार्यकाल में अपराधों पर लगाम लगने के बजाय शराब और जुए के अड्डे खुलेआम संचालित हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस पूरे अवैध कारोबार को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए चार 'वहीवटदारों' (बिचौलियों) का नेटवर्क सक्रिय है, जो इलाके में फैले 30 से 40 अड्डों से रोजाना लाखों रुपये की उगाही कर रहे हैं। इस नेटवर्क में जितेंद्र सिंह मंडोला की भूमिका प्रमुख बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, इस अवैध वसूली तंत्र में पुलिस विभाग के कुछ कर्मचारी, एक आम व्यक्ति और सबसे चौंकाने वाली बात–मीडिया की आड़ में वसूली करने वाला वीरेंद्र त्रिवेदी भी शामिल बताया जा रहा है।

'मीडिया के नाम पर कलंक'

वीरेंद्र त्रिवेदी पर गंभीर आरोप सूत्रों के अनुसार, वीरेंद्र त्रिवेदी नामक व्यक्ति मीडिया का नाम लेकर अवैध अड्डों से 'सेटलमेंट' और हफ्ता वसूली में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यह मामला न केवल कानून व्यवस्था बल्कि मीडिया की साख पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है।

एक्सक्लूसिव अवैध अड्डों की सूची:

पुलिस स्टेशन के पीछे: पूजा (देशी शराब) - भारत नगर
पुलिस चौकी के पास: जुबैर (अंग्रेजी शराब) - कर्णावती चौकी
स्कूल के पास: नीता (देशी शराब) - एन्स स्कूल क्षेत्र
होटल के पीछे: टांकू (देशी शराब) - विनसम होटल

अन्य प्रमुख स्थान:

आजाद नगर - आयशा
तलावड़ी - टांकी, धमो (अंग्रेजी शराब)
सुशीला और सुनीता - देशी शराब अड्डे

कार्रवाई पर सवाल:

जब इस पूरे मामले को लेकर PI गढ़वी से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। सूत्रों का दावा है कि खुलासे के बाद कथित वहीवटदारों द्वारा 'सेटलमेंट' के लिए संपर्क भी किया गया, जिससे पुलिस और अवैध कारोबार के बीच संभावित सांठगांठ की आशंका और गहरी हो गई है।

महानगर मेट्रो के सवाल

'क्या नारोल बन गया है 'मिनी गोवा'
क्या सरकार इस नेटवर्क पर कार्रवाई करेगी
क्या स्टेट मॉनिटरिंग सेल छापेमारी करेगी
क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर गाज गिरेगी

बड़ा सवाल:

'PI साहब, वहीवटदारों के नाम पर चल रहा यह खेल कब बंद होगा

डोटासरा बोले- फेल विदेश नीति से संकट में है जनता

1 अप्रैल से कांग्रेस चलाएगी 'संगठन बढ़ाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान

महानगर मेट्रो

जयपुर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने ईरान संकट के कारण गैस, तेल की किल्लत के पीछे विदेश नीति की कमजोरी को जिम्मेदार ठहराया है। डोटासरा ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर निशाना साधते हुए कहा कि इसकी विफलता के कारण देश की जनता संकट का सामना कर रही है। उन्होंने घोषणा की है कि राजस्थान कांग्रेस 1 अप्रैल से 'संगठन बढ़ाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान शुरू करेगी, जिसके जरिए पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों को उठाने का काम करेगी।डोटासरा ने पंचायत और निकाय चुनाव नहीं करवाने को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं के दमन से पंचायत और नगर निकाय चुनाव डेढ़ साल से टाले जा रहे हैं, इसलिए प्रदेश कांग्रेस ग्राम पंचयातों और वार्डों तक जन जागरण करेगी। सोमवार को डोटासरा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

पंचायती राज के ढांचे को कमजोर करने में लगी है भाजपा सरकार

डोटासरा ने कहा- भाजपा सरकार पंचायती राज के ढांचे को कमजोर करने में लगी है, बार-बार बहानेबाजी करके चुनाव टाल रही है। अब कांग्रेस पार्टी संगठन बढ़ाओ लोकतंत्र बचाओ जन-जागरण अभियान के जरिए गांव-गांव, वार्ड-वार्ड तक पहुंचेगी, संगठन मजबूत करेगी और लोकतंत्र की भी रक्षा के लिए आवाज़ बुलंद करेगी। प्रदेश में परिसीमन के बाद 14,000 से अधिक ग्राम पंचायतों और 11,000 से अधिक नगर निकाय वार्डों में अध्यक्ष व कार्यकारिणियों का गठन करेगी। परिसीमन के बाद अब नई ग्राम पंचायतों और वार्डों में संगठन को बूथ स्तर तक मज़बूत किया जाएगा।

फेल विदेश नीति के कारण हमसे दूर हुआ ईरान

डोटासरा ने कहा- पीएम मोदी के अमेरिका के आगे नतमस्तक होने के कारण आज पूरे देश की जनता संकट में है। कभी भारत का दोस्त रहा ईरान आज देश की फेल विदेश नीति के कारण दूर हो चुका है और देश की जनता इसकी कीमत चुका रही है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में 30-40 जहाज़ फंसे पड़े हैं, लेकिन मोदी सरकार चुप है और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को खुश करने में लगी है।

पति ने किया सुसाइड, शव से लिपटकर रोई पत्नी

गाल थपथपाती रही; बेटे से बोली- रो मत बेटा पापा सो रहे हैं, अभी उठ जाएंगे

महानगर मेट्रो

पाली में युवक ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। अस्पताल में पति के शव से लिपटकर पत्नी रोती रही। सिर को हाथों में लेकर गाल थपथपाती रही और कहती रही- पवन के पापा उठ जाओ, बच्चों के लिए आंखें खोलो। बेटा अपने पिता का शव देखकर रोया तो मां उसे दिलासा देती रही कि- बेटा रो मत, तेरे पापा सो रहे हैं, अभी उठ जाएंगे। ये दृश्य देख हॉस्पिटल में मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गई। मामला पाली जिले के औद्योगिक नगर थाना इलाके का है। बेटे ने देखा पिता फंदे पर लटके थे जानकारी के अनुसार, श्रवणराम (40) निवासी शिवाजी नगर ने सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इस दौरान पत्नी काम पर गई हुई थी और दोनों बच्चे पवन (15) और दीपक (13) घर के बाहर खेल रहे थे। कुछ देर बाद बड़ा बेटा घर की तरफ गया तो दरवाजा अंदर से बंद था। पवन ने कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन पिता ने दरवाजा नहीं खोला। इस पर पवन ने खिड़की से देखा तो अंदर उसके पिता फंदे से लटके नजर आया। यह देखकर वह जोर से चिल्लाया। बच्चे के चिल्लाने की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। लोगों ने घर का दरवाजा तोड़कर श्रवणराम को फंदे से नीचे उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पति ने फोन किया था, शोर के कारण पता नहीं चला

मृतक की पत्नी पिंकी ने बताया- मेरे पति श्रवण ड्राइविंग का काम करते थे और मैं मिल में काम करती हूं। सुबह में मिल में काम करने गई थी। पति और बच्चे घर पर ही थे। दोपहर करीब 12.30 बजे पति ने कॉल किया था। मिल में शोर ज्यादा होने के कारण पता ही नहीं चल पाया कि पति का कॉल आया था। पिंकी ने कहा- पता होता कि पति ऐसा कदम उठाएंगे तो तुरंत दौड़कर घर चली जाती और उनको बचा लेती।

सत्ता का शिखर बनाम जमीनी सच्चाई: 'विश्वगुरु' के सपने के बीच कर्ज, कॉर्पोरेट और लोकतंत्र पर बड़े सवाल

बढ़ती जीडीपी के दावों के बीच महंगाई से जूझता आम आदमी, विपक्ष की कमजोरी और बंगाल में सियासी महासंग्राम ने बदला देश का राजनीतिक परिदृश्य

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। भारत की राजनीति और अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ एक तरफ 'विश्वगुरु' बनने का दावा है, तो दूसरी तरफ आम आदमी की जेब पर बढ़ता बोझ और लोकतांत्रिक संतुलन को लेकर उठते सवाल हैं। सरकार की उपलब्धियों के बड़े-बड़े दावों के बीच जमीनी हकीकत कुछ अलग ही तस्वीर पेश कर रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी साख मजबूत की है, लेकिन देश के भीतर आर्थिक असमानता और बढ़ते कर्ज ने चिंता बढ़ा दी है। विदेशी कर्ज लगातार बढ़ रहा है, जो आने वाले समय में अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डाल सकता है। वहीं, जीडीपी के बढ़ते आंकड़े आम आदमी की जिंदगी में राहत नहीं ला पा रहे हैं। महंगाई और रोजमर्रा के खर्चों ने मध्यम वर्ग और गरीब तबके की कमर तोड़ दी है। कॉर्पोरेट जगत में तेजी से बढ़ती संपत्तियों ने भी बहस को जन्म दिया है। बड़े उद्योगपतियों की संपत्ति में हुई भारी बढ़ोतरी के बीच आम जनता यह सवाल पूछ रही है कि क्या विकास का लाभ केवल कुछ ही हाथों तक सीमित रह गया है। शेयर बाजार की चमक और जमीनी स्तर की सच्चाई के बीच का अंतर अब साफ नजर आने लगा है।

राजनीतिक मोर्चे पर भी तस्वीर कम चिंताजनक नहीं है। विपक्ष को लगातार कमजोर करने और क्षेत्रीय दलों को हाशिए पर धकेलने के आरोपों ने लोकतंत्र की सेहत पर सवाल खड़े किए हैं। केंद्रीय जांच एजेंसियों की बढ़ती सक्रियता को लेकर विपक्ष इसे 'राजनीतिक दबाव' का हथियार बता रहा है, जबकि सरकार इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के रूप में पेश करती है। सच क्या है, इसका फैसला जनता को करना है। कई राज्यों में 'जोड़-तोड़' की राजनीति ने जनादेश को प्रभावित किया है। इससे मतदाताओं के बीच यह धारणा बन रही है कि चुनावी परिणामों को बाद में बदला जा सकता है। यह स्थिति लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए चुनौती बनती जा रही है। अब नजरें पश्चिम बंगाल पर टिकी हैं, जो आने वाले चुनावों में सबसे बड़ा रणक्षेत्र बनने जा रहा है। एक तरफ ममता बनर्जी अपनी 'मां, माटी, मानुष' की राजनीति के दम पर सत्ता बचाने की कोशिश में हैं, तो दूसरी ओर बीजेपी पूरे दमखम के साथ सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी है। यहां सवाल केवल सत्ता का नहीं, बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का भी है—क्या चुनाव विकास के मुद्दों पर लड़ा जाएगा या फिर आरोप-प्रत्यारोप और ध्रुवीकरण हावी रहेगा? देश का मतदाता अब पहले जैसा नहीं रहा। वह चुप जरूर है, लेकिन सब देख रहा है। वादों और हकीकत के बीच का फर्क अब साफ दिखने लगा है। आने वाले चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और लोकतंत्र की दिशा तय करेंगे। संपादकीय नोट: महानगर मेट्रो हमेशा सत्ता से सवाल पूछने का साहस रखता है। जब विकास की चमक केवल आंकड़ों में दिखे और आम आदमी की जेब खाली हो, तब चुप रहना भी एक अपराध है। अब वक्त है—सवालों का जवाब देने का, न कि उनसे बचने का।

पवन माकन ग्रुप एडिटर

कर्ज, कॉर्पोरेट और कमजोर होती आवाजें: देश किस दिशा में जीडीपी बढ़ी, लेकिन आमदनी नहीं; एजेंसियों की कार्रवाई पर उठे सवाल, लोकतंत्र का संतुलन खतरे में?

मुख्य बिंदु:
* विदेशी कर्ज का बढ़ता दबाव भविष्य के लिए खतरे की घंटी
* महंगाई के कारण आम आदमी की बचत पर असर
* कॉर्पोरेट संपत्ति में उछाल, लेकिन रोजगार के अवसर सीमित
* विपक्ष की कमजोरी से लोकतांत्रिक बहस पर असर

प्रयागराज में जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी जी का भव्य स्वागत, संगम से शुरू हुआ आध्यात्मिक प्रवास

त्रिवेणी संगम में पूजन से लेकर प्रमुख तीर्थों के दर्शन तक–जल्द निकलेगी 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा', धर्म रक्षा का दिया संदेश

महानगर मेट्रो

प्रयागराज। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के जगद्गुरु पद पर अभिषिक्त होने के बाद परम पूज्य जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी जी महाराज का प्रथम बार तीर्थराज प्रयागराज आगमन हुआ, जिसे ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके आगमन पर शहर में श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। अपने गुरुदेव के आदेशानुसार जगद्गुरु महाराज ने प्रातःकाल सबसे पहले त्रिवेणी संगम पहुंचकर विधिवत पूजन-अर्चन किया। इसके पश्चात उन्होंने वेणी माधव मंदिर में दर्शन किए और महर्षि भारद्वाज आश्रम पहुंचकर पूजन के साथ सप्तऋषियों का स्मरण किया। उन्होंने प्रयागराज धाम के विभिन्न प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कर माँ ललिता देवी मंदिर में भी श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। इसके बाद जगद्गुरु महाराज जूना अखाड़ा, कीडगंज स्थित मौज गिरी पहुंचे, जहां उन्होंने अपने पूज्य गुरुदेव एवं अखाड़े के संरक्षक श्री हरि गिरि जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान धर्म और राष्ट्रहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा भी हुई।

जगद्गुरु महाराज के स्वागत में प्रयागराज के वरिष्ठ नेता कुमार नारायण (भयंदर) अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और पुष्पमाला एवं पटका पहनाकर उनका भव्य अभिनंदन किया। उन्होंने इसे पूरे समाज के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि जूना अखाड़ा द्वारा जगद्गुरु की उपाधि प्रदान किया जाना सनातन धर्म के लिए ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रयागराज सहित पूरे देश में जगद्गुरु महाराज के सम्मान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में केपी ट्रस्ट अध्यक्ष के सुपुत्र कौशलेंद्र नाथ सिंह सहित कई श्रद्धालुओं ने भी आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि यह पूरे समाज के लिए गर्व की बात है कि स्वामी चक्रपाणि जी महाराज को जगद्गुरु पद पर आसीन किया गया है। पत्रकारों से बातचीत में जगद्गुरु महाराज ने कहा कि उनके नेतृत्व में जल्द ही 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' पूरे देश में निकाली जाएगी, जिसका उद्देश्य धर्म, गौवंश, मंदिरों और संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। वृंदावन में गौभक्त परसा बाबा की हत्या के मामले पर उन्होंने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश सरकार दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी और न्याय सुनिश्चित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि अपने गुरुदेव के मार्गदर्शन में जूना अखाड़ा, विभिन्न धार्मिक संगठनों और हिंदू संस्थाओं के सहयोग से यह यात्रा राष्ट्रव्यापी स्तर पर चलाई जाएगी। उनके अनुसार, उनका जीवन सदैव धर्म रक्षा, राष्ट्र सेवा और हिंदू स्वाभिमान के लिए समर्पित रहा है। प्रयागराज में जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी जी महाराज का यह प्रथम आगमन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि इसने एक बड़े राष्ट्रव्यापी आंदोलन की नींव भी रख दी है। आने वाले समय में प्रस्तावित 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' देश की धार्मिक और सामाजिक दिशा को नया आयाम दे सकती है।

मुख्य बातें:

पूरे देश में जल्द निकलेगी 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा '
गौ रक्षा और संतों की सुरक्षा रहेगा मुख्य उद्देश्य
विभिन्न हिंदू संगठनों और संस्थाओं का मिलेगा सहयोग
राष्ट्र और धर्म की रक्षा को बताया जीवन का लक्ष्य

टोंक की प्रतिभा का प्रदेश में सम्मान

ममता 'मंजुला' को मिला 'राजस्थान मानव सेवा रत्न अवॉर्ड'

महानगर मेट्रो

टोंक/जयपुर। टोंक की जानी-मानी शिक्षिका, लेखिका और कवयित्री ममता जाट 'मंजुला' को शिक्षा, साहित्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'राजस्थान मानव सेवा रत्न अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जयपुर स्थित सेन्ट्रल पार्क, महाराजा बैंक्विट हॉल में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। राजस्थान पीपीजेएमएस ग्रुप द्वारा आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में ममता जाट 'मंजुला' को यह सम्मान संस्था के अध्यक्ष जी.एल. यादव एवं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता विंदू दारासिंह के करकमलों से प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में राज्यभर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संत-महात्मा, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं भामाशाहों को भी सम्मानित किया गया। ममता जाट 'मंजुला' लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रही हैं। साथ ही साहित्यिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी और समाजसेवा के प्रति समर्पण उन्हें एक विशिष्ट पहचान दिलाता है। उनके लेखन और कविताओं में सामाजिक सरोकार और संवेदनशीलता की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। ममता जाट 'मंजुला' को मिला यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि टोंक जिले के लिए भी गर्व का विषय है। उनके कार्यों से प्रेरित होकर नई पीढ़ी शिक्षा, साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित होगी।

चौसठ जोगिणी रे...गूंजा माता का दरबार

स्वर्ण दुर्गा माता का हुआ त्रिपुरासुंदरी अलंकार महाआरती के बाद गरिमा पंचोली के भजनों ने बांधा समां, श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

महानगर मेट्रो

टोंक। कोटा रोड बाईपास स्थित द्वारिका नगरी के श्री स्वर्ण दुर्गा कैलाशपति मंदिर में नवरात्रि के पांचवें दिन भक्तिमय माहौल के बीच माता स्वर्ण दुर्गा का त्रिपुरासुंदरी अलंकार किया गया। अलंकार के दर्शन के लिए सुबह से ही सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और पूरे दिन भक्ति व श्रद्धा के साथ दर्शन-पूजन का क्रम जारी रहा। श्रद्धालुओं ने अपने नाम और गोत्र के साथ श्री यंत्र पूजन कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। शाम 7:30 बजे मंदिर परिसर में भव्य महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके बाद हनुमान चालीसा और राम स्तुति का सामूहिक पाठ किया गया तथा प्रसाद वितरण किया गया। रात 8 बजे से महिला मंडली द्वारा भव्य कीर्तन का आयोजन हुआ। भजन गायिका गरिमा पंचोली ने अपने मधुर स्वरों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने 'जगमग जगमग ज्योत जले स्वर्ण दुर्गा के दरबार में, चौसठ जोगिणी रे...सहित कई लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान आसपास क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और भक्ति रस में सराबोर नजर आईं। मंदिर समिति के अनुसार नवरात्रि के छठे दिन माता स्वर्ण दुर्गा का मीनाक्षी अलंकार किया जाएगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह बना हुआ है।

'पति पत्नी और वो': 1978 के सिनेमा में हंसी और झूठ का एक यादगार सफ़र

महानगर मेट्रो

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ साल ऐसे हैं जो अपनी शानदार और सुपरहिट फ़िल्मों के लिए सुनहरे अक्षरों में लिखे गए हैं। साल 1978 ऐसा ही एक साल था। जब बड़े पर्दे पर अमिताभ बच्चन का जादू 'डॉन', 'मुकद्दर का सिकंदर' और 'त्रिशूल' जैसी फ़िल्मों से छाया हुआ था, उसी दिन 24 मार्च 1978 को एक ऐसी फ़िल्म रिलीज़ हुई जिसने अपनी सादगी, ह्यूमर और अनोखी कहानी से दर्शकों का दिल जीत लिया। वह फ़िल्म है 'पति पत्नी और वो' जिसे बी. आर. चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया था और रवि चोपड़ा ने डायरेक्ट किया था। आज, जब इस फ़िल्म को रिलीज़ हुए दशकों बीत चुके हैं, तब भी इसकी ताज़गी बरकरार है। आइए इस फ़िल्म के अलग-अलग पहलुओं पर एक नज़र डालते हैं।

1. 1978 का सिनेमाई माहौल और चुनौतियाँ

1978 एक्शन और एंग्री यंग मैन का ज़माना था। अमिताभ बच्चन बॉक्स ऑफिस पर छाए हुए थे। ऐसे समय में प्रोड्यूसर बी. आर. चोपड़ा के लिए एक मिडिल-क्लास रोमांटिक कॉमेडी फिल्म बनाना और उसे सफल बनाना एक बड़ा चैलेंज था। लेकिन चोपड़ा घराना हमेशा यूनिक सब्जेक्ट्स के लिए जाना जाता था। 'पति पत्नी और वो' ने एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स जैसे सीरियस सब्जेक्ट को कॉमेडी के टच के साथ पेश करने की हिम्मत की।

2. स्टोरीलाइन: झूठ का खेल

फिल्म की कहानी रंजीत चड्ढा (संजीव कुमार) नाम के एक कैरेक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है। रंजीत अपनी खूबसूरत पत्नी शारदा (विद्या सिन्हा) के साथ खुशहाल शादीशुदा ज़िंदगी जी रहा है। उसका एक बच्चा भी है। लेकिन उस आदमी की नैचुरल आदत और 'कुछ अलग' करने का उसका जुनून उसे मुश्किल में डाल देता है। जब उसके ऑफिस में एक नई सेक्रेटरी, निर्मला (रंजीता कौर) आती है, तो रंजीत उसकी तरफ अट्रैक्ट होता है। निर्मला की हमदर्दी पाने के लिए, वह एक सफेद झूठ बोलता है - कि उसकी पत्नी कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही है और जल्द ही मर जाएगी! यह एक वाक्य पूरी फिल्म को एक मज़ेदार मोड़ देता है। दर्शकों को यह देखकर मज़ा आता है कि रणजीत घर पर अपनी पत्नी की कैसे रक्षा करता है और ऑफिस में निर्मला के सामने 'दुखी पति' का रोल निभाता है।

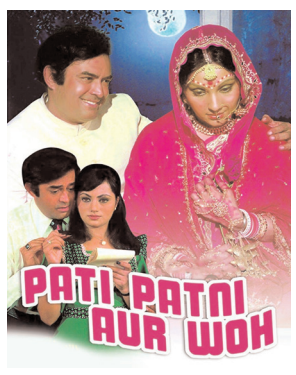

3. संजीव कुमार: एक्टिंग के बादशाह

इस फिल्म की जान संजीव कुमार हैं। हरिभाई जरीवाला (संजीव कुमार) अपने रोल में जान डाल देते हैं। इस फिल्म में उनकी कॉमिक टाइमिंग कमाल की है। उनके आई प्ले और डायलॉग डिलीवरी ने रणजीत चड्ढा के किरदार को अमर कर दिया। जब रणजीत झूठ पकड़े जाने से डरता है, तो दर्शक उस पर गुस्सा करने के बजाय दया और हंसी महसूस करते हैं - यही संजीव कुमार की कामयाबी थी। उन्हें इस फिल्म के लिए फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर नॉमिनेशन भी मिला था।

विद्या सिन्हा ने एक समझदार पत्नी के अपने रोल में सादगी और गरिमा बनाए रखी है, जबकि रंजीता ने एक मासूम सेक्रेटरी के अपने किरदार के साथ पूरा न्याय किया है।

4. म्यूज़िक जो आज भी लोगों को पसंद आता है

?फ़िल्म का म्यूज़िक रवींद्र जैन ने बनाया था, जो अपनी प्यारी धुनों के लिए जाने जाते थे। इस फ़िल्म के गानों ने इसकी सफलता में बहुत बड़ा योगदान दिया है:

'ठंडे ठंडे पानी से नहाना चाहिए ': यह गाना आज भी उतना ही पॉपुलर है। यह गाना रेडियो पर ज़रूर सुना जाता है, खासकर गर्मी के दिनों में या सुबह के समय। महेंद्र कपूर की आवाज़ में यह गाना एनर्जी और हंसी से भरा है।

'तेरे नाम तेरे नाम ': खुद रवींद्र जैन का गाया यह गाना रोमांटिक और प्यारा है, जो रंजीत और शारदा के रिश्ते की कोमलता को दिखाता है।

5. बी. आर. चोपड़ा का गाइडेंस और सोशल मैसेज

?बी. आर. चोपड़ा हमेशा अपनी फ़िल्मों में कोई न कोई सोशल पहलू ज़रूर बुनते थे। भले ही यह फ़िल्म कॉमेडी थी, लेकिन इसने शादी की पवित्रता और भरोसे पर ज़ोर दिया। जब क्लाइमेक्स में रंजीत अपने झूठ में पकड़ा जाता है, तो शारदा जिस तरह उसे सबक सिखाती है, वह एक मज़बूत महिला किरदार की पहचान है। फिल्म का अंत भी बहुत अजीब है, जो दिखाता है कि इंसान अपनी गलतियों से कभी नहीं सीखता - जो आज भी काम का लगता है।

6. 2019 रीमेक और तुलना

41 साल बाद, 2019 में फिल्म का रीमेक बनाया गया, जिसमें कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने काम किया। हालांकि आज के दर्शकों को रीमेक पसंद आया, लेकिन 1978 की फिल्म की सादगी और संजीव कुमार जैसा असर लाना नामुमकिन था। पुरानी फिल्म में जो मासूमियत थी, वह रीमेक में ग्लैमर के पीछे कहीं खो गई।

7. नतीजा

'पति पत्नी और वो' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि हिंदी सिनेमा के उस दौर की झलक है जहां बिना हिंसा के भी कहानियां हिट हो सकती थीं। 24 मार्च 1978 का वह दिन सच में सिनेमा प्रेमियों के लिए एक तोहफा था। आज भी अगर आप सुकून के पल बिताना चाहते हैं, तो यह फिल्म एक बेहतरीन ऑप्शन है। एक टीचर और राइटर के तौर पर, मुझे लगता है कि ऐसी फिल्में हमें ज़िंदगी के सीरियस पहलुओं को हल्के-फुल्के अंदाज़ में देखने का नज़रिया देती हैं। संजीव कुमार की वो मुस्कान और 'ठंडे ठंडे पानी से' का गाना हमारे दिलों में हमेशा ज़िंदा रहेगा।

लेखक: अश्विन गोहिल (लेखक, कवि, लिटरेरी राइटर)

मेष ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
आज का दिन फायदेमंद रहेगा। सामाजिक दायराबढ़ेगा व मान सम्मान में वृद्धि होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी।

वृष TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो)
आज आप खुद को उजार्वान महसूस करेंगे। जीवनसाथी को किसी कार्य में सफलता मिलने से घर में खुशी का माहौल बनेगा।

मिथुन GEMINI (का की कू घ ङ छ के को हा)
आज ऑफिस में काम का प्रेशर थोड़ा बढ़ सकता है। आप कुछ ऐसे मामलों में भी पड़ सकते हैं, जिनका समाधान निकालने में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

कर्क CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा में बदलाव ला सकती है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट्स को थोड़ी मेहनत करने की जरूरत है।

सिंह LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
आज कलात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी, धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुलेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की मदद मिलने से आपको फायदा होगा।

कन्या VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। अपने काम के लिये दूसरों को सहमत कराने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। कुछ जरूरी निर्णय आपको फायदा दिला सकते हैं।

तुला LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
आज परिवार वालों के साथ टाइम स्पेंड करने का मौका मिलेगा। आपकी सभी परेशानियाँ दूर होंगी। किसी काम से थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

वृश्चिक SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
आज तरक्की के कई नए रास्ते नजर आयेंगे, आप पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल होंगे। शाम को बच्चों के साथ समय व्यतीत करेंगे।

धनु SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आज व्यापारी वर्ग को धन लाभ होगा, आप बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। इस राशि के सिविल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है।

मकर CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आज पहले किये गये काम में मेहनत का बेहतर परिणाम हासिल होगा। ऑफिस का खुशनुमा वातावरण आपके मन को उत्साह से भर देगा।

कुंभ AQUARIUS (गु गो सा सी सू से सो दा)
आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद रहेंगे। अगर आप किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा।

मीन PISCES (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आज किसी पुरानी बात को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा। आज घर पर अचानक से कोई मेहमान आ सकता है।

डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे मिलेगी निजात

पवन माकन
ग्रुप एडिटर

डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

देश की राजधानी दिल्ली आज सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं, बल्कि साइबर और वित्तीय अपराधों का भी बड़ा केंद्र दिखाई दे रही है। प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामलों का सामने आना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह आंकड़े एक दैनिक अखबार में प्रकाशित किये गए हैं जो चौंकाने वाले दिख रहे हैं। वर्ष 2025 में 184 मामले दर्ज किये गए हैं, लगभग 70,64,80,424 रुपए (30 जून तक) तक ठग लिए गये हैं। इससे पिछले वर्ष 2024 में 1,591 मामले दर्ज हुए और 8,17,64,85,471 रुपए ठग लिए गए। आज ठगी से कैसे बचे ? अभी गैस की क्या कमी हुई ठगों ने इस आपदा को अवसर बना लिया। इस डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे निजात मिलेगी तो विशेषज्ञों का कहना है कि जागरुकता और सतर्कता सावधानी जरूरी है। दिल्ली जैसी राजधानी में दिल्ली पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के विस्तार के साथ ठगी के तरीके भी बेहद परिष्कृत हो गए हैं। पहले जहां जेबकतरी और साधारण धोखाधड़ी आम थी, वहीं अब ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी, और निवेश के झांसे जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। आम नागरिक, विशेषकर बुजुर्ग और डिजिटल रूप से कम जागरूक लोग, इन ठगों का आसान शिकार बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं, लेकिन अपराधियों की चतुराई और तकनीकी दक्षता कई बार इन प्रयासों पर भारी पड़ती है। अपराधी अक्सर विदेशी सर्वर, फर्जी सिम कार्ड और डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपा लेते हैं, जिससे जांच और गिरफ्तारी में कठिनाई आती है।

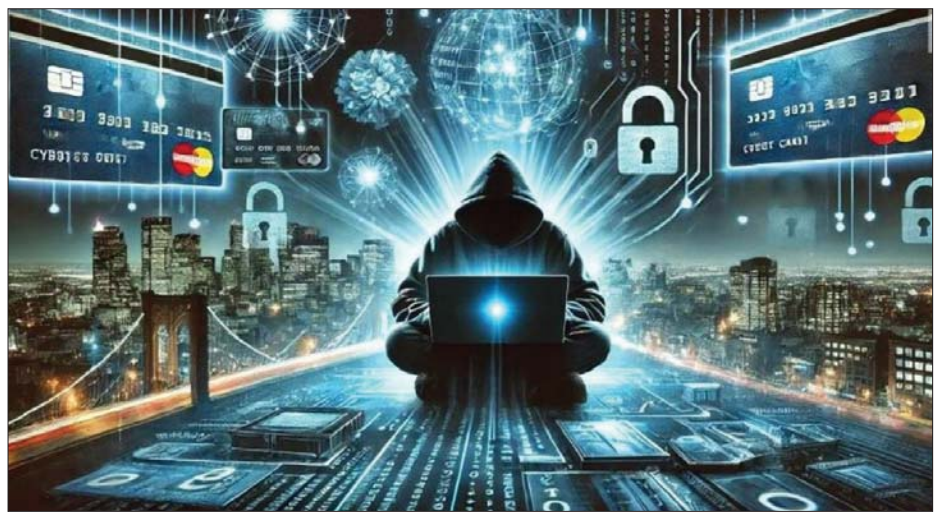

यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। पहला, आम जनता का डिजिटल लेनदेन पर विश्वास कमजोर होता जा रहा है। दूसरा, देश की आर्थिक सुरक्षा पर इसका असर पड़ता है। तीसरा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता और संसाधनों पर भी प्रश्न उठते हैं।

समाधान के लिए बहुस्तरीय रणनीति आवश्यक है। सबसे पहले, साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से लैस करना होगा। दूसरे, बैंकों और डिजिटल पेमेंट कंपनियों को अपनी सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाना होगा। तीसरे, स्कूलों और सामाजिक मंचों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि लोग ठगी के नए-नए तरीकों से परिचित हो सकें।

इसके अलावा, सरकार को सख्त कानून और त्वरित न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि अपराधियों में डर पैदा हो। साथ ही, आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा– अनजान कॉल, लिंक या ऑफर पर भरोसा करने से पहले पूरी जांच करना जरूरी है।

हाल के महीनों में दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संयुक्त आयुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में ऑपरेशन साई-हॉक के तहत दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन कॉल सेंटरों और गिरोहों को नेस्तनाबूद करना था जो फर्जी केवाईसी, लॉटरी और निवेश के नाम पर लोगों को लूटते हैं। इस कार्रवाई के बाद साइबर अपराधों की दर में गिरावट दर्ज की गई। अब जांच टीम के विस्तार से इस पकड़ को और मजबूत किया जा सकेगा।

यह समझना होगा कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह ठगी का जाल और भी व्यापक रूप ले सकता है, जिससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक विश्वास भी प्रभावित होगा।

यह आंकडे तो दिल्ली के है देश भर में यह ठगी का आंकडा बड़ा भी हो सकता है। लेकिन सतर्कता सावधानी जरूरी है।

डिजिटल ठगी से कैसे निजात पाएं

डिजिटल युग ने जहां हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं ठगों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए हैं। आज मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ डिजिटल ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हर दिन आम लोग अपनी मेहनत की कमाई साइबर अपराधियों के जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि डिजिटल ठगी से कैसे बचा जाए और इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण कैसे हो। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डिजिटल ठगी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी का परिणाम भी है। ठग अक्सर फर्जी कॉल, मैसेज, ईमेल या लिंक के माध्यम से लोगों को भ्रमित करते हैं। आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा, केवाईसी अपडेट करें, लॉटरी लगी है –जैसे लालच और डर पैदा करने वाले संदेश लोगों को जल्दी फैसले लेने पर मजबूर कर देते हैं। इसी जल्दबाजी का फायदा अपराधी उठाते हैं।इस समस्या से निजात पाने का पहला और सबसे प्रभावी उपाय है–जागरूकता। आम नागरिकों को यह समझना होगा कि कोई भी बैंक या सरकारी संस्था कभी भी फोन या मैसेज के जरिए पासवर्ड या नहीं मांगती। ऐसे किसी भी अनुरोध को तुरंत नजरअंदाज करना चाहिए। साथ ही, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचना और केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करना जरूरी है।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है–तकनीकी सुरक्षा। मोबाइल और कंप्यूटर में अपडेटेड एंटीवायरस रखना, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना और समय-समय पर पासवर्ड बदलना जरूरी है। दो-स्तरीय सुरक्षा का उपयोग भी ठगी के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।तीसरा, सरकार और संस्थाओं की भूमिका भी बेहद अहम है। साइबर अपराधों पर सख्त कानून, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलना आवश्यक है। साथ ही, पुलिस और साइबर सेल को आधुनिक तकनीक से लैस करना और उनकी क्षमता बढ़ाना समय की मांग है। जन-जागरूकता अभियान भी लगातार चलाए जाने चाहिए, ताकि ग्रामीण और शहरी–दोनों क्षेत्रों में लोग सतर्क रहें।इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति ठगी का शिकार हो जाता है, तो उसे घबराने की बजाय तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराना चाहिए, ताकि समय रहते पैसे को रोका जा सके।

डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाते हुए हमें सावधानी और समझदारी भी अपनानी होगी। यही डिजिटल सुरक्षा का मूल मंत्र है और इसी से हम ठगी के इस बढ़ते खतरे से निजात पा सकते हैं।

संपादकीय

मितव्ययिता का दिखावा

इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से जूझ रहा है। लेकिन उससे उबरने के लिए जो कदम उठाये जा रहे हैं, उनकी तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नौकरशाहों के वेतन में कटौती का फैसला, बचत करने के एक सांकेतिक प्रयास के तौर पर पेश किया जा रहा है। यह जनता को बताने की राजनीतिक कवायद हो सकती है कि हम राज्य में वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन सवाल यह है कि यह कदम संकट से उबारने में किस हद तक मदद कर पाएगा। बहरहाल, यह प्रयास इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राज्य के सामने गहरे वित्तीय संकट की स्थिति बन रही है। लेकिन हकीकत यही है कि यह कदम राजनीतिक रूप से एक प्रतीकात्मक होने के बावजूद राज्य के सिमटते खजाने को कोई ठोस राहत नहीं देने वाला है। यदि इससे जुड़े आंकड़ों पर नजर डालें तो वास्तविकता सामने आ जाती है। मुख्यमंत्री के वेतन में पचास फीसदी, मंत्रियों के वेतन में तीस फीसदी तथा विधायकों के वेतन में बीस फीसदी की छह माह के लिये कटौती, आठ-दस हजार करोड़ रुपये के घाटे को कितना कम कर पाएगी? निश्चित रूप से राजस्व घाटे के अनुपात में यह बचत नगण्य ही होगी। हां, जनता को यह संदेश, उनके त्याग करने के रूप में पहुंचाने की कवायद जरूर होगी। यहां विचारणीय तथ्य यह है कि राज्य में यह वित्तीय संकट अचानक नहीं आया है। यह संरचनात्मक विसंगतियों की ही परिणति है। निर्विवाद रूप से केंद्र द्वारा राजस्व घाटा अनुदान की वापसी ने संघीय हस्तांतरण पर राज्य की दीर्घकालीन निर्भरता को उजागर कर दिया है। इस बीच वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान जैसे निश्चित व्यय बजट राज्य की अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाए हुए हैं, जिसमें बदलाव की गुंजाइश बहुत कम रह गई है। ऐसे पर परिदृश्य में, वेतन में कटौती आर्थिक समाधान से अधिक एक राजनीतिक संकेत मात्र ही है। यह सरकार को कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावित किए बिना या स्थापित व्यय पद्धतियों का सामना किए बिना नैतिक रूप से श्रेष्ठ होने का दावा करने का अवसर देता है। निस्संदेह, राजकोषीय विवेक के लिये समय-समय पर कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं। मसलन सब्सिडी को युक्तिसंगत बनाना, कर आधार का विस्तार करना और विकासोन्मुखी पूंजी निवेश को प्राथमिकता देना जरूरी होता है। इसके बिना, अस्थायी समाधान शासन की एक नियमित लोकलुभावनी परिपाटी बनने का जोखिम भी बना रहेगा। यह घटनाक्रम संघीय राजकोषीय ढांचे के भीतर पहाड़ी राज्यों की नाजुक स्थिति पर भी सवाल उठाता है।

चिंतन-मनन

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर।

बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है। अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है। हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा। मानव जीवन की विशेषताओं और भगवान द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और उद्देश्य है। जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए तो समझना चाहिए कि इस आदमी का नाम मनुष्य है, इसके भीतर मनुष्यता का उदय हुआ और इसके अंदर भगवान की विचारणाएं उदित हो गयीं।

अमेरिका जीता नहीं, ईरान हारा नहीं, युद्ध का अंत परमाणु बम से?

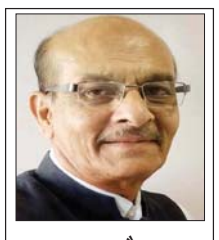

सनत जैन

अमेरिका और इजरायल ने बड़ी तैयारी करके कई दशकों की मेहनत के बाद ईरान पर हमला किया। यह हमला तब किया गया। जब ईरान सबसे ज्यादा कमजोर था, ईरान में सत्ता परिवर्तन का आंदोलन हो रहा था। ईरान की सत्ता में मोसाद और सीआईए के एजेंट थे। अमेरिका और इसराइल को लग रहा था, एक हफ्ते के अंदर वह ईरान में सत्ता परिवर्तन कराकर अपनी पसंद के व्यक्ति को ईरान के सिंहासन पर बैठा देंगे। जो अमेरिका के इशारे पर सारे काम करेगा। अमेरिका और इजरायल कि यह इच्छा उनके ऊपर इतनी भारी पड़ेगी। इसका अनुमान इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को नहीं था, नाही अमेरिका के बडबोले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को था। 23 दिन से ज्यादा युद्ध के चलते हुए हो गए हैं। ईरान की प्रथम पंक्ति के सारे नेता एक-एक करके मारे जा चुके हैं। ईरान की बच्चियों के स्कूल में बम गिराकर 180 से ज्यादा नोनिहाल छोटी-छोटी बच्चियों को मार दिया गया। ईरान पर, अमेरिका और इजरायल ने मिलकर हमले किए, रक्षा और तेल ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने जिस तरह से हमलों का जवाब दिया। इससे अमेरिका और इजराइल हक्के-बक्के हैं। ईरान के ड्रोन और मिसाइलों ने अमेरिका और इजरायल के सुरक्षा तंत्र को भेदकर जिस तरह से उन्हें नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका और इजराइल को समझ नहीं आ रहा है, यह क्या हो गया। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों के अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके उन्हें नष्ट किया। अमेरिकी दूतावासों पर हमला करके उन्हें बंद कराने में सफलता हासिल की। जहां-जहां अमेरिकी नागरिक रुके हुए थे, उन होटलों और ठिकानों पर सटीक हमला कर-के, ईरान ने बता दिया वह किसी मामले में कम नहीं है। ईरान के कम लागत के ड्रोन और मिसाइल अमेरिका और इजरायल के करोड़ों रुपए के सैन्य उपकरणों को बर्बाद कर दिया। ईरान ने अमेरिका के सबसे शक्तिशाली अजेय एफ 35 और एफ15 विमान को जमीन पर उतार दिया। समुद्र में अमेरिका के बड़े-बड़े युद्ध पोत खड़े थे। उन्हें पीछे जाने पर विवश कर दिया। इजराइल के हाइवापोर्ट से लेकर तेल हबीब एवं अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों पर सटीक निशाने लगाकर 2 शहरों को पूरी तरह से नष्ट किया है। कहा तो यह भी जा रहा है, इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी ईरान की बमबारी में मारे गए हैं। इसकी पुष्टि कहीं से नहीं हो रही है। ईरान जवाबी हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। वर्तमान स्थिति में अमेरिका इस युद्ध से बाहर निकलना चाहता है। चाहकर भी डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अमेरिका ने बात शुरू करने के संकेत दिए। ईरान बात करने तैयार नहीं है। जिस तरह से उनके धर्मगुरु आयतुल्लाह खामनेई तथा प्रथम पंक्ति के बड़े नेताओं की हत्या कर सत्ता पलटने की कोशिश की गई है। छोटी-छोटी मासूम बच्चियों के स्कूल में बम फेंक कर उनकी हत्या की गई, इससे ईरान नाराज है। दुनिया में कच्चे तेल और गैस का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका ने ईरान पर लगाया गया प्रतिबंध 1 माह के लिए हटाने की घोषणा की। यह भी कहा ईरान किसी को भी तेल और गैस बेच सकता है। इस ऑफर को ईरान ने ठुकराते हुए कहा, हमारे पास जो कच्चा तेल और गैस है। वह हम चीन को दे रहे हैं, हमारे पास अतिरिक्त कुछ भी बेचने के लिये नहीं है। युद्ध मे सीजफायर नहीं होगा, युद्ध का अंत ही एकमात्र विकल्प है। जिस तरह ईरान ने अपने ड्रोन और मिसाइलों से अमेरिका के हथियारों का सामना किया है। सैन्य उपकरण अजेय माने जा रहे थे। ईरान ने उन सबकी असलियत सारी दुनिया के सामने खोल दी है। ईरान ने अमेरिका को ऐसी शिकस्त दी है। जिसके कारण अब अमेरिका की दादागिरी पहली बार सारी दुनिया में खतरे में पडती हुई दिख रही है। अमेरिका और इजरायल ने महंगे युद्ध उपकरणों का ईरान ने मुकाबला किया है। उसने सारी दुनिया की सोच को बदल दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद पर बना रहना मुश्किल हो रहा है। पहली बार अमेरिका सारी दुनिया के सामने शर्मिंदा है। अमेरिका बार-बार सीज फायर के संकेत दे रहा है। अभी तक की लड़ाई में ना तो अमेरिका जीता है, ना ही ईरान हार रहा है। ऐसी स्थिति में युद्ध पर विराम या पूर्ण विराम कब लगेगा। इसको लेकर सारी दुनिया चिंतित है। वर्तमान स्थिति में यही कहा जा सकता है। अमेरिका युद्ध विराम घोषित करे। जो प्रतिबंध ईरान के ऊपर लगा रखे हैं उन्हें समाप्त करे। ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं है। अमेरिका युद्ध विराम में तभी सफल हो सकता है, जब वह ईरान की शर्तों पर बात करने को तैयार होगा। पिछले 47 वर्षों से अमेरिका और यूरोपीय देशों के निशाने पर ईरान था। सुनार की हथौड़ी की तरह कई वार ईरान ने सहे हैं। ईरान के हथौड़े की एक चोट ने अभी तक की सब चोटों का बदला ले लिया है। ऐसा लगता है, सोवियत रूस का जिस तरह से विघटन हुआ था। वही स्थिति अब अमेरिका की देखने को मिल रही है। सारे विश्व में अमेरिका की जो दादागिरी पिछले कई दशकों से चल रही थी। वह समाप्त होने की दिशा में अग्रसर है। वैश्विक व्यापार और युद्ध की पूरी रणनीति में वैश्विक बदलाव का समय आ गया है। अमेरिका इसको जितनी जल्दी समझ ले उतना ही अच्छा है।

ईरान अमेरिका संघर्ष से बाजार में उथल पुथल

कांतिलाल मांडोत

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और इसका सबसे बड़ा असर भारत के शेयर बाजार पर देखने को मिला। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते संघर्ष ने निवेशकों के भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है। एक ही कारोबारी दिन में निवेशकों के लगभग बारह लाख करोड़ रुपये डूब गए, जो यह दशार्ता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह घरेलू बाजार को प्रभावित करती हैं। यह गिरावट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने निवेशकों के मन में डर और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया।

भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में करीब पच्चीस सौ अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई और यह गिरकर लगभग चौहत्तर हजार के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी में भी सात सौ से अधिक अंकों की गिरावट आई। यह गिरावट पिछले कई महीनों में सबसे बड़ी मानी जा रही है। बाजार के लगभग सभी क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव दिखाई दिया, जिससे यह साफ हो गया कि यह केवल किसी एक सेक्टर की समस्या नहीं बल्कि व्यापक आर्थिक चिंता का परिणाम है।

इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा कारण युद्ध का तेल और गैस क्षेत्रों तक पहुंचना है। खाड़ी क्षेत्र दुनिया के ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र है और जब यहां अस्थिरता बढ़ती है तो उसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ता है। युद्ध के चलते कई महत्वपूर्ण ऊर्जा ठिकानों पर हमले हुए, जिससे उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हुए। इसके परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया और यह एक समय एक सौ पंद्रह डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आम लोगों की जिंदगी पर भी असर डालता है। तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि होती है। यही कारण है कि इस संघर्ष ने महंगाई की आशंका को भी बढ़ा दिया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार की स्थिति को और कमजोर कर दिया।

घरेलू कारणों ने भी इस गिरावट को और गहरा किया। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के प्रमुख शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिससे पूरे बाजार पर दबाव बना। निवेशकों ने जोखिम से बचने के लिए तेजी से अपने निवेश को निकालना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में घबराहट और बढ़ गई। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी लगभग तीन प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशकों पर इसका प्रभाव अधिक पड़ा।

हालांकि इस भारी गिरावट के बाद अगले ही दिन बाजार में कुछ सुधार भी देखने को मिला। निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी की, जिससे बाजार में थोड़ी स्थिरता आई। तेल की कीमतों में हल्की गिरावट भी इस सुधार का एक कारण रही। इससे यह संकेत मिलता है कि बाजार में अभी भी उम्मीद बाकी है, लेकिन स्थिति पूरी तरह स्थिर नहीं कही जा सकती। इस पूरे घटनाक्रम का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहा बल्कि सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों पर भी पड़ा। आमतौर पर संकट के समय इनकी कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इसका कारण यह है कि निवेशकों ने नकदी बनाए रखने के लिए इन धातुओं में भी बिकवाली की। ऊर्जा संकट के चलते पेट्रोल की कीमतों पर भी असर पड़ा है। प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे उन लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है जो उच्च गुणवत्ता वाले ईंधन का उपयोग करते हैं। हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अभी कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह ऊंची बनी रहती हैं तो भविष्य में आम ईंधन भी महंगा हो सकता है।

यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक भी है। युद्ध अब केवल सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहा बल्कि आर्थिक ढांचे को निशाना बना रहा है। ऊर्जा संसाधनों पर हमले यह दशार्ते हैं कि दोनों पक्ष एक दूसरे को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ रहा है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

रुपये की कमजोरी भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू है। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से आयात महंगा हो जाता है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। यह स्थिति निवेशकों के लिए और अधिक चिंता का कारण बनती है क्योंकि इससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है।

कुल मिलाकर देखा जाए तो ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष केवल एक क्षेत्रीय युद्ध नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारतीय शेयर बाजार में आई भारी गिरावट इसी का एक उदाहरण है। आने वाले समय में बाजार की दिशा काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि यह संघर्ष किस दिशा में आगे बढ़ता है और कच्चे तेल की कीमतें किस स्तर पर स्थिर होती हैं।

यदि स्थिति जल्द सामान्य नहीं होती है तो इसका असर लंबे समय तक बना रह सकता है। ऐसे में निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है और बाजार की चाल को समझकर ही निर्णय लेना होगा। यह संकट एक बार फिर यह सिखाता है कि वैश्विक घटनाएं किस तरह हमारे आर्थिक जीवन को प्रभावित करती हैं और हमें हमेशा बदलती परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए।

उत्तरप्रदेश में कब होंगे पंचायत चुनाव मंत्री ओपी राजभर बोले- कोर्ट जैसा आदेश देगा, वैसा किया जाएगा

इसके बाद जैसा निर्णय आएगा, वैसा किया जाएगा

यूपी के पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर का कहना है कि 25 मार्च को राज्य निर्वाचन आयोग को हाईकोर्ट में जवाब देना है

महानगर मेट्रो

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले 2026 में पंचायत चुनाव होने थे। पंचायत चुनावों को विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था। इसको लेकर लगभग सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां भी शुरू कर दी थी, लेकिन पंचायत चुनाव का मामला लटक गया है। ऐसे में सबके मन में सवाल उठ रहा है कि आखिर उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव कब तक होंगे। इन सवालों का जवाब सोमवार को पंचायती राजमंत्री ओम प्रकाश राजभर ने दे दिया है। राजभर ने कहा कि कोर्ट जैसा आदेश देगा, वैसा किया जाएगा।

राजभर ने कहा कि 25 मार्च को हाईकोर्ट में तारीख है। राज्य निर्वाचन आयोग को जवाब सबमिट करने का नोटिस है। 25 तारीख को कोर्ट का जो भी निर्णय आएगा, उसका पालन किया जाएगा। वहीं, ओबीसी के गठन पर मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि अभी वोटर लिस्ट का प्रकाशन नहीं हुआ है तो आयोग का गठन कैसे हो जाएगा। पंचायत चुनाव समय पर होगा या नहीं, इस सवाल पर राजभर ने कहा कि कोर्ट का जैसा आदेश आएगा, वैसा किया जाएगा।

'ना 9 मन गेंहू हुइये, ना राधा गउने जहिये'

वहीं, ओपी राजभर ने अखिलेश यादव के महिलाओं को 40 हजार रुपये देने के वादे पर भी तंज कसा है। राजभर ने पुरानी कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि ना 9 मन गेंहू हुइये, ना राधा गउने जहिये। इसलिए ना उनकी सरकार बनने वाली है और ना ही 40 हजार रुपये मिलेगा।

'2017 से सरकार बना रहे अखिलश यादव'

ओपी राजभर ने अखिलेश यादव के 2027 में सरकार बनाने के दावे पर कहा कि वो 2017 से सरकार बना रहे हैं। 2022 में 400 सीट जीत रहे थे। इसलिए कही भी कुछ होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि संजय निषाद बड़े भाई है। वो कह रहे थे कि समाजवादी पार्टी में हमारे लोगों का उत्पीड़न होता था।

चंदौली: 20 करोड़ दहेज की डिमांड, शारीरिक रूप से अक्षम... थाने पहुंचा SDM पति-पत्नी के बीच का विवाद

महानगर मेट्रो

उत्तरप्रदेश के चंदौली में तैनात एसडीएम दंपत्ति दिव्या ओझा और अनुपम मिश्रा का विवाद अब थाने पहुंच गया है. दिव्या के पिता ने प्रतापगढ़ में एसडीएम दामाद और उनके परिवार पर दहेज उत्पीड़न, 20 करोड़ की मांग और प्रताड़ना का केस दर्ज कराया है. इससे पहले अनुपम मिश्रा ने कोर्ट में तलाक की अर्जी दी थी. चंदौली में तैनात एसडीएम पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है. चंदौली सदर की एसडीएम दिव्या ओझा के पिता निशाकांत ओझा ने अपने दामाद और चंदौली के पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर तहसील के एसडीएम अनुपम मिश्रा पर दहेज उत्पीड़न और शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना देने के साथ-साथ कई अन्य आरोप लगाते हुए पिछले 17 मार्च 2026 को प्रतापगढ़ में एफआईआर दर्ज कराई है. दरअसल, चंदौली के पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर तहसील के एसडीएम अनुपम मिश्रा की शादी चंदौली सदर में तैनात एसडीएम दिव्या ओझा के साथ 2020 में हुई थी. 2017 बैच की पीसीएस अधिकारी दिव्या ओझा मूल रूप से प्रतापगढ़ की रहने वाली हैं जबकि 2019 बैच के अधिकारी अनुपम मिश्रा नैनी प्रयागराज के रहने वाले हैं. बताया जाता है कि शादी के कुछ समय बाद से ही दोनों लोगों के बीच वैचारिक मतभेद सामने आने लगे. इसी दौरान दोनों लोगों की पोस्टिंग चंदौली जनपद में हो गई. वर्तमान समय में अनुपम मिश्रा चंदौली के पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के एसडीएम हैं. जबकि उनकी पत्नी दिव्या ओझा चंदौली सदर तहसील की एसडीएम हैं. सूत्रों की माने तो पति-पत्नी के बीच चल रहे इस विवाद को सुलझाने का भी काफी प्रयास किया गया. लेकिन बीतते वक्त के साथ दोनों के बीच दूरियां बढ़ती गई. हालात यहां तक आ गए कि इस पूरे मामले पर मुकदमे बाजी भी शुरू हो गई. यह भी जानकारी मिली है कि एसडीएम अनुपम मिश्रा ने चार महीना पहले कोर्ट में डाइवोर्स भी फाइल किया है. उधर, एसडीएम दिव्या ओझा के पिता निशाकांत ओझा ने विगत 17 मार्च 2026 को प्रतापगढ़ के महिला थाना में अपने एसडीएम दामाद, उनके पिता मां और दो बहनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है जिसमें गंभीर आरोप लगाए हैं. एफआईआर के मुताबिक, दिव्या ओझा के पिता निशाकांत ओझा ने आरोप लगाया है कि उनका दामाद शारीरिक रूप से अक्षम है और यह शादी झूठ बोलकर की गई. साथ ही दहेज में 20 करोड़ रुपए की डिमांड की भी गई थी. यही नहीं निशाकांत ओझा ने अपने एसडीएम दामाद पर अपनी बेटी को मारने पीटने, शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने, जानलेवा हमला करने और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का भी आरोप लगाया है. फिलहाल इस मामले पर दोनों ही एसडीएम का कोई भी बयान सामने नहीं आया है मगर यह पूरा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है.

दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र से पहले 'खीर' समारोह हुआ आयोजित, सीएम रेखा गुप्ता ने अपने हाथों से छात्रों को खिलाया मीठा

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार ने सोमवार को बजट सत्र से पहले विधानसभा में 'खीर' समारोह का आयोजन किया।

सीएम गुप्ता ने समारोह में मौजूद स्कूल की बच्चियों का पास बुलाकर अपने हाथों से खीर खिलाई। समारोह संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आगामी बजट विकास की गति तेज करने, बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने और निवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने पर केंद्रित होगा। इस समारोह में कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों के साथ-साथ किसान, चिकित्सक और शिक्षक भी उपस्थित रहे।

सीएम गुप्ता ने लोगों को किया संबोधित

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए, गुप्ता ने कहा कि बजट का लक्ष्य बेहतर नागरिक सुविधाएं, उन्नत बुनियादी ढांचा और एक ऐसा सकारात्मक वातावरण तैयार करना है जहां लोग आराम से रह सकें। उन्होंने कहा कि सरकार निवासियों की लंबे समय से लंबित आकांक्षाओं को पूरा करने और दिल्ली के विकास को एक नई गति देने के लिए काम कर रही है।

बजट में छात्रों के लिए बेहतर सुविधाओं की दिशा में ठोस कदम: सीएम

मुख्यमंत्री के अनुसार, बजट में छात्रों के लिए बेहतर सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना तथा स्वच्छ हवा व हरित राजधानी सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम शामिल होंगे। उन्होंने इस बजट को दिल्ली को अधिक रहने योग्य और टिकाऊ बनाने की एक कार्ययोजना करार दिया है।

विकास की दिशा में हो रहा काम

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले एक साल में राष्ट्रीय राजधानी में विकास की दिशा बदलने के लिए काम किया है और यह बजट उन प्रयासों को और मजबूत करेगा।

अपनी बेटियों को उतारा मौत के घाट, आखिर मां ने क्यों उठाया ये कदम सोच में डूबी दिल्ली

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली: मालवीय नगर में 17 दिन पहले हुए दिल दहला देने वाले डबल मर्डर केस में कई खुलासे हुए हैं। पुलिस ने दो सगी बहनों की मौत के मामले में उनकी मां सुनीता अरोड़ा को गिरफ्तार किया है। तीन दिन पहले अस्पताल से छुट्टी और मनोवैज्ञानिक जांच के बाद पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर यह कार्रवाई की। शुरुआती जांच में सामने आया है कि लंबे समय से चल रहे घरेलू विवाद, तनाव और पारिवारिक परिस्थितियों ने इस खौफनाक वारदात को जन्म दिया।

क्या है मामला?

पुलिस के मुताबिक, 5 फरवरी गुरुवार शाम करीब 6:10 बजे मालवीय नगर के एफ ब्लॉक स्थित एक मकान से इस सनसनीखेज घटना की सूचना मिली थी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खोलकर अंदर दाखिल होने पर अलग-अलग कमरों में दो युवतियों राधिका अरोड़ा (33) और गुनीशा अरोड़ा (28) के शव मिले। राधिका के चेहरे पर तकिया रखा था, जबकि दूसरी का गला क्रैप बैंडेज से दबाया गया था। दोनों के हाथों पर कट के निशान भी पाए गए। मौके पर उनकी मां सुनीता अरोड़ा बेहोशी की हालत में मिलीं थीं, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच के दौरान घटनास्थल से फिनाइल की पीसी हुई गोलियां भी बरामद हुई थी, जिससे आशंका जताई गई कि महिला ने बेटियों की हत्या के बाद खुदकुशी की कोशिश की। तीन दिन पहले अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस ने महिला से पूछताछ की, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार किया। सूत्रों के अनुसार, आरोपी महिला पिछले 8-9 साल से जॉइंट फैमिली में नहीं रहनाचाहती थीं। वह पति पर अलग रहने का दबाव बना रहीं थीं। वहीं, पति सुधांशु अरोड़ा का कपड़ों का कारोबार भी पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रहा था। फरवरी 2023 में सुनीता की बड़ी बहन की मौत के बाद वह करीब ढाई साल तक मुंबई में बहन के घर रहीं और सितंबर 2025 में दिल्ली लौटीं।

छोटी बेटी नौकरी न मिलने से परेशान थी

पुलिस सूत्रों का कहना है कि छोटी बेटी गुनीशा एलएलबी करने के बावजूद नौकरी न मिलने से काफी परेशान थीं।

वाराणसी में PAC जवान की दबंगई, सब्जी बेचने वाले दंपति को रॉड से पीटा

महानगर मेट्रो

उत्तरप्रदेश के वाराणसी में एक पीएसी जवान का सब्जी बेचने वाले दंपति से विवाद हो गया. जिसके बाद उसने दंपति की बुरी तरह रॉड से पिटाई कर दी. जिसका वीडियो भी सामने आया है. जिसमें देखा जा सकता है कि जवान दंपति को पीट रहा है. वाराणसी से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. जहां एक सब्जी विक्रेता दंपति पर पीएसी जवान ने रॉड से हमला कर दिया. जिससे दंपति लहूलुहान होकर बीच सड़क गिर गया और शरीर से खून निकलने लगा. वहीं वहां मौजूद लोगों ने इसका विरोध किया तो पीएसी जवान ने उनपर भी हमला कर दिया. फिलहाल गंभीर हालत में दंपति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. दरअसल वाराणसी के मड़वाड़ी थाना अंतर्गत भूलनपुर गांव के पास बीते शनिवार शाम 6 बजे पीएससी जवान द्वारा सब्जी विक्रेता दंपति पर रॉड से हमला कर दिया गया. बताया जाता है कि पीएसी जवान आशुतोष कुमार और सब्जी विक्रेता राधेश्याम के बीच सब्जी के दाम को लेकर कुछ कहासुनी हुई. जिसके बाद पीएसी जवान ने सब्जी विक्रेता राधेश्याम और उनकी पत्नी गीता देवी के ऊपर रॉड से बुरी तरह से हमला कर दिया.

भूलनपुर गांव के पास महाराजगंज के औराई थाना क्षेत्र निवासी राधेश्याम और उनकी पत्नी गीता देवी दो सालों से सब्जी की दुकान चला रहे हैं. बीते शनिवार को सब्जी की दुकान पर पीएसी जवान आशुतोष पहुंचा और सब्जी की रेट को लेकर उसने सब्जी विक्रेता दंपति को बुरी तरीके से पीट कर लहूलुहान कर दिया. सब्जी विक्रेता दंपति को बुरी तरह से पिटता देख मौके पर मौजूद लोगों ने इसका विरोध किया तो वह उनसे भी भिड़ गया.

जिसके बाद पीएसी जवान को लोगों ने पकड़कर पीट दिया फिर तत्काल पुलिस को सूचना दे कर उसको पुलिस के हवाले कर दिया. एसीपी रोहनिया संजीव शर्मा ने पूरे मामले को लेकर फोन पर बात भी की. उन्होंने बताया कि पीएसी जवान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. साथ ही साथ रॉड भी बरामद कर ली गई है. मामले में अग्रिम कार्रवाई जारी है.

बीजेपी में शामिल होंगे राघव अटकलों पर क्या बोले संजय सिंह

महानगर मेट्रो

आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि वो पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो सकते हैं. हालांकि, संजय सिंह ने इन अटकलों को खारिज किया है और कहा है कि अगर वो पार्टी छोड़ेंगे तो वो उनके खिलाफ खड़े होंगे. आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा लंबे समय से पार्टी की गतिविधियों से नदारद हैं. शराब घोटाले में जब अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बरी किया गया, तब भी राघव चड्ढा ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. ऐसे में अटकलें हैं कि राघव आम आदमी पार्टी का साथ छोड़, बीजेपी का दामन थामने वाले हैं. आप सांसद संजय सिंह ने इन अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है. एक इंटरव्यू में संजय सिंह ने माना कि राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं. उन्होंने बताया कि अगर राघव चड्ढा आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ेंगे, तो सबसे पहले वो उनके खिलाफ नजर आएंगे.

इस सवाल पर कि क्या राघव चड्ढा आम आदमी पार्टी से अलग हो गए हैं? संजय सिंह ने कहा, 'नहीं! गलत बात है. क्यों अलग हो गए हैं?'

शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को डिस्चार्ज मिलने पर राघव चड्ढा की चुप्पी के सवाल पर भी संजय सिंह ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, 'इस सवाल का जवाब आप उनसे पूछें तो बेहतर रहेगा. संजय सिंह ने आगे कहा, ऐसा है कि राजनीति का दूसरा पक्ष ये भी है कि उतार-चढ़ाव आते हैं कई बार, तो आप इसका जवाब उन्हीं से पूछिए. वो ज्यादा अच्छे से जवाब दे पाएंगे.'

पंजाब चुनाव से पहले राघव चड्ढा के बीजेपी में शामिल होने की अटकलों पर संजय सिंह ने बताया कि उन्हें ऐसा नहीं लगता. उन्होंने दावा किया कि जिस दिन राघव ऐसा करेंगे, तो सबसे पहले वो उनके खिलाफ खड़े होंगे. संजय सिंह ने कहा, 'एक पार्टी के अंदर अगर आप हैं, परिवार के अंदर हैं, तो जो उसके अंदर की समस्याएं हैं उनको बैठकर-मिलकर, बातचीत करके सॉल्व करेंगे. अगर मामला वहां तक पहुंच गया तो तब देखा जाएगा.'

बांदा : आजम खान ने 20 साल पहले मर चुकी महिला को जिंदा दिखाकर हड़पी करोड़ों की जमीन, जानें पूरा मामला

बांदा में भू-माफियाओं के एक संगठित गिरोह ने 20 साल पहले मृत महिला की जमीन को फर्जी तरीके से आजम खान के नाम रजिस्ट्री करा दिया

महानगर मेट्रो

उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में भू-माफियाओं के सक्रिय होने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि गिरोह रजिस्ट्री कार्यालय में असली मालिक की जगह किसी और को खड़ा कर फर्जी तरीके से जमीन का बैनामा करवा लेता है। ताजा मामले में करीब 20 साल पहले मृत महिला की जगह दूसरी महिला को खड़ा कर जमीन आजम खान के नाम रजिस्ट्री कर दी गई। पीड़ित महेशवरा ने कोतवाली नगर में तहरीर देकर आजम खान समेत 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

पीड़ित का बयान

महेशवरा के अनुसार, उसके पिता बल्दू की लगभग 25 साल पहले मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद उनकी मां फुलिया और महेशवरा के नाम पर ग्राम हटेटीपुरवा की खाता संख्या 192 की जमीन आई। उसकी मां फुलिया की भी 20 साल पहले मृत्यु हो चुकी थी। तहरीर में आरोप है कि उसकी मां के नाम दर्ज जमीन का बैनामा किसी अन्य महिला को फुलिया बताकर आजम खान के नाम करा दिया गया।

गिरोह और आरोपियों का नेटवर्क

महेशवरा ने आरोप लगाया कि खेमचन्द्र पाल ने अपनी दादी को उसकी मृत मां फुलिया के रूप में रजिस्ट्री कार्यालय में पेश किया। इस पूरे फर्जीवाड़े में राजेश चक्रवर्ती, हरिकरन, रज्जू उर्फ नेम कुमार, केदार पाल, अनिल प्रजापति, खेमचन्द्र पाल, आजम खान, भागवत प्रसाद, दिलीप कुमार सिंह और खेमचन्द्र की दादी समेत कई लोग शामिल थे। पीड़ित का कहना है कि गिरोह गरीब और कम पढ़े-लिखे लोगों को निशाना बनाकर जमीनों पर कब्जा कर रहा है।

पहले भी दर्ज मामले

26 फरवरी को हटेटीपुरवा के ही नन्हुवा पुत्र ललुआ ने 34 बीघा जमीन के फर्जी रजिस्ट्री का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने उस मामले में आजम खान को मुख्य आरोपी मानते हुए 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया और बाद में उसे और उसके साथी को गिरफ्तार किया।

पुलिस की कार्रवाई

कोतवाली प्रभारी बलराम सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी आजम खान को जेल भेजा जा चुका है। रविवार को धोखाधड़ी का एक और मुकदमा दर्ज किया गया है और गिरोह के अन्य आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी।

दिल्ली में महंगी होगी बिजली, अप्रैल से बढ़ेंगे दाम... जानिए सरकार का प्लान

महानगर मेट्रो

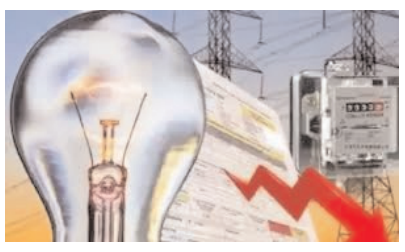

दिल्लीवासियों को गर्मी में झटका लग सकता है. क्योंकि सरकार अप्रैल से बिजली के दामों में बढ़ोतरी कर सकती है. हालांकि सरकार दरों में बढ़ोतरी पर सब्सिडी भी देगी. दिल्लीवासियों के लिए बड़ी खबर है. अप्रैल से बिजली की दरों में बढ़ोतरी की जा सकती है. दावा किया जा रहा है कि ऐसा इसलिए होगा, क्योंकि दिल्ली सरकार तीन बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को 38000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के बकाया का भुगतान करने की तैयारी कर रही है. एक एजेंसी के मुताबिक सरकार बिजली की दरों में बढ़ोतरी पर सब्सिडी देने की भी योजना बना रही है, ताकि उपभोक्ताओं पर इसका असर कम हो सके. पिछले साल अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को एक निर्देश दिया था. जिसमें कहा गया था कि सरकार तीन निजी डिस्कॉम BRPL, BYPL और TPDDL - को 27200 करोड़ रुपये की कैरिंग कॉस्ट (ब्याज) सहित रेगुलेटरी एसेट्स का भुगतान 7 साल के अंदर करे.

रेगुलेटरी एसेट्स वे लागतें हैं जिनकी वसूली भविष्य में होने की उम्मीद होती है. आम आदमी पार्टी के शासन के पिछले एक दशक में बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी न होने के कारण तेज़ी से बढ़ी हैं. दिल्ली बिजली नियामक आयोग (DERC) ने जनवरी में केंद्रीय एजेंसी, अपीलीय बिजली न्यायाधिकरण (APTEL) को सूचित किया कि दिल्ली में कुल रेगुलेटरी एसेट्स 38,552 करोड़ रुपये हैं.

जानें किस डिस्कॉम की है कितनी राशि

डीईआरसी की फाइलिंग के अनुसार बकाया राशि में BRPL के लिए 19,174 करोड़ रुपये, BYPL के लिए 12,333 करोड़ रुपये और TPDDL के लिए 7,046 करोड़ रुपये शामिल हैं. ये राशि डिस्कॉम द्वारा बिजली की आपूर्ति के लिए किए गए अनुमोदित खर्च है. वसूली में देरी के कारण ब्याज जमा होने से मूल रेगुलेटरी एसेट्स की राशि बढ़ गई है. अदालत ने DERC को एक वसूली योजना तैयार करने, कैरिंग कॉस्ट (ब्याज) का हिसाब रखने और लागत वसूली में हुई लंबी देरी की व्याख्या करते हुए एक विस्तृत ऑडिट करने का भी निर्देश दिया था. यह वसूली 7 साल की अवधि में बिजली के बिलों में रेगुलेटरी एसेट सरचार्ज बढ़ाकर किए जाने की संभावना है.

दिल्ली के बिजली मंत्री आशीष सूद ने पिछले साल मार्च में कहा था कि डिस्कॉम को रेगुलेटरी एसेट्स के रूप में जमा हुए 27,000 करोड़ रुपये वसूलने का अधिकार दिया गया है. जिससे यह संकेत मिला था कि शहर में बिजली की दरें बढ़ सकती हैं.

'अब कोई अपना सुहाग खतरे में नहीं डालेगा', केशव मौर्य ने अखिलेश यादव पर बोला हमला, बृजेश पाठक भी भड़के

यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने महिलाओं को लेकर किए गए वादों को लेकर अखिलेश यादव पर पलटवार किया है

महानगर मेट्रो

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भले ही अभी लंबा वक्त बाकी है, लेकिन राजनीतिक दल चुनावी मोड में अभी से आ गए हैं। रविवार को समाजवादी पार्टी ने प्रदेश कार्यालय पर अलग-अलग क्षेत्र में बेहतर काम करने वाली महिलाओं का सम्मान किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने महिलाओं को लेकर बड़ी-बड़ी बातें भी कहीं थी। उन्?होंने यह भी कहा था कि 2027 में सपा की सरकार आने पर वह महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये देंगे। इसी को लेकर अब योगी सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जोरदार हमला बोल दिया है। डिप्?टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी का मतलब है कि महिलाओं की सुरक्षा को खतरे में डालना। उत्तर प्रदेश की आधी आबादी ने 2014 में ही समाजवादी पार्टी को उखाड़ कर फेंक दिया था। 2017 में भी उन्हें हरा दिया और 2019 में भी हराया। 2022 में भी हरा दिया। 2024 में धोखा देकर कुछ सीटें ज्यादा जीत गए थे, लेकिन 2027 में सपा का संपूर्ण सफाया होगा। समाजवादी पार्टी का राजनीतिक सूर्य उत्तर प्रदेश में अस्त हो चुका है। इसलिए 2027 की बात छोड़िए 2047 तक उनकी कोई

उम्मीद नहीं है। अखिलेश यादव सिर्फ मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य

सपा के पास गुंडों की पूरी फौज है: केशव मौर्य

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कोई अपना सुहाग खतरे में नहीं डालना चाहेगा और ना ही कोई अपना संतान खतरे में डालेगा। ना ही कोई अपनी राखी को खतरे में डालाना चाहेगा। सपा उत्तर प्रदेश की सुरक्षा के लिए खतरा है। उनके पास गुंडे, माफिया, अपराधी, दंगाई, भ्रष्टाचारियों की एक पूरी फौज है।

सौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली: बृजेश पाठक

वहीं, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी का हाल बिल्कुल वही है, सौ-सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली है। सपा के शासनकाल में बहन-बेटियां पूरी तरह से सहमी हुई थी, डरी हुई थी। उस समय नारा लगता था कि देख सपाई बिटिया घबराई। समाजवादी पार्टी को एक बार अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उनके शासनकाल में बहू बेटियों की आबरू लूटी जा रही थी। बहू-बेटियों का निकलना दूभर था। ये लोग मुंबई से बुलाकर डांस देखते थे। ये सुचिता की बात करते हैं, महिला सम्मान की बात करते हैं। समाजवादी पार्टी को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

दिल्लीवालों सावधान सर्च किया अस्पताल का नंबर और खाते से उड़े 53 हजार रुपये

पीड़ित शख्स ने साइबर क्राइम पोर्टल पर कंप्लेंट कराई रजिस्टर्ड

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली: रोहिणी के एक शख्स को एक अस्पताल का नंबर ऑनलाइन सर्च करना महंगा पड़ा। पीड़ित ने एक नामी अस्पताल में एक डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेने के लिए ऑनलाइन उस हॉस्पिटल का नंबर सर्च किया। नंबर के जरिए जिससे संपर्क हुआ, उसने एक लिंक भेजकर पीड़ित को 10 रुपये जमा करने के लिए कहा। बाद में उनके बैंक खाते से हजारों रुपये

निकाल लिए। पीड़ित को बाद में ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर अपनी कंप्लेंट रजिस्टर्ड कराई है। पीड़ित के मुताबिक, उन्हें अपने एक बीमार रिश्तेदार के लिए दिल्ली में डॉक्टर की तलाश थी। पिछले हफ्ते उन्होंने अपॉइंटमेंट के लिए एक नामी अस्पताल का नंबर ऑनलाइन सर्च किया। सर्च में टॉप पर एक मोबाइल नंबर मिला। इस पर कॉल किया तो बताया गया कि वह वॉट्सऐप पर एक लिंक भेजेगा। उस पर 10 रुपये ट्रांसफर कर देना। इससे आपकी अपॉइंटमेंट कन्फर्म हो जाएगी।

जांच में जुटी पुलिस

पीड़ित ने 10 रुपये पे कर दिए, लेकिन कुछ देर बाद एक अन्य मोबाइल नंबर से फोन आया और बताया गया कि भुगतान नहीं हुआ है। उसने बताया कि वह एक फाइल भेज रहा है, उसमें अपनी सारी जानकारी मुहैया कर दो। पीड़ित ने ऐसा ही किया।

दतिया में सरपंच पति का मुंह किया काला, जूतों की माला पहनाई और जुलूस निकाला, भतीजे पर लड़की भगाने का है आरोप

महानगर मेट्रो

दतिया के उनाव कस्बे में सरपंच पति के साथ मारपीट हुई है। साथ ही जूतों की माला पहनाई है। सरपंच के भतीजे पर लड़की भगाने का आरोप है। हालांकि लड़की का कहना है कि मैं अपनी मर्जी से गई थी। मध्य प्रदेश के दतिया में सरपंच के पति को पीटा गया है। साथ ही मुंह काला करके जुलूस निकाला गया है। इसके साथ ही आरोपियों ने जूते की माला पहनाई है। पूरा मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा हुआ है। सोशल मीडिया पर अब इसका वीडियो वायरल हो रहा है।

सरपंच पति को जमकर पीटा

पूरा मामला उनाव कस्बा का है। ग्राम पंचायत के सरंपच के अधेड़ उम्र पति को पहले लात घूसों से जमकर पीटा गया। मारपीट करने से मन नहीं भरा तो अधेड़ का मुंह काला किया गया। यही नहीं, अधेड़ के गले में जूतों, चप्पलों की माला पहनाकर पूरे गांव में जुलूस में निकाला गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जुलूस निकालने वालों को खदेड़ा है।

गांव की युवती से भाग गया था सरपंच का भतीजा

आरोप है कि सरपंच का भतीजा जो खुद सरपंची करता है। वह गांव की एक विवाहित युवती के साथ भाग गया। इसी बात से लड़की के परिजन नाराज हैं। हालांकि रविवार को युवती वापस लौट आई और पुलिस को दिए बयानों में उसने बताया कि वह अपनी मर्जी से गई थी।

आरोपियों को पुलिस ने खदेड़ा

खबर दतिया पुलिस तक पहुंची तो पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। लक्ष्मण के गले से जूतों और चप्पलों की माला उतारी। वहीं जुलूस निकालने वालों को खदेड़ा। हालांकि सरपंच और उसके जेठ ने किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई। शाम को लड़की भी वापस लौट आई और पुलिस को दिए बयानों में बताया कि वह अपनी मर्जी से गई थी।

19 मार्च को हुई थी लापता

जानकारी के अनुसार, कस्बा उनाव निवासी 21 वर्षीय युवती 19 मार्च को घर से चली गई। युवती की 20 फरवरी को ही शादी हुई थी। शादी के बाद वह ससुराल गई और वहां से लौटने के बाद वापस ससुराल नहीं गई।

सरपंच के भतीजे से प्रेम प्रसंग

युवती का सरपंच किरन वर्मा के भतीजे विशाल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। 19 मार्च को युवती घर से बिना बताए चली गई। परिजन का कहना है कि सरपंच का भतीजा विशाल लड़की को भगा ले गया। रविवार दोपहर युवती के परिजन सरपंच के घर पहुंचे और सरपंच के पति लक्ष्मण वर्मा के साथ लात घूसों से मारपीट की। इसके बाद मुंह पर कालिख पोती गई। कालिख पोतने के बाद लक्ष्मण को जूतों, चप्पलों की माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाया गया। आगे लक्ष्मण, पीछे लड़की के परिजन और अन्य ग्रामीण चल रहे थे।

देश का सबसे ऊंचा केबल स्टे ब्रिज बनकर तैयार, 1 मई से खुल जाएगा मुंबई-पुणे मिसिंग लिंक, आधे घंटे घटेगी दूरी

महानगर मेट्रो

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर लंबे समय से भारी यातायात जाम की समस्या बनी हुई है, खासकर खंडाला घाट खंड पर, जिससे देरी होती है और यात्रा का समय बढ़ जाता है। इन लगातार बनी रहने वाली समस्याओं से निपटने के लिए, मिसिंग लिंक बनाकर तैयार किया गया है। यह मिसिंग लिंक 1 मई से खुल जाएगा। मुंबई : मुंबई से पुणे के बीच सफर करने वाले यात्री 1 मई से अपने गंतव्य स्थान तक 25 मिनट पहले पहुंच सकेंगे। यात्रियों का सफर कम समय में पूरा कराने के लिए सह्याद्रि के दो पर्वत के बीच देश का सबसे ऊंचा केबल स्टे ब्रिज तैयार करने का काम 99.9 फीसदी तक पूरा कर लिया गया है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) 1 मई को मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर बने 13.3 किमी लंबे मिसिंग लिंक प्रॉजेक्ट को आम गाड़ियों के लिए खोलने की योजना पर काम कर रहा है। इस प्रॉजेक्ट के तहत दो पहाड़ों के बीच मार्ग तैयार करने के लिए 182 मीटर ऊंचा केबल ब्रिज तैयार किया गया है। 182 ऊंचे ब्रिज पर गाड़ियां 132 मीटर की ऊंचाई से गुजरेंगी। मिसिंग लिंक प्रॉजेक्ट के माध्यम से पहाड़ के बीच रास्ता तैयार किया जा रहा है।

ऐसा कर एमएसआरडीसी ने मुंबई- पुणे एक्सप्रेस वे की दूरी 6 किमी घटा दी है। नया रास्ता तैयार होने से वाहन चालकों को पहाड़ का चक्कर लगाते हुए आगे नहीं बढ़ना नहीं पड़ेगा। सीधी सड़क होने से गाड़ियां तेजी से आगे बढ़ पाएंगी।

99.9 फीसदी काम पूरा

देश का सबसे ऊंचा केबल स्टे ब्रिज तैयार करने वाली ऑफकॉन्स कंपनी के अनुसार, ब्रिज 99.9 फीसदी तक बन कर तैयार हो चुका है। अब केवल अंतिम फिनिशिंग का काम चल रहा है। सरकार 1 मई तक ब्रिज को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल सकती है।

क्या है मिसिंग लिंक प्रॉजेक्ट

गौजूदा समय में एक्सप्रेस वे पर खोपोली एक्जिट से सिंहगढ़ इंस्टीट्यूट के बीच की दूरी 19 किगी है। मिसिंग लिक के बन जने से 19 किमी की दूरी घट कर 13.3 किमी में सिमट जाएगी। पॉजेक्ट के तहत दो टनल और दो केबल ब्रिज बनाए गए है। 13.33 किमी के कुल मार्ग में से 11 किमी लबी टनल और करीब 2 किमी का केबल ब्रिज है। करीब 850 नीटर लंबे और 26 मीटर चौड़े दो केवल ब्रिज का निर्माण दो चरण में किया गया है।

डेडलाइन मिस कर बना मिसिंग लिंक

मिसिंग लिक प्रॉजेक्ट के तहत टनल तैयार करने का काम कई महीने पहले पूरा किया जा चुका था। लेकिन 182 मीटर ऊंचा ब्रिज तैयार करने में आ रही चुनौतियों की वजह से 2024 में बन कर तैयार होने वाला ब्रिज अब बन पाया है। पहले इसकी डेडलाइन मार्च 2024, फिर जनवरी 2025, फिर मर्च 2025 रखी गई थी। अफकॉन्स के अनुसर, ब्रिज का निर्माण ऐसा स्थान पर किया गया है, जहां सब कुछ मौसम पर निर्भर होता था। हवा की रफ्तार अधिक होने, कोहरा होने पर काम रोकना पड़ता था। वहीं मानसून के दौरान परिसर में खूब बारिश होने की वजह से चार महीने काम बंद करना पड़ता था।

कॉलेज छात्र बोले- खाने में छिपकली है, एक झटके में खा गया कैंटीन स्टाफ, कहा- अरे, ये शिमला मिर्च है

महानगर मेट्रो

मध्यप्रदेश के भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एक बार फिर विवादों में है. यहां कैंटीन के खाने में अचानक छिपकली निकलने पर जब छात्रों ने शिकायत की तो कुछ अनोखा ही देखने को मिला. दरअसल, शिकायत पर कैंटीन स्टाफ ने उसे खा लिया और कहा- अरे शिमला मिर्च है ये. भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (RGPV) एक बार फिर विवादों में है. छात्रों ने विश्वविद्यालय की कैंटीन के खाने में छिपकली मिलने का आरोप लगाया है जिसके बाद प्रबंधन ने जांच के लिए कमिटी गठित कर दी है. हैरानी की बात यह है कि छात्र ने कैंटीन स्टाफ को खाने में छिपकली दिखायी तो उन्होंने एक झटके में उसे खाकर शिमला मिर्च बता दिया. यह वीडियो अब सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है.

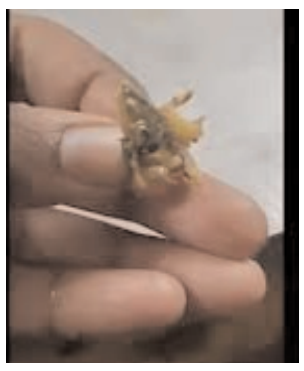

सब्जी में दिखी मरी हुई छिपकली

घटना 18 मार्च की बतायी जा रही है जब छात्र यूनिवर्सिटी के कैंपस स्थित कैंटीन में खाना खा रहे थे. खाने के दौरान छात्रों ने सब्ज़ी में एक मरी हुई छिपकली देखी और तुरंत वहां मौजूद कैंटीन स्टाफ से इसकी शिकायत की. छात्रों की शिकायत पर कैंटीन कर्मचारी ने उस संदिग्ध टुकड़े को उठाया और यह कहते हुए कि वह शिमला मिर्च है, उसे मुंह में डालकर खा लिया. घटना का वीडियो वायरल होने के बाद आरजीपीवी के डायरेक्टर सुधीर भदौरिया ने कहा कि छात्रों के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा. हालांकि कैंटीन संचालक का कहना है कि वो छिपकली नहीं शिमला मिर्च थी जिसे कैंटीन कर्मचारी ने खाकर भी बताया था. फिर भी संस्थान की तरफ़ से पूरे मामले की जाँच जारी है और जांच में लापरवाही सामने आती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी.

CM मोहन यादव का सख्त एक्शन, MP में कलेक्टर और एसपी पर गिरी गाज

महानगर मेट्रो

मध्य प्रदेश के गुना में हवाला कांड में पुलिस पर गुजरात के व्यापारी से 20 लाख रुपये वसूलने का आरोप लगा है. व्यापारी 1 करोड़ नकद लेकर जा रहा था. शिकायत के बाद पैसे वापस कराए गए. डीजीपी ने जांच के आदेश दिए. मामले के लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव सख्त रुख अपनाया है. मामले में एसपी को हटाने के निर्देश भी जारी किए हैं. मध्य प्रदेश के गुना में हवाला से जुड़े एक सनसनीखेज मामले ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं. इससे पहले सिवनी में हवाला का पैसा लूटने के मामले में पुलिस की किरकिरी हो चुकी है, वहीं अब गुना में भी पुलिस पर अवैध वसूली के गंभीर आरोप लगे हैं. आरोप है कि पुलिस ने गुजरात के एक जीरा व्यापारी से डराकर 20 लाख रुपये वसूल लिए. बताया जा रहा है कि व्यापारी अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी (GJ05 RK 9351) में 1 करोड़ रुपये नकद लेकर गुजरात जा रहा था. इसी दौरान जब वह NH46 से गुजरते हुए पगारा टोल प्लाजा पहुंचा, तो दो पुलिसकर्मियों ने उसकी गाड़ी रोक ली और उसे रूठियाई पुलिस चौकी ले जाया गया. आरोप है कि रूठियाई चौकी पर पुलिस ने हवाला के पैसे को लेकर व्यापारी पर दबाव बनाया और 20 लाख रुपये में मामला सेट कर लिया. इसके बाद धरनावदा पुलिस ने कथित तौर पर 1 करोड़ में से 20 लाख रुपये वसूल कर व्यापारी और उसकी गाड़ी को छोड़ दिया.

ढुक्कर अधिकारी के हस्तक्षेप के बाद लौटे पैसे

पुलिस के चंगुल से छूटने के बाद व्यापारी ने इस मामले की शिकायत गुजरात के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी से कर दी. आईपीएस अधिकारी ने इस पूरे मामले की जानकारी गुना के पुलिस अधीक्षक तक पहुंचाई. सूचना मिलने के बाद गुना के एसपी ने धरनावदा पुलिस को फटकार लगाई और व्यापारी से लिए गए 20 लाख रुपये वापस करवाए गए. बताया जा रहा है कि व्यापारी ने इस मामले की शिकायत गुजरात के एक बड़े नेता से भी की, जिसके बाद मामला और अधिक तूल पकड़ गया. मामले के तूल पकड़ते ही पुलिस विभाग में हलचल तेज हो गई. मध्य प्रदेश के डीजीपी ने मामले का संज्ञान लेते हुए ग्वालियर संभाग के आईजी को जांच के निर्देश दिए. आईजी अरविंद सक्सेना ने मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी अमित सांघी को जांच के लिए गुना भेजा है.

जांच में पुलिस की भूमिका संदिग्ध, सख्त कार्रवाई के संकेत

आईजी ने कहा कि इस मामले में पुलिस की कार्यशैली संदिग्ध प्रतीत हो रही है. यदि हवाला का मामला था तो इसकी सूचना इनकम टैक्स विभाग को दी जानी चाहिए थी. उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी पुलिसकर्मी की अवैध वसूली में संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. डीआईजी अमित सांघी ने धरनावदा थाने और रूठियाई पुलिस चौकी पहुंचकर पुलिसकर्मियों से पूछताछ की. इस दौरान पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी भी मौजूद रहे. डीआईजी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामले में पुलिस की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है और शिकायतकर्ता के अनुपस्थित होने के कारण जांच को विस्तार से किया जाएगा. इस पूरे मामले में थाना प्रभारी प्रभात कटारे समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है. जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट पेश की जाएगी और नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी.

मुख्यमंत्री का सख्त रुख, बड़े अधिकारियों पर गिरी गाज

मामले के तूल पकड़ने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर सख्त रुख अपनाया. उन्होंने गुना जिले में इस प्रकरण में पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी की भूमिका को उचित नहीं मानते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि प्रशासनिक शिथिलता, लापरवाही या अनियमितता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी. दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी. इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सीधी जिले में भी आकस्मिक निरीक्षण के बाद जिला कलेक्टर स्वरोचित सोमवंशी को हटाने और जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक पीएस धनवाल को निलंबित करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए और जवाबदेही हर स्तर पर तय की जाएगी. वहीं, 2018 बैच की IPS अधिकारी हितिका वासल को गुना का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है.

मंदिर में भड़के पुजारी, भक्तों पर बरसाए लाठी, लात और मुक्के, VIDEO

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र राज्य एके कोल्हापूर जिले के वाडीरत्नागिरी स्थित, ज्योतिबा मंदिर में 15 से 20 पुजारियों ने युवा भक्तों को लाठियों, लातों और मुक्कों से पीट दिया. दरअसल पुजारी मंदिर में आए कुछ युवा भक्तों की हरकतों से भड़क गए थे. कोल्हापूर जिले के वाडीर त्नागिरी स्थित, ज्योतिबा मंदिर में 15 से 20 पुजारियों ने युवा भक्तों को लाठियों, लातों और मुक्कों से पीट दिया. दो भक्तों के शरीर पर चोटें साफ दिख रही हैं. दरअसल, रविवार दोपहर में करीब दो घंटे तक श्री क्षेत्र ज्योतिबा मंदिर परिसर में परिते गांव के 50 से ज्यादा भक्त रुके हुए थे. इनमें से कुछ युवकों ने मंदिर क्षेत्र में गुलाल उछालना और नारियल फेंककर अन्य भक्तों को परेशान करना शुरु कर दिया. इससे पुजारियों को भी परेशानी हुई और समझाने के प्रयास में यह मारपीट हो गई. कुछ युवक तो भाग गए थे लेकिन तीन-चार पकड़े गए जिन्हें पुजारियों और सिक्योरिटी गार्ड्स ने बुरी तरह पीटा. यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. हालांकि, मारपीट का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं. इस पर क्या कार्रवाई होगी, देखना जरूरी है. वीडियो में दो-तीन पुजारियों द्वारा भक्तों के सिर पर नारियल मारते भी दिखा. गौरतलब है कि वाडी रत्नागिरी का ज्योतिबा मंदिर महाराष्ट्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां हर साल 1 अप्रैल को मुख्य यात्रा का आयोजन होता है. इस दौरान महाराष्ट्र के साथ-साथ कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से भी हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं. फिलहाल, इस घटना ने मंदिर की व्यवस्थाओं और सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं. प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच और संभावित कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है.

इंदौर में डॉक्टर सईद खान पर युवती ने लगाया रेप का आरोप, रिसॉर्ट में पकड़े जाने पर हिंदूवादी संगठनों ने पीटा, घर में भी तोड़फोड़

महानगर मेट्रो

मध्यप्रदेश के इंदौर स्थित एक क्लिनिक में इलाज कराने गई युवती के साथ डॉक्टर ने गलत किया है। डॉक्टर ने नशीला इंजेक्शन देकर उसके साथ रेप किया। इसके बाद ब्लैकमेल करने लगा।

आरोपी डॉक्टर सईद खान

इंदौर: एमपी के इंदौर में हिंदू युवती को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। आरोप एक डॉक्टर पर लगा है। युवती डॉक्टर के क्लिनिक पर इलाज करने गई थी। आरोप है कि डॉक्टर ने नशे का इंजेक्शन देकर उसके साथ गलत किया है। साथ ही उसकी अश्लील तस्वीरें खींच ली है। इसके नाम पर युवती को वह लगातार ब्लैकमेल कर रहा था। पीड़िता के परिजनों ने डॉक्टर के घर में तोड़फोड़ की है। साथ ही उसके घर में आग लगा दी है।

डॉक्टर ने युवती को रिसॉर्ट में बुलाया

आरोप है कि आरोपी ने युवती को पातालपानी स्थित बेलामोर रिसॉर्ट में बुलाया। यह खबर हिंदूवादी संगठनों को मिल गई। इसके बाद ये लोग भी रिसॉर्ट पहुंच गए। यहां आरोपी को एक कमरे से युवती के साथ पकड़ा। जमकर पिटाई के बाद पुलिस को सौंप दिया।

डॉक्टर के क्लिनिक पर गई थी इलाज कराने

वहीं, पीड़िता ने पूछताछ में बताया कि वह चार महीने पहले गुजरखेड़ा में डॉ सईद खान के क्लिनिक पर इलाज कराने गई थी। डॉक्टर ने इंजेक्शन देकर उसे बेहोश कर दिया। साथ ही रेप कर उसकी अश्लील तस्वीरें खींच लीं। इसके बाद से वह युवती को ब्लैकमेल करने लगा।

घर में तोड़फोड़ के बाद लगा दी आग

इसके बाद शाम को युवती के परिजन और हिंदूवादी संगठन के लोग आरोपी डॉ सईद खान के आम्बाचंदन स्थित घर पहुंचे। घर पर लोगों ने तोड़फोड़ की है। साथ ही आग लगा दी है। वहीं, बंद क्लिनिक पर लोगों ने पथराव किया है। पुलिस ने वहां उपद्रव कर रहे लोगों को खदेड़ दिया है। इलाके में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

आरोपी डॉक्टर पर केस दर्ज

बड़गोंदा थाने की पुलिस ने बताया कि पीड़ित युवती की शिकायत पर आरोपी डॉक्टर के खिलाफ रेप, ब्लैकमेलिंग की धाराओं में केस दर्ज हुआ है। साथ ही उसे हिरासत में लिया गया है। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

UPSC में बजा एमपी का डंका, इस बार 61 छात्रों का चयन, छोटी-छोटी जगहों से निकले हैं ये; सीएम ने किया सम्मानित

महानगर मेट्रो

सीएम मोहन यादव ने भोपाल में यूपीएससी में सफल छात्रों को सम्मानित किया है। साथ ही कहा कि यह एमपी के लिए गर्व की बात है। मध्य प्रदेश के 61 छात्रों का चयन यूपीएससी में हुआ है।

सीएम मोहन यादव ने यूपीएससी अभ्यर्थियों को किया सम्मानित

भोपाल : मध्य प्रदेश का इस बार यूपीएससी की परीक्षा में डंका बजा है। पहली बार मध्य प्रदेश से 61 छात्रों का चयन यूपीएससी में हुआ है। इन 61 छात्रों में से कई छात्र ऐसे हैं, जिन्होंने मध्य प्रदेश के छोटे शहरों में स्थित कॉलेजों में पढ़ाई की है। साथ ही इस मिथक को तोड़ दिया है कि यूपीएससी की तैयारी के लिए बड़े शहरों की जरूरत पड़ती है। सीएम मोहन यादव ने यूपीएससी में सफल छात्रों को सम्मानित किया है।

एमपी बना चौथा राज्य

दरअसल, यूपीएससी में एमपी का प्रदर्शन लगातार सुधर रहा है। इस बार मध्य प्रदेश से 61 छात्रों का चयन हुआ है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश देश का चौथा राज्य बन गया है, जहां के 61 बच्चे यूपीएससी में सफल हुए हैं। वहीं, सबसे खास बात यह है कि 61 में से 22 छात्रों का चयन मध्य प्रदेश के शासकीय कॉलेज के छात्रों का हुआ है। यह मध्य प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है।

सफल अभ्यर्थियों ने दिए सफलता के मंत्र

यूपीएससी की परीक्षा में पांचवीं रैंक लाने वाले ईशान भटनागर ने कहा कि मध्य प्रदेश के अभ्यर्थियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं, यूपीएससी की तैयारी करने वाले लोगों को पहले यह सोचना चाहिए कि वह क्यों करना चाहते हैं। अगर यह तय कर लेंगे तो अपने लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। वहीं, 260वीं रैंक हासिल करने वाली प्राची चौहान ने कहा कि मुझे गर्व और भावुकता दोनों है। हम सफलता की चमक को देखते हैं, उस चुनौतियों को नहीं देखते हैं। मेरे पिता किसान हैं। संसाधनों की कमी के बावजूद आपकी मेहनत में सच्चाई है तो आपको सफलता जरूर मिलेगी।

गायवाला बन जाता है मुख्यमंत्री

यूपीएससी छात्रों को सम्मानित करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि मैं आपके माध्यम से उस काल की कल्पना कर रहा हूं। छात्रों की संख्या बढ़ती जाए। आपसभी लोग एक नई दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। अब टॉप रैंक में भी मध्य प्रदेश के बच्चे हैं। यहां के बच्चों ने अपनी प्रतिभा से दुनिया भर में झंडे गाड़े हैं। मोहन यादव ने कहा कि हमारा चयन हो या न हो, लेकिन एक बार आपका चयन हो जाए तो स्थाई हो जाता है। लेकिन लोकतंत्र की यह खूबसूरती है कि एक गायवाला भी मुख्यमंत्री बन जाता है। मोहन यादव ने कहा कि आप काम करते-करते नवाचार पर ध्यान दें। साथ ही समय का सदुपयोग करें। ईमानदारी और सत्यनिष्ठा का मार्ग का कभी नहीं छोड़ें। साथ ही विकसित भारत के आप सभी शिल्पकार बनें।

मुंबई: ऊंची इमारत में लगी भीषण आग, 72 वर्षीय महिला की हुई मौत

महानगर मेट्रो

मुंबई में रविवार देर रात एक इमारत में आग लग गई. जिससे 72 वर्षीय महिला की मौत हो गई. हालांकि आग कैसे लगी, अभी इसके कारणों का पता नहीं चल पाया है. मुंबई के गोरेगांव ईस्ट इलाके में एक 24-मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई. जिससे 72 साल की एक महिला की मौत हो गई. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी ने बताया कि ज़िला अदालत के पास कृष्णा वाटिका मार्ग पर गोकुलधाम कॉलोनी में स्थित 'लक्ष्य चांदी बिल्डिंग' में शाम करीब 7.20 बजे आग लगने की सूचना मिली. एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि आग रिहायशी टावर की छठी मंज़िल तक ही सीमित थी. उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर कम से कम आठ दमकल गाड़ियां भेजी गईं. दमकलकर्मियों ने इंदु तारकेश्वर सिंह नाम की एक बुज़ुर्ग महिला को बचाया और उन्हें तुरंत गोरेगांव के 'लाइफ़लाइन अस्पताल' पहुंचाया. हालांकि अधिकारी ने बताया कि अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. अभी यह तुरंत पता नहीं चल पाया है कि उनकी मौत चोटों की वजह से हुई या धुएं में सांस लेने की वजह से. आग बुझाने और बचाव कार्यों में मदद के लिए पुलिस, बिजली विभाग के कर्मचारी, 108 एंबुलेंस और बृहन्मुंबई नगर निगम के स्थानीय वार्ड कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे. नगर निगम अधिकारी ने बताया कि आग रात 11.20 बजे बुझा दी गई और घटनास्थल पर 'कूलिंग ऑपरेशन' (आग बुझाने के बाद जगह को ठंडा करने का काम) जारी था. फिलहाल अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है.

उद्धव ठाकरे को ऑपरेशन टाइगर का डर, सांसदों संग की मातोश्री में बैठक कर दूर की नाराजगी

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र की राजनीति में 'ऑपरेशन टाइगर' की गूंज विपक्ष की बेचैनी बढ़ा रही है। इधर किसी आशंका के चलते उद्धव ठाकरे ने आनन-फानन में मातोश्री में बैठक बुलाई। सांसदों के साथ लंबी चली इस बैठक में तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि उद्धव ठाकरे के सांसदों में अंदरूनी नाराजगी है मुंबई : 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चा के बीच उद्धव ठाकरे अपने सांसदों को साधने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में उन्होंने रविवार को अपने निवास 'मातोश्री' पर पार्टी सांसदों की बैठक बुलाई। बैठक में नाराज सांसदों को समझाने और उनके गिले-शिकवे दूर करने की कोशिश की गई। सूत्रों के मुताबिक, उद्धव ठाकरे से मुलाकात न हो पाने को लेकर नाराज सांसदों से सीधे बातचीत कर डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की गई। बैठक में उद्धव ठाकरे के साथ युवा सेना प्रमुख और विधायक आदित्य ठाकरे, सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई, राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी, ओमराजे निंबालकर, नागेश पाटील-आष्टीकर, संजय दीना पाटील, राजाभाऊ वाजे, संजय देशमुख और भाऊसाहेब वाकचौरे मौजूद थे। उद्धव सेना के एक नेता ने बताया कि सांसदों से कहा गया कि 'मातोश्री' के दरवाजे उनके लिए हमेशा खुले है। किसी भी मुद्दे को वे सीधे या अन्य नेताओं के माध्यम से उद्धव ठाकरे तक पहुंचा सकते है। उद्धव और आदित्य से मिलने के बाद सभी सांसदों के गीले-शिकवे दूर हो गए।

पंवठद कफकमफप। बढ़फ नठरठजगफ

दरअसल, पिछले कुछ दिनों में दिल्ली में संजय राउत के घर पर जुटे सांसदों ने यह शिकायत की कि वे पार्टी नेतृत्व से ठीक तरह से मिल नहीं पा रहे हैं, और संवाद की कमी लगातार बनी हुई है। इस दौरान कुछ सांसदों ने आदित्य ठाकरे की सक्रियता पर भी सवाल उठाए। वही, उपमुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे के हालिया दिल्ली दौरे के बाद 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चाओं ने उद्धव सेना के लिए स्थिति और पेंचीदा कर दी। इसी के बाद उद्धव ठाकरे ने खुद पहल करते हुए सभी सांसदों की बैठक बुलाई और स्थिति को संभालने के लिए जरूरी संवाद स्थापित करने की कोशिश की।

फंड और एकजुटता पर जोर

उद्धव सेना के एक नेता ने बताया कि सांसदों को पार्टी के प्रति वफादारी के साथ काम करने को कहा गया है। सांसदों की शिकायत थी कि उन्हें उपयुक्त फंड नही मिलता। इस पर उद्धव ने कहा कि शिवसेना लड़कर हक पाने वाली पार्टी है, इसलिए सरकार के खिलाफ लड़ना होगा। करीब एक घंटे चली बैठक में शिकायतें सुनी गई और एकजुट रहने का संदेश दिया गया।

समर वेडिंग के लिए परफेक्ट हैं फ्लोरल लहंगे

गर्मी का मौसम शुरु हो गया है। इस मौसम में अगर आपको किसी शादी में जाना हो तो सबसे पहले मन में यही ख्याल आता है कि इतनी गर्मी में डीप कलर के हेवी लहंगे या साड़ियां पहनी कैसे जाएंगी। तो आपकी इस समस्या का हल है फ्लोरल लहंगे। लाइट और ब्राइट कलर्स के फ्लोरल लहंगे समर वेडिंग के लिए परफेक्ट चॉइस है।

ट्रडिशनल अवतार

लाइट पिंक कलर की चिकनकारी वर्क वाली स्कर्ट के साथ पतले स्ट्रैप वाली ब्लाउज और फ्लोरल दुपट्टा...यह लुक इस लुक को अपनी किसी दोस्त या रिश्तेदार के शादी में ट्राई कर सकती हैं।

लॉन्ग फ्लोरल लहंगे के लुक वाली स्कर्ट संग मैचिंग केप डिजाइन वाली क्रॉप टॉप और खुले बाल में बेहद खूबसूरत लगेंगी। ब्राइस्डमेड के तौर पर भी आप इस लुक को गर्मी के मौसम की शादियों में ट्राई कर सकती हैं।

ऑफ वाइट कलर का फ्लोरल लहंगा स्कर्ट, मैचिंग दुपट्टा और डीप ग्रीन कलर की ब्लाउज। गर्मियों में जब लाइट और ब्राइट कलर्स का ट्रेंड रहता है, ऐसे में यह लहंगा परफेक्ट चॉइस है।

सिंपल लुक

अगर आपको भी लाइट कलर्स पसंद हैं तो किसी दोस्त या रिश्तेदार की समर वेडिंग में इस लुक को ट्राई कर सकती हैं। पाउडर ब्लू कलर और पिंक कलर का यह लहंगा देखने में भले ही बेहद सिंपल हो लेकिन यह आपको अलग और डिफरेंट लुक देगा।

ब्राइडल लुक को और खास बना देंगे नथ के ये डिजाइन

भारतीय दुल्हन के श्रृंगार में चार चांद लगाने का काम करती है नथ जो चेहरे की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती है। अगर आप भी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं तो नथ लेते समय इसके नए डिजाइंस के बारे में एक बार जरूर जान लें।

दुल्हन बनने की तैयारी कर रहीं हैं और कपड़ों के साथ ही सही ज्वैलरी डिजाइंस को चुनना जरुरी है। ज्वैलरी का सबसे खास हिस्सा होता है नाक की नथ और इसके कई सारे डिजाइन आपको बाजार में मिल जाएंगे।

रिंग वाली नथ- अगर आप बहुत सिम्पल सी नथ पहनना चाहती हैं तो रिंग वाली नथ ट्राई कर सकती हैं।

जड़ाऊ नथ- जड़ी हुई नथ शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़ाऊ लंहगे के साथ पहन सकती है।

मल्टीपल चेन वाली नथ- अगर आप ज्वैलरी डिजाइन के साथ प्रयोग करना चाहती हैं तो तीन चैन वाली नथ को पहनकर देखिए यह आपके चेहरे का लुक ही बदल देगी। इसके साथ हैवी मांगटीका भी बहुत अच्छा लगता है।

ब्रांज नथ- इसे प्योर गोल्ड से बनाया जाता है जो हल्का सा डल लुक देता है।

हूप नथ- बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

त्वचा की हर समस्या का समाधान रखता है शहद, जानिए इसके फायदे

जब भी स्किन केयर की बात होती है तो हम नेचुरल आइटम्स पर अधिक फोकस करना पसंद करते हैं। इनसे स्किन को किसी भी तरह के नुकसान होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। वहीं, दूसरी ओर यह नेचुरल इंग्रीडिएंट्स हर तरह की स्किन के लिए अच्छे माने जाते हैं। इन्हीं स्किन केयर इंग्रीडिएंट्स में से एक है शहद। शहद को लंबे समय से कभी स्किन केयर पैक तो कभी यूं ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें गजब के मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं, जो आपकी स्किन को अधिक स्वस्थ और बेहतर बनाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शहद से स्किन को मिलने वाले कुछ गजब के फायदों पर चर्चा कर रहे हैं-

मिलती है ग्लोइंग स्किन

अगर आप अपनी स्किन को नेचुरली हेल्दी व ग्लोइंग बनाना चाहती हैं तो इसके लिए शहद से अधिक बेहतर उपाय और कोई नहीं है। शहद में त्वचा को चमकदार बनाने के गुण होते हैं और यह उपयोग के बाद यह आपके फेस पर चमक के साथ-साथ नमी भी बनाए रखता है। रूखी स्किन की महिलाएं तो इसे इस्तेमाल करती हैं ही, साथ ही साथ यह ऑयली, एक्ने और अन्य स्किन के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है।

निशानों को करे हल्का

शहद में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो घाव भरने और निशानों को मिटाने में मदद करते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी स्किन पर किसी तरह के निशान को हल्का करना चाहते हैं तो ऐसे में शहद के इस्तेमाल से वह धीरे-धीरे मिटने लगते हैं। आप एक्ने के दाग-धब्बों को मिटाने के लिए शहद का इस्तेमाल स्पॉट ट्रीटमेंट के रूप में कर सकते हैं।

एजिंग के साइन्स को करे रिवर्स

अगर आप अपनी स्किन को अधिक लंबे समय तक जवां-जवां बनाए रखना चाहती हैं तो ऐसे में शहद का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। शहद में मौजूद प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद करते हैं। शहद चेहरे पर झुर्रियों और महीन रेखाओं की उपस्थिति को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं, शहद को चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बेहतर होती है, जिससे वह जवां और चमकदार दिखती है। आप हर सप्ताह शहद का मास्क लगा सकती हैं और अपनी स्किन को अधिक यंगर बना सकती हैं।

सनबर्न से राहत

अगर आपकी स्किन पूरे दिन धूप में रहने के कारण डैमेज हो रही है तो ऐसे में शहद आपकी मदद कर सकता है। धूप से झुलसी त्वचा के कारण स्किन में रेडनेस, सूखापन और जलन महसूस होती है। ऐसे में अपनी स्किन को ठंडक प्रदान करने के लिए आप एक भाग कच्चे शहद को दो भाग एलोवेरा जेल के साथ मिक्स करें और सीधे प्रभावित जगह पर लगाएं। याद रखें कि आप मिश्रण को रगड़ें नहीं, बल्कि इसकी लेयर लगाकर ऐसे ही छोड़ दें। यह उपाय ना केवल सनबर्न से राहत दिलाएगा, बल्कि आपकी स्किन के रंग-रूप में भी सुधार करने में मदद करेगा।

खूबसूरत बाल के लिए अपनायें ये उपाय

आजकल प्रदूषण और सही डाइट ना लेने के कारण कम उम्र में ही बाल सफेद होने लगते हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाकर आप बालों की समस्याओं से राहत पा सकती हैं। कई बार ध्यान न देने की वजह से लोगों के बाल रूखे-सूखे और बेजान होने के साथ कम उम्र में ही झड़ने लगते हैं। ऐसे में अपने बालों को फिर से लंबे और खूबसूरत बनाने के लिए आयुर्वेद नुस्खे अपना सकती हैं।

मेथी दाना- मेथी दाने में भरपूर मात्रा में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन सी पाया जाता है। इसमें प्रोटीनऔर निकोटीन एसिड भी पाया जाता है, जिससे झड़ते बालों की समस्या दूर हो जाती है। स्कैल्प हेल्दी रहती है और बाल डैमेज नहीं होते हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में भी मेथी दाना शामिल कर सकते हैं। रात में 2 चम्मच मेथी दाने को पानी में भिगो दें। अगली सुबह वो पानी पी लें। बचे हुए मेथी दाने को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को जड़ों में लगाकर 20 मिनट बाद बाल धोलें। बाल जल्दी घने, लंबे और मजबूत बनेंगे।

आंवला- डाइट में विटामिन सी की कमी के कारण भी बाल झड़ने लगते हैं और बालों में डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। लेकिन आंवले के सेवन और बालों में आंवले के तेल से मालिश करने से बालों की सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही बाल लंबे समय तक काले रहते हैं।

दही- दही में कूलिंग प्रॉपर्टीज होने के साथ प्रोटीन भी पाया जाता है। प्रोटीन स्कैल्प की हेल्थ और नए फोलिसल्स की ग्रोथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। अपने बालों पर दही से मसाज करें और 15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद शैंपू से सिर धो लें। बालों पर दही लगाने से बाल मजबूत होने के साथ कोमल और मुलायम भी बनते हैं।

बालों के झड़ते बालों की समस्या को दूर करने के लिए छाछ, दालचीनी, तरबूज, अंगूर आदि चीजों का सेवन करना चाहिए। इनके सेवन शरीर को जरूरी पोषक मिलते हैं, जो बालों को सेहतमंद बनाने के लिए जरूरी होते हैं।

इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

लड़कियों को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

गर्मी में डेनिम वियर से मिलेगी राहत

गर्मी के मौसम में खानपान के साथ ही पहनावे का भी भी विशेष ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में गरमी से राहत पाने के साथ ही स्टाइलिस दिखने के लिए आप डेनिम कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह कपड़े घर बाहर और ऑफिस सब जगह पहने जा सकते हैं।

डेनिम पैंट- डेनिम पैंट का हर समय चलन रहता है पर गरमी के मौसम में डेनिम पैंट आपके लिए काफी आरामदायक रहती है।

डेनिम शर्ट और कुर्ती - गर्मी में आप डेनिम की शर्ट और कुर्ती पहन सकती हैं। ये परिधान इस मौसम में आरामदायक होने के के साथ देखने में अच्छे भी लगते हैं।

डेनिम मिडी स्कर्ट- इस गर्मी के मौसम में आप डेनिम का मिडी स्कर्ट ट्राई कर सकती हैं। यह मिडी स्कर्ट आपको गर्मी से राहत दिलाएगी और काफी हद तक स्टाइलिस भी है।

डेनिम जैकेट- धूप से बचने के लिए आप डेनिम जैकेट को पहन सकती हैं। यह आपको स्टाइलिस लुक देने के साथ ही गरमी की तपिश से बचाएगा।

तमिलनाडु में टमाटरों की कीमतों में भारी गिरावट, किसानों ने तुड़ाई की बंद

थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति के चलते कीमतों में आई तेज गिरावट

चेन्नई, ।

तमिलनाडु के कई जिलों में टमाटर उत्पादक गंभीर संकट में हैं क्योंकि बाजार की कीमतों में भारी गिरावट आई है। इसके चलते वे अपनी लागत तक वसूल नहीं कर पा रहे हैं। कई इलाकों में किसानों ने कटाई बंद कर दी है और कम दाम मिलने के कारण पूरी तरह तैयार फसल को खेतों में ही छोड़ दिया है। कीमतों में इस अचानक गिरावट का कारण कई उत्पादन क्षेत्रों से भारी मात्रा में आपूर्ति होना बताया जा रहा है, जिससे थोक बाजारों में अधिक आपूर्ति हो गई है। इसके चलते कम समय में ही कीमतों में तेज गिरावट आई, जिससे किसान हैरान रह गए और फसल के चरम सीजन में उनकी अपेक्षित आय प्रभावित हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्यापारियों द्वारा पिछले हफ्तों की तुलना में काफी कम दाम दिए जा रहे हैं, जिन किसानों ने खेती में भारी निवेश किया था, वे अब संचालन लागत संभालने में संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि बाजार अतिरिक्त आपूर्ति को समाहित नहीं कर पा रहा है। बढ़ती मजदूरी लागत ने इस संकट को और बढ़ा दिया है। किसानों का कहना है कि कटाई और परिवहन की लागत ज्यादा होने से मौजूदा कीमतें खर्च को भी पूरा नहीं कर पा रही हैं। इसी वजह से नुकसान कम करने के लिए कटाई रोकने का चलन बढ़ रहा है। डिंडीगुल के किसानों ने बताया कि 14 किलोग्राम के एक टमाटर बॉक्स की कीमत घटकर 100 से 150 रुपए रह गई है, जबकि कुछ हफ्ते पहले यह 400 से 600 रुपए थी। वहीं, मजदूरी लागत करीब 400 रुपये प्रतिदिन है।रिपोर्ट के मुताबिक गिरती कीमतों और बढ़ती लागत के संयुक्त प्रभाव से कई किसानों ने नुकसान से बचने के लिए तोड़ाई बंद कर दी है। कई किसानों ने स्थिर बाजार की उम्मीद में खेती का विस्तार किया था लेकिन अब वे बढ़ते आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं। कटाई की लागत लगभग 80 रुपए प्रति बॉक्स आंकी जा रही है लेकिन मौजूदा बाजार मूल्य बुनियादी खर्च भी नहीं निकाल पा रहा, जिससे किसानों का नुकसान और बढ़ रहा है।धर्मपुरी जिले में कीमतों में हल्की सुधार के संकेत मिले हैं, जहां हाल की बारिश के बाद आपूर्ति कम होने से कीमतें 13 से 15 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंची हैं। हालांकि, किसानों का कहना है कि बाजार अभी भी अस्थिर और अनिश्चित बना हुआ है। तिरुचिरापल्ली जिले के मरुंगापुरी क्षेत्र में भी स्थिति ऐसी ही है, जहां

किसानों ने कटाई रोक दी है। तोड़ाई और परिवहन की लागत करीब 3,000 रुपये प्रति एकड़ होने के कारण मौजूदा कीमतों पर काम जारी रखना संभव नहीं है।विशेषज्ञों ने दीर्घकालिक समाधान की जरुरत पर जोर देते हुए बेहतर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं और न्यूनतम समर्थन तंत्र जैसे उपायों की जरूरत बताई है, ताकि किसानों को बार-बार होने वाली कीमत गिरावट से बचाया जा सके और उन्हें स्थिर आय तय हो सके।

जैकब एंड कंपनी ने पेश की हीरों से जड़ी 30 करोड़ की मास्टरपीस घड़ी

एंजेल कट हीरों और डबल फ्लाइंग टूरबिलन तकनीक से दमकती है यह दुर्लभ घड़ी

नई दिल्ली ।

लग्जरी वॉच मेकर जैकब एंड कंपनी ने अपनी नई मास्टरपीस घड़ी पेश की है, जो कीमत और चमक दोनों में ही अपने आप में एक रिकॉर्ड स्थापित करती है। लगभग 30 करोड़ रुपये की इस घड़ी की सबसे बड़ी खासियत है इसमें इस्तेमाल किए गए एंजेल कट हीरे, जो इसे बेहद विशिष्ट और भव्य बनाते हैं। सामान्य हीरों की तुलना में इसमें 37 फेसेट्स (पहलु) दिए गए हैं, जिससे यह हर एंगल से रोशनी को रिफ्लेक्ट करती है और साधारण हीरों के मुकाबले कई गुना अधिक चमकदार दिखाई देती है। इस घड़ी के निर्माण में दुनिया की सबसे महंगी सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है। घड़ी में कुल 298 सफेद हीरे जड़े गए हैं, जिनमें से 50 कैरेट के 98 एंजेल कट हीरे केवल बेजल में ही लगे हैं। इसका केस 18 कैरेट वाइट गोल्ड का बना है और इसका आकार 54 गु` णित 41 मिमी है, जो इसे देखने में और पहनने में बेहद प्रीमियम अनुभव देता है। घड़ी की मशीनरी भी उतनी ही खास है जितना कि इसका बाहरी हिस्सा। इसमें डबल फ्लाइंग टूरबिलन मैकेनिज्म का इस्तेमाल किया गया है, जो गुरुत्वाकर्षण के असर को कम कर समय को अत्यंत सटीक रूप से बताने में मदद करता है। जैकब एंड कंपनी ने इस घड़ी को बेहद दुर्लभ रखा है। दुनिया भर में इसके केवल 18 पीस ही बनाए गए हैं। इसका मतलब है कि केवल दुनिया के सबसे अमीर 18 लोग ही इस नायाब घड़ी को पहन पाएंगे। यह घड़ी न केवल लक्ज़री का प्रतीक है, बल्कि तकनीकी परिष्कार और बेहतरीन डिज़ाइन का भी शानदार उदाहरण है।

इनोविजन का शेयर 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध

बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया

नई दिल्ली ।

मानव संसाधन एवं टोल प्लाजा प्रबंधन सेवाएं देने वाली कंपनी इनोविजन लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 519 रुपये के मुकाबले 10 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 466 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 10.21 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

दूसरी ओर, एनएसई पर यह 9.88 प्रतिशत टूटकर 467.70 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 914.67 करोड़ रुपये रहा। इनोविजन लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को` पिछले मंगलवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 3.32 गुना अभिदान मिला था। इनोविजन ने निवेशकों से मिली ठंडी प्रतिक्रिया के बाद अपने आईपीओ की अंतिम तिथि बढ़ाकर 17 मार्च कर दी थी और साथ ही मूल्य दायरा भी घटा दिया था। आईपीओ पहले 12 मार्च को बंद होने वाला था। कंपनी ने मूल्य दायरे को 521-548 रुपये प्रति शेयर से घटाकर 494-519 रुपये प्रति शेयर कर दिया था। हरियाणा स्थित इस कंपनी के आईपीओ में 255 करोड़ रुपये के नए शेयर और 12.38 लाख शेयर का बिक्री पेशकश (ओएफएस) का प्रस्ताव शामिल था।कंपनी की योजना नए निर्गम हासिल धनराशि का उपयोग ऋण के भुगतान, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने की है।

भू-राजनीतिक तनाव के बीच क्रूड की कीमतें 10 फीसदी बढ़ने का अनुमान

ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक तेल बाजार में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने 2026 के लिए कच्चे तेल की कीमतों का अनुमान काफी बढ़ा दिया है। बैंक ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति में भारी बाधा वैश्विक क्रूड बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा सप्लाई शॉक बन सकती है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत अब 85 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पहले के 77 डॉलर के अनुमान से 10.38 फीसदी अधिक है। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड का अनुमान भी बढ़ाकर 79 डॉलर प्रति बैरल कर दिया गया है। यह जानकारी बैंक के विश्लेषक ने अपनी रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट के अनुसार यदि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति छह हफ्तों तक केवल 5 फीसदी क्षमता पर बनी रहती है, तो पश्चिम एशिया में उत्पादन नुकसान 1.1 करोड़ बैरल/दिन से बढ़कर 1.7 करोड़ बैरल/दिन तक पहुंच सकता है। आपूर्ति बहाल होने में चार हफ्ते लगने पर कुल नुकसान 800 मिलियन बैरल से अधिक हो सकता है। बैंक ने चेतावनी दी है कि यह अभूतपूर्व संकट नीति

निर्माताओं और निवेशकों को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की संरचनात्मक कमजोरियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। तेल बाजार पर अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष का असर साफ दिखा। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 0.73 फीसदी बढ़कर 113.01 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 3.32 फीसदी चढ़कर 101.50 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। हालांकि एशिया में आपूर्ति सख्त हो रही है, लेकिन अमेरिका और यूरोप में भंडार बढ़ने से संकेत मिलता है कि संघर्ष से पहले वैश्विक आपूर्ति मांग से अधिक थी।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने गुजरात में 510 मेगावाट की नई परियोजनाएं शुरू कीं

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के खावड़ा में 510 मेगावाट की नई बिजली परियोजनाओं को चालू कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को यह सूचना दी। इन परियोजनाओं के साथ कंपनी की कुल संचालित नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता अब 17,982.3 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह 510.1 मेगावाट की परियोजनाएं कंपनी की अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से संचालित की गई हैं। कंपनी ने बताया कि आवश्यक सरकारी मंजूरियों के बाद इन संयंत्रों को 22 मार्च से चालू किया गया। अदाणी ग्रीन एनर्जी भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक है और यह नई परियोजनाएं कंपनी की स्वच्छ और सतत ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा हैं।

1 अप्रैल से कई बड़े लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे

नई दिल्ली ।

1 अप्रैल से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स कानून में पैन कार्ड की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। सरकार का दावा है कि नए नियम नौकरीपेशा, व्यवसायी और मध्यम वर्ग के लिए सुविधा बढ़ाएंगे, लेकिन कई तरह के लेनदेन अब बिना पैन के संभव नहीं होंगे। नई वित्तीय वर्ष से पैन कार्ड के बिना कई बड़े लेनदेन पूरे नहीं होंगे। इनमें शामिल हैं- 10 लाख रुपये से अधिक लेनदेन, 5 लाख रुपये से ज्यादा कीमत के वाहन की खरीद, महंगे होटल बुकिंग, 20 लाख रुपये से अधिक मूल्य वाली संपत्ति की खरीद या बिक्री। इसके अलावा एलटीसी और होम लोन पर टैक्स छूट पाने के लिए भी पैन जरूरी होगा। रकार ने बच्चों की ट्यूशन फीस पर मिलने वाली टैक्स छूट को बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह कर दिया है। हॉस्टल खर्च की छूट भी बढ़कर 9,000 रुपये प्रति माह हो गई है। यह छूट केवल दो बच्चों तक ही लागू होगी। लेकिन इन छूटों का लाभ पाने के लिए पैन कार्ड अनिवार्य है। 1 अप्रैल के बाद एचआरए के तहत टैक्स छूट लेने के लिए मकान मालिक का नाम, पता और पैन कार्ड देना होगा। पुराने टैक्स रिजीम के तहत जमा किए जाने वाले दस्तावेज अब और सख्त होंगे। नए नियमों के अनुसार, पैन बनवाने के लिए अब आधार के साथ जन्म प्रमाण पत्र देना जरूरी होगा। नया पैन कार्ड नाम के बिना जारी किया जाएगा और केवल संख्या और जरूरी जानकारी शामिल होगी। यह कदम धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड रोकने के लिए उठाया गया है।

भारतीय प रिवारों के घरों में रखा सोना अब देश की जीडीपी से भी बड़ा

जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की कुल कीमत 445 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

भारतीयों का सोने के साथ रिश्ता केवल निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, सांस्कृतिक महत्व और सुरक्षा की भावना से भी जुड़ा हुआ है। लेकिन हालिया आंकड़े यह दिखाते हैं कि यह संबंध अब देश की पूरी अर्थव्यवस्था (जीडीपी) को भी पीछे छोड़ चुका है। जनवरी 2026 तक भारतीय घरों में रखे सोने की कुल कीमत 5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 445 लाख करोड़ रुपये) को पार कर चुकी है। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार 2025-26 में भारत की कुल जीडीपी 4.125 ट्रिलियन डॉलर रहने की उम्मीद है। यानी भारतीय घरों में रखा सोना देश की सालाना कमाई से लगभग 125 फीसदी अधिक मूल्यवान है। सीधे शब्दों में कहें, अगर भारत के सभी घरों का सोना एक साथ रखा जाए, तो यह पूरी देश की अर्थव्यवस्था से अधिक मूल्यवान साबित होगा। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की ताजा रिपोर्ट इस आंकड़े को और दिलचस्प बनाती है। जनवरी 2026 तक घरों में रखा सोना बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों की कुल मार्केट कैप (460 लाख करोड़ रुपये) के लगभग बराबर पहुंच चुका है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारतीयों का भरोसा बैंक डिपॉजिट या शेयर बाजार से कहीं अधिक सोने पर

है। आज घरों में जमा सोने की कीमत बैंकों और शेयर बाजार में निवेश के कुल योग का 1.75 गुना है। पिछले कुछ सालों में सोने के प्रति दीवानगी तेजी से बढ़ी है; मार्च 2019 में घरों में रखे सोने की वैल्यू 109 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब चार गुना बढ़ चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब पैसा सोने में बंधा रहता है तो यह डेड एसेट बन जाता है और बाजार में घूमकर विकास में योगदान नहीं करता। इसके अलावा, भारत अपनी सोने की जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए यह घरेलू पूंजी का बाहर जाना भी माना जाता है। वर्तमान में भारतीयों की गैर-रियल एस्टेट संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा केवल सोने में बंद है, जो निवेश और परंपरा का अनोखा मिश्रण दर्शाता है।

महाराष्ट्र में 20 प्रतिशत बढ़ाई गई रेस्तरां व भोजनालयों को पीएनजी की आपूर्ति- मंत्री

मुंबई ।

महाराष्ट्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने यह जानकारी दी और कहा कि इससे रेस्तरां एवं भोजनालयों को राहत मिलेगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ने कारोबारियों के लिए पीएनजी वितरण में ढील देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा` कि 23 मार्च से अगले आदेश तक व्यावसायिक पीएनजी आपूर्ति में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही व्यावसायिक क्षेत्र के लिए आपूर्ति बढ़कर 50 प्रतिशत हो जाएगी।पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद व्यावसायिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई जिससे रेस्तरां और भोजनालयों पर असर पड़ा। गैस आपूर्ति बाधित होने के कारण कई खानपान केंद्रों को अपना संचालन अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। भुजबल ने कहा कि संकट शुरू होने के बाद व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पीएनजी आपूर्ति पहले 20 प्रतिशत तक बढ़ाई गई थीं इसके बाद इसमें 10 प्रतिशत की और वृद्धि की गई। अब आपूर्ति में अतिरिक्त 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। होटल उद्योग की ओर से रेस्तरां और भोजनालयों को गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की जा रही थी। भुजबल ने पहले कहा था कि घरेलू उपयोग को प्राथमिकता देने संबंधी केंद्र सरकार की सलाह के बाद होटल मालिकों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर राज्य सरकार विचार करेगी।

रुपया 41 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 93.94 डॉलर पर

- रुपया शुक्रवार को 64 पैसे टूटकर 93.53 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 41 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 93.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और सुबह के सत्र में घरेलू शेयर बाजारों में आई भारी गिरावट ने स्थानीय मुद्रा को और कमजोर कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.84 पर खुला। हालांकि बाद में यह लुढ़कता हुआ 93.94 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 41 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

भारत की स्टार्टअप डीपग्रिड सेमी करेगी एआई चिप्स में निवेश, जुटाएगी 25 करोड़

वेंचर कैपिटलिस्ट और एंजल इन्वेस्टर के साथ चल रही बातचीत

मुंबई ।

तेलंगाना के टी-हब द्वारा समर्थित सेमीकंडक्टर स्टार्टअप डीपग्रिड सेमी अपने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) संचालित` सिस्टम आन ` चिप (एसओसी) समाधानों के लिए 25 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। ये एसओसी समाधान एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) के लिए विकसित किए जा रहे हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार तकनीकी जानकारी हासिल कर ली गई है और इसे फिलहाल एफपीजीए (फील्ड-प्रोग्रामेबल गेट एरे) पर लागू किया जा रहा है। जहां एक चिपसेट की कीमत लगभग 35,000 रुपये है। अगर हम इसकी कीमत 3,000 रुपये तक लाना चाहते हैं तब हमें टेप-आउट की जरूरत है जिसकी लागत लगभग 30 लाख डॉलर आएगी। तेलंगाना सरकार के टी-हब द्वारा समर्थित इस स्टार्टअप का लक्ष्य अगले 10 महीनों में इन एसओसी चिपसेट का टेप-आउट पूरा करना है।

यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वेंचर कैपिटलिस्ट और एंजल इन्वेस्टर के साथ उनकी बातचीत कैसी रहती है। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए डीपग्रिड सेमी एफपीजीए के कई यूज केस पर जोर दे रही है ताकि उत्पाद बाजार में इसे दिखाया जा सके। एफपीजीए असल में एक सेमीकंडक्टर इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी) है जो उपयोगकर्ताओं को मैन्युफैक्चरिंग के बाद लॉजिक ब्लॉकों और इंटरकनेक्ट्स को कॉन्फिगर और इसकी दोबारा प्रोग्रामिंग करने की सुविधा देता है। ये आईसी फील्ड ट्रायल के आधार पर जल्दी अपडेट हो सकते हैं। अधिकारी ने कहा` कि हमने ह्यूमनॉयड्स, ऑटोनॉमस मोबाइल रोबोट्स (एएमआर) और सी पोट्र्स के लिए ऑटोमेटेड गाइडेड व्हीकल्स (एजीवी) पर कुछ फील्ड ट्रायल किए हैं। हमारे लिए यूज केस पर ध्यान केंद्रित करना बेहतर है क्योंकि हम पैसे जुटा रहे हैं।

जब हम पैसा जुटा लेंगे तब भी हम केवल अपने यूज केस को बढ़ाना चाहेंगे। कंपनी कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक एवं निजी वाहन निर्माताओं से भी बातचीत कर रही है जो भारत में अपनी गाड़ियां बनाते हैं, ताकि एडीएएस चिप के फील्ड ट्रायल किए जा सकें।

अब 14.2 किलो के रसोई गैस सिलेंडर में मिलेगी सिर्फ 10 किलो गैस?

नई दिल्ली ।

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब भारत की रसोई तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। खाड़ी देशों से एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति प्रभावित होने के बाद तेल विपणन कंपनियां घरेलू सिलेंडरों में गैस की मात्रा कम करने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पारंपरिक 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर में केवल 10 किलोग्राम गैस भरकर वितरण करने की योजना पर चर्चा हो रही है, ताकि सीमित स्टॉक को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाया जा सके। इस संकट की बड़ी वजह स्ट्रेट आफ होर्मुज में पैदा हुई बाधाएं हैं, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल-गैस मार्गों में से एक है। मौजूदा हालात में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे भारत आने वाली गैस सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि कई एलपीजी टैंकर इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं, जिससे आने वाले दिनों में किल्लत की आशंका और गहरा सकती है।

तय करनी होंगी। अधिकारियों का मानना है कि 10 किलो गैस एक औसत परिवार के लिए लगभग एक महीने तक पर्याप्त हो सकती है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

सर्वोच्च न्यायालय ने रेरा और उपभोक्ता कानून के दोहरे इस्तेमाल पर लगाई रोक

एक ही विवाद में दोनों का क्रमिक या समानांतर इस्तेमाल नहीं हो सकता

नई दिल्ली ।

सर्वोच्च न्यायालय ने मैसर्स काबरा ऐंड एसोसिएट्स बनाम रेखा राजकुमार हेमदेव एवं अन्य मामले में कहा है कि यदि कोई पक्ष रियल एस्टेट (नियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 (रेरा) के तहत राहत मांग रहा है, तो वह बाद में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उसी मामले के लिए उपभोक्ता अदालत का रुख नहीं कर सकता। अदालत ने इस मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का पिछला फैसला खारिज कर दिया। किंग स्टब्स ऐंड कासिवा के पार्टनर अमृता वर्षिणी श्रीधर ने बताया कि अदालत ने जोर देकर कहा कि दोनों कानून मकान खरीदारों को समाधान देते हैं, लेकिन एक ही विवाद में दोनों का क्रमिक या समानांतर इस्तेमाल नहीं हो सकता। इसका उद्देश्य फोरम के अनावश्यक इस्तेमाल और मामलों की अधिकता को रोकना है। बीएमआर लीगल के पार्टनर शांकी अग्रवाल ने कहा कि अदालत ने समाधान चुनने के सिद्धांत पर दृढ़ता से जोर दिया है। इससे मकान खरीदारों के लिए विकल्प समाप्त नहीं होते, बल्कि फोरम चयन प्रारंभिक और बाध्यकारी बन जाता है। रेरा मुख्य रूप से मकान कब्जा देने में देरी, रिफंड के दावे, परियोजना खुलासे और बिल्डर के दायित्व जैसे मामलों से निपटता है। इसके क्षेत्रीय केंद्रों और विशेष प्रक्रिया के कारण यह रियल एस्टेट विवादों का तेज़ और व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है। रेरा अधिकारी बिल्डरों को परियोजना समय-सारणी का पालन करने, ब्याज सहित रकम वापस करने और वैधानिक उल्लंघन सुधारने के निर्देश दे सकते हैं। एक्विलॉ की पार्टनर आस्था शर्मा ने बताया कि रेरा स्वीकृत योजनाओं को लागू कर सकता है, पांच साल के भीतर ढांचागत खामियों को ठीक करवाने और डिफॉल्ट करने वाले डेवलपर्स के लिए तीन साल तक की जेल जैसी कार्रवाई कर सकता है। यहां तक कि गैर-पंजीकृत परियोजनाओं में भी शिकायतों की जांच संभव है।

डीजीसीए ने जारी किया समर फ्लाइट शेड्यूल, 29 मार्च से नई समय-सारिणी लागू

24 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा शेड्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सोमवार को घरेलू एयरलाइंस के लिए गर्मियों का फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया है। यह नई समय-सारिणी 29 मार्च से लागू होकर 24 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगी। डीजीसीए ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी यात्रा से पहले संबंधित एयरलाइंस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर उड़ानों के समय और स्थिति की दोबारा पुष्टि कर लें। साथ ही, किसी भी ऑपरेशनल इमरजेंसी या अंतिम समय में होने वाले बदलावों की जानकारी के लिए सीधे एयरलाइंस से संपर्क बनाए रखें। इससे एक दिन पहले नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए घरेलू हवाई किराए पर लागू अस्थायी मूल्य सीमा (फेयर कैप) को हटाने की घोषणा की थी। यह फेयर कैप 23 मार्च से समाप्त कर दी गई है, जिससे एयरलाइंस को किराए तय करने में अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि फेयर कैप हटने के बाद यात्रियों को मांग और उपलब्धता के आधार पर टिकट कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। वहीं, एयरलाइंस कंपनियों के लिए यह कदम परिचालन और राजस्व प्रबंधन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि हर साल गर्मियों और सर्दियों के लिए अलग-अलग फ्लाइट शेड्यूल जारी किए जाते हैं, ताकि बढ़ती यात्री संख्या और मौसम संबंधी परिस्थितियों के अनुसार उड़ानों का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जा सके। यात्रियों के लिए सलाह है कि यात्रा की योजना बनाते समय पर्याप्त समय का ध्यान रखें और अपडेटेड शेड्यूल के अनुसार ही अपनी बुकिंग करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

वायुसेना अड्डे पर तैनात कर्मचारी कर रहा था पाकिस्तान के लिए जासूसी

-इंटेलिजेंस टीम ने किया गिरफ्तार, यूपी का रहने वाला है आरोपी सुमित

डिब्रूगढ (एजेंसी)। वायुसेना और राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने असम के वायुसेना अड्डे पर तैनात एक कर्मचारी को पाकिस्तान की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुमित कुमार (36) के रूप में हुई है, जो यूपी के प्रयागराज जिले के लाहुरपार का रहने वाला है और एयरफोर्स स्टेशन में एमटीएस के पद पर कार्यरत है। मीडिया रिपोर्ट में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया विभाग) के मुताबिक सुमित कुमार अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां एकत्रित करता था और उन्हें सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया है कि वह साल 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय सूचनाएं वहां पहुंचाता था। इस मामले की शुरुआत जनवरी 2026 में राजस्थान के जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ में सुमित कुमार का नाम सामने आया। इसके बाद राजस्थान इंटेलिजेंस ने वायुसेना खुफिया विभाग, नई दिल्ली के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को छबुआ से गिरफ्तार किया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी ने न केवल छबुआ एयरफोर्स स्टेशन बल्कि बीकानेर जिले के नाल एयरफोर्स स्टेशन समेत अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी अहम जानकारियां भी साझा कीं। इनमें लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों व कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं शामिल हैं। इसके अलावा वह अपने मोबाइल नंबरों के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने में भी मदद करता था। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को राजस्थान खुफिया विभाग और वायु सेना खुफिया विभाग के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वह 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय जानकारी देता था। व्यापक जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है। फिलहाल, आरोपी सुमित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले में व्यापक जासूसी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए जांच एजेंसियां लगातार छानबीन कर रही हैं।

घर में सामूहिक नमाज पढ़ने पर सुनवाई, डीएम-एसएसपी कोर्ट में होंगे पेश

-हाईकोर्ट ने मामले को अपने आदेश की अवहेलना मानते हुए कड़ा रुख अपनाया

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बरेली के एक घर के अंदर सामूहिक नमाज पढ़ने के मामले में अहम सुनवाई होना है। इस मामले में बरेली के डीएम और एसएसपी को सोमवार को कोर्ट में पेश होना है। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने साफ तौर पर दोनों अधिकारियों को उपस्थित होने का आदेश दिया था। कोर्ट ने चेतावनी भी दी है कि अगर सोमवार को वे पेश नहीं हुए, तो उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया जाएगा। दरअसल, यह मामला याचिकाकर्ता तारिक खान की याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उनके घर में सामूहिक नमाज़ पढ़ने के दौरान पुलिस ने रोकटोक की और बाद में नमाज अदा कर रहे लोगों को गिरफ्तार कर लिया। याचिकाकर्ता तारिक खान का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई गैरकानूनी और असंवैधानिक थी। हाईकोर्ट पहले ही साफ कर चुका है कि किसी भी निजी परिसर में प्रार्थना के लिए प्रशासनिक अनुमति की जरूरत नहीं है। इसके बावजूद याची और अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। हाईकोर्ट ने पूरे प्रकरण को अपने आदेश की अवहेलना मानते हुए पुलिस के रवैये पर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि प्रशासनिक अधिकारियों को कोर्ट के आदेश का पालन करना जरुरी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में बरेली के डीएम और एसएसपी को सोमवार को अदालत में पेश होने को कहा था। यदि आज दोनों अधिकारी कोर्ट में नहीं पेश होते हैं, तो कोर्ट उनके खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए गैर-जमानती वारंट जारी कर सकता है।

टीएमसी चुनाव कैंपेन में अपना बंगाल बनाम बांग्ला पर कब्जा को बना रही आधार

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बीजेपी से मुकाबला करने डेढ़ लाख वाट्सएप ग्रुप बनाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 का बिगुल बज चुका है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बीजेपी से मुकाबला करने के लिए खास तैयारी की है। जहां बीजेपी की केंद्रीय टीम डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए कैंपेन में जुटी है वहीं टीएमसी ने इसे स्थानीय स्तर पर हैंडल करने की योजना पर काम कर रही है। टीएमसी ने जमीन पर और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अपनी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों तक अपनी पहुंच भी बढ़ाई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता बनर्जी की टीएमसी ने टीम का कहना है कि वह अपने कैंपेन में अपना बंगाल बनाम बांग्ला पर कब्जा को आधार बना रहे हैं। यूं कहें कि टीएमसी अपने डिजिटल कैंपेन में बांग्ला अस्मिता को उभार देती दिख रही है। टीएमसी मैसेज दे रही है कि अगर बीजेपी सत्ता में आ गई तो बांग्ला विरोधी एजेंडा चलाएंगे। इस अभियान को अंजाम तक पहुंचाने के लिए टीएमसी वाट्सऐप ग्रुप का सहारा ले रही है। इस नेटवर्क में पूरे पश्चिम बंगाल में 1.5 लाख से ज़्यादा ग्रुप और एक करोड़ से ज़्यादा लोग जोड़े गए हैं। इन ग्रुप्स में चुनावी सामग्री को तेजी से और बेहद व्यवस्थित तरीके से फैलाया जा रहा है।

पार्टी का दावा है कि अक्टूबर 2020 में लॉन्च किए गए 'दीदिर दूत यानी दीदी के दूत' मोबाइल ऐप के जरिए वह अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ लगातार सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं। इस ऐप को 18 लाख से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। बताया जाता है कि इसके करीब 1.3 लाख रोजाना एक्टिव यूजर्स और करीब 7.3 लाख हर महीने एक्टिव यूजर्स हैं। यह ऐप लोगों को जोड़ने और उन्हें सक्रिय करने, दोनों तरह के काम करता है। इसमें यूज़र्स को काम सौंपे जाते हैं, उन्हें पल-पल की जानकारी मिलती है, वे इंटरैक्टिव क्विज में भाग ले सकते हैं और इसमें ऐसे गेम जैसे फीचर्स भी हैं, जिनका मकसद यूजर्स को चुनाव प्रचार से जुड़ी गतिविधियों में लगातार जोड़े रखना है।

टीएमसी की आईटी सेल के प्रमुख देबांशु भट्टाचार्य ने कहा कि हमारी रणनीति सीधी-सादी है। हम सच बोल रहे हैं, जबकि बीजेपी झूठ फैला रही है। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता जमीन पर भी और इंटरनेट पर भी, हर जगह सक्रिय हैं। सड़कों से लेकर इंटरनेट तक।' उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल को निशाना बनाने वाले बीजेपी के डिजिटल अभियानों का एक बड़ा हिस्सा ऐसे लोगों की तरफ से चलाया जाता है जो राज्य के बाहर रहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठनात्मक स्तर से परे, टीमएसी के अंदरूनी सूत्रों ने इस अभियान के भावनात्मक पहलू पर भी जोर दिया। उन्होंने उन बातों की ओर इशारा किया, जिन्हें बीजेपी की ओर से बंगाल को नकारात्मक रोशनी में दिखाने की बार-बार की जाने वाली कोशिशें बताते हैं, जिसमें राजनीतिक भाषणों में 'घुसपैठिया' जैसे शब्दों का इस्तेमाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि टीएमसी, गरिमा, पहचान और बंगाली अस्मिता से जुड़े सवालों को सामने लाकर इसका जवाब देना चाहती है और इस चुनाव को सिर्फ राजनीतिक सत्ता के लिए एक मुकाबले से कहीं ज़्यादा के तौर पर पेश कर रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि यह प्यार और जीतने की चाहत के बीच का फर्क है। उन्होंने तर्क दिया कि वोटर इस बात में फर्क कर सकते हैं कि वे किसे बंगाल से असली प्यार है और किसे सिर्फ चुनावी प्यार। जनता को समझाना है कि बीजेपी अहंकार से भरी कोशिश कर रही है।

भट्टाचार्य ने कहा कि जब वे बंगाल में हमारी योजनाओं की आलोचना करते हैं, लेकिन दूसरी जगहों पर वैसी ही योजनाएं लाने का वादा करते हैं, तो हम उनके इस विरोधाभास को सबके सामने लाते हैं। उन्होंने यह तर्क भी दिया कि इस तरह की तुलना करके पार्टी अपने इस दावे को और मजबूत करती है कि उसकी नीतियों की नकल

उसके राजनीतिक विरोधी कर रहे हैं। कुल मिलाकर टीएमसी की चुनावी रणनीति में बड़े पैमाने पर काम करने, तेजी से आगे बढ़ने और लोगों की भावनाओं से जुड़ने का मेल दिखाई देता है। इसके साथ ही पारंपरिक जमीनी स्तर पर लोगों को जोड़ने के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों से जुड़ने पर भी खास जोर दिया जा रहा है। जहां एक तरफ पार्टी अपने शासन के रिकॉर्ड और कल्याणकारी पहलों को लगातार सबसे आगे रख रही है। वहीं दूसरी तरफ वह इस चुनावी मुकाबले को और भी व्यापक सांस्कृतिक और पहचान से जुड़े मुद्दों के नजरिए से पेश करने की कोशिश भी कर रही है। वह खुद को 'असली' के तौर पर पेश कर रही है, जबकि बीजेपी के मॉडल को वह अपनी नीतियों की 'नकल' करने की कोशिश बता रही है।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में देर रात हुआ तेज धमाका, कई घरों के शीशे टूटे, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के घगवाल इलाके में रविवार देर रात तेज धमाके से हड़कंप मच गया। लोअर हरसाथ गांव में हुए इस धमाके से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के कई घरों के शीशे टूट गए। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 10 किलोमीटर दूर घगवाल सेक्टर में स्थित गावाला तालाब में पूर्व सरपंच जयराम शर्मा के घर के मेनगेट के पास रात करीब दो बजे हुआ। उन्होंने बताया कि विस्फोट से मुख्य द्वार और चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया। इस धमाके में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और घटनास्थल से नमूने लिए। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस तरह कश्मीर घाटी में पहले टारगेट किलिंग की घटनाएं सामने आती रही हैं, उसी तरह की गतिविधियों की आशंका अब जम्मू क्षेत्र में भी जताई जा रही है। इस घटना को कई लोग साजिश बता रहे हैं। वहीं पूर्व सरपंच जयराम शर्मा ने कहा कि उनके घर को निशाना बनाकर हमला किया गया है। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों से मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां सबूत जुटा रही हैं और विस्फोट के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

कांग्रेस ने ब्रिक्स समिट को लेकर पीएम मोदी से किए सवाल, वेस्ट एशिया संकट पर पहल करने की मांग

-जयराम बोले- 'विश्वगुरु' का दावा करने वाली सरकार कूटनीतिक नेतृत्व क्यों नहीं दिखा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने वेस्ट एशिया में जारी तनाव के बीच ब्रिक्स समिट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। पार्टी ने सवाल करते हुए कहा है, कि भारत इस महत्वपूर्ण वैश्विक मंच का उपयोग क्षेत्रीय संकट के समाधान के लिए क्यों नहीं कर रहा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत इस वर्ष नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में सरकार को वेस्ट एशिया संकट पर ठोस कूटनीतिक पहल करनी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि खुद को 'विश्वगुरु' बताने वाले प्रधानमंत्री इस दिशा में सक्रियता क्यों नहीं दिखा रहे।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी, डोनाल्ड ट्रम्प और बेंजामिन नेतन्याहू को नाराज नहीं करना चाहते। उनका कहना है कि केवल फोन पर बातचीत से सीमित परिणाम मिलते हैं, जबकि शिखर सम्मेलन के जरिए आमने-सामने चर्चा अधिक प्रभावी हो सकती है। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास होने के बावजूद वेस्ट एशिया संघर्ष पर कोई सामूहिक बयान जारी नहीं किया गया। इससे पहले भी पार्टी ने अमेरिका-इजराइल की कार्रवाई पर सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए थे।

गौरतलब है कि ब्रिक्स समिट 2026 की अध्यक्षता इस समय भारत के पास है। यह जिम्मेदारी 1 जनवरी को ब्राजील से भारत को मिली थी। इससे पहले 2025 में रियो डी जनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की प्राथमिकताओं को सामने रखा था। भारत ने ब्रिक्स मंच के लिए ह्यूमनिटी फर्स्ट, रेजिलेंस एंड इनोवेशन, सस्टेनेबलिटी और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करने जैसे प्रमुख एजेंडे तय किए हैं। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधार की मांग भी प्राथमिकताओं में शामिल है।

ओवैसी ने खुद को बीजेपी की 'बी-टीम' ही नहीं 'सच्चा साथी' भी साबित कर दिया

बंगाल चुनाव में हुमायूं की पार्टी से गठबंधन को लेकर कांग्रेस समेत कई दलों ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के घोषणा करने के बाद कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी नेता हुमायूं कबीर की नवगठित आम जनता उन्नयन पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ेगी। इसको लेकर सोमवार को कांग्रेस ने कहा कि धन्यवाद ओवैसी। आपने अपना धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा हटा दिया है और दुनिया को अपना असली सांप्रदायिक चेहरा दिखा दिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि ओवैसी ने खुद को बीजेपी की ÷बी-टीम÷ ही नहीं बल्कि उसका ÷सच्चा साथी÷ भी साबित कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन की आलोचना करते हुए कहा कि धन्यवाद, असदुद्दीन ओवैसी। आपने अपना धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा हटा दिया है और दुनिया को अपना असली सांप्रदायिक चेहरा दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि आपने यह भी दिखा दिया कि आप न सिर्फ बीजेपी की बी-टीम हैं, बल्कि उसके सच्चे साथी भी हैं। लोग हुमायूं कबीर पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने

पार्टी बनाने के लिए पैसा लिया है। तो क्या आपको दिल्ली से फंड मिल रहा है? जनता सब समझती है और वह आपको पश्चिम बंगाल के साथ-साथ हैदराबाद के चुनावों में भी आपकी स्थिति दिखा देगी।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने भी इस मुद्दे पर कहा कि जहां भी धर्मनिरपेक्ष वोटों का बंटवारा होता है, उसका फायदा बीजेपी को ही मिलता है। ओवैसी इसके लिए जाने जाते हैं और उन पर अक्सर ऐसे आरोप लगते हैं। वह निश्चित रूप से ऐसी रणनीति अपनाते हैं ताकि वोटों का विभाजन हो सके। इसलिए हम कहते हैं कि वह बीजेपी की बी-टीम के रूप में काम करते हैं।

वहीं झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि मुझे लगता है कि अब ओवैसी को एक-दो राज्यों में कुछ सफलता मिली है। उन्होंने बीजेपी को मजबूत किया है और धर्मनिरपेक्ष दलों व ताकतों को कमजोर किया है, जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। मुझे लगता है कि बंगाल की राजनीति के संदर्भ में वह कहीं फिट नहीं बैठेंगे। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने तंज कसते हुए कहा कि चाहे वह हुमायूं कबीर हों या ओवैसी, सच्चाई यह है कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में जो जहर बोया है, उसने ऐसे कई किरदार पैदा किए हैं जो उसी जहर को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जब एक स्वाभाविक विकल्प मौजूद है, तो ऐसे तत्वों का कोई महत्व नहीं रहेगा और इन चुनावों में उनका अस्तित्व मायने नहीं रखेगा।

इस बीच बिहार के मंत्री रामकृपाल यादव ने अपेक्षाकृत संतुलित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह ओवैसी की पार्टी है और अगर वह चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, तो यह उनका स्वतंत्र निर्णय है। पार्टी अपने संगठन का विस्तार करना चाहती है और कई जगहों पर उसकी मौजूदगी है। ओवैसी ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है और एक लोकतांत्रिक पार्टी होने के नाते उसके नेता उसी अनुसार काम करते हैं। बता दें 294 सदस्यीय बंगाल विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और दूसरा 29 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 मई को होगी।

मौत पर बहस: 29 साल की हट्टी-कट्टी महिला को दी इच्छामृत्यु, हरीश से बिल्कुल उलट है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते 13 साल से कोमा की स्थिति से जूझ रहे गाजियाबाद के हरीश राणा के पिता को बेटे की इच्छामृत्यु के लिए करीब दो साल तक अदालत के चक्कर लगाना पड़े। पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की फिर सुप्रीम कोर्ट ने अनुमति दी। ठीक इसके उलट नीदरलैंड की हट्टी-कट्टी 29 साल की महिला को इच्छामृत्यू आसानी से दी गई। जबकि न तो इनकी सेहत खराब थी और न ही ऐसी कोई खास परिस्थिति थी जिसकी वजह से उन्हे इच्छामृत्यू की अनुमति लेना पड़ी। केवल वे मानसिक तनाव, एंग्जायटी और ट्रॉमा से जूझ रहीं थी। इन दोनों मामले को देखते हुए एक बार फिर इच्छामृत्यू को लेकर भारत में बहस छिड़ गई है।

यूरोपीय देश नीदरलैंड्स की 29 वर्षीय जोराया टेर बीक की इच्छामृत्यु को भी चर्चा में ला दिया है। हालांकि, जोराया और हरीश के मामलों में जमीन-आसमान का अंतर है। जहां हरीश शारीरिक रूप से मृतप्राय थे, वहीं जोराया शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ थीं। उन्होंने वर्ष 2024 में असहनीय मानसिक पीड़ा के आधार पर अपनी जीवनलीला समाप्त करने की अनुमति मांगी थी।

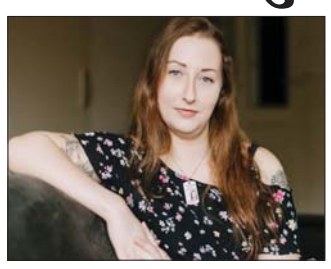

वर्षों तक डिप्रेशन, एंग्जायटी और ट्रॉमा से जूझने के बाद उन्होंने तर्क दिया कि उनकी मानसिक स्थिति ने जीवन को जीने लायक नहीं छोड़ा है। साढ़े तीन साल की कानूनी प्रक्रिया के बाद उन्हें अनुमति मिल गई। नीदरलैंड्स और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में जीवन की गुणवत्ता को सर्वोपरि माना जाता है, जहां मानसिक कष्ट को भी इच्छामृत्यु का वैध आधार माना गया है। इसके विपरीत, भारत में कानून अत्यंत सख्त हैं। यहाँ केवल पैसिव यूथिनेशिया की अनुमति है, वह भी तब जब मरीज के ठीक होने की कोई गुंजाइश न बची हो।आलोचकों का तर्क है कि मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्ति हमेशा स्वतंत्र निर्णय लेने की स्थिति में नहीं होता, जबकि समर्थकों का कहना है कि व्यक्ति को अपनी पीड़ा के स्वरूप के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। हरीश और जोराया की ये दो कहानियां दो अलग दुनियाओं की तस्वीर पेश करती हैं–एक जहां जीवन को हर हाल में बचाने का संघर्ष है, और दूसरी जहां असहनीय पीड़ा से मुक्ति को भी एक मौलिक अधिकार माना गया है।

क्या किसी व्यक्ति की पीड़ा इतनी असहनीय हो सकती है कि उसे अपना जीवन समाप्त करने की कानूनी अनुमति दे दी जाए? क्या जीने का अधिकार अनिवार्य रूप से मरने के अधिकार को भी समाहित करता है? ये सवाल एक बार फिर वैश्विक विमर्श के केंद्र में हैं। भारत में गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पैसिव यूथिनेशिया (निष्क्रिय इच्छामृत्यु) की अनुमति मिलने के बाद इस संवेदनशील मुद्दे पर नई बहस छिड़ गई है। हरीश ने पिछले 13 साल कोमा में, जिंदगी और मौत के बीच एक खामोश जंग लड़ते हुए बिताए। लंबी कानूनी प्रक्रिया और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों के बाद, अंततः उन्हें मशीनी जीवन से मुक्ति की इजाजत मिली।

रोचक मुकाबला: असम में भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए दिग्गज नेता नंदिता गरलोसा

गुवाहाटी (एजेंसी)। चुनाव से पहले नेताओं का आवागमन मुकाबले को कड़ा और रोचक बना देता है। असम में भी कुछ इसी तरह की तस्वीर दिखाई देने लगी है। यहां सत्ताधारी दल भाजपा को उस समय तगड़ा झटका लगा, जब हिमंत बिस्वा सरमा सरकार में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रहीं नंदिता गरलोसा ने रविवार को औपचारिक रूप से कांग्रेस का दामन थाम लिया। भाजपा द्वारा इस बार उनका टिकट काटे जाने से वे काफी समय से नाराज चल रही थीं।

नंदिता गरलोसा का पार्टी छोड़ना भाजपा के लिए इसलिए भी बड़ी हार माना जा रहा है क्योंकि उन्हें मनाने की कोशिशें खुद मुख्यमंत्री स्तर पर की गई थीं। रविवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा खुद हाफलोंग पहुंचे और गरलोसा के आवास पर जाकर उनसे लंबी चर्चा की। हालांकि, मुख्यमंत्री की यह मान-

मनौव्वल नाकाम रही। जैसे ही मुख्यमंत्री उनके घर से निकले, उसके कुछ ही घंटों बाद गरलोसा ने कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर पार्टी की सदस्यता ले ली। इस बगावत की मुख्य वजह भाजपा द्वारा हाफलोंग सीट से उम्मीदवार का बदलना है। पार्टी ने मौजूदा विधायक और मंत्री नंदिता गरलोसा का टिकट काटकर इस बार रुपाली लांगथासा को अपना नया चेहरा बनाया है। इसी फैसले से आहत होकर गरलोसा ने कमल का साथ छोड़ दिया और अब वे अपनी पुरानी सीट हाफलोंग से ही कांग्रेस के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरेंगी। गरलोसा का स्वागत करते हुए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव निर्मल लंगथासा ने मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में सच बोलने की सजा दी जाती है। लंगथासा ने कहा कि मुख्यमंत्री को आदिवासियों की जमीनें बड़ी कंपनियों को बेचने में दिलचस्पी है, जबकि गरलोसा जनता के हितों के लिए लड़ती रहीं। कांग्रेस सोमवार को आधिकारिक रूप से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा करेगी, जिससे अब हाफलोंग सीट पर रुपाली लांगथासा और नंदिता गरलोसा के बीच सीधा और रोचक मुकाबला तय माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक उपलब्धि पर देशभर से बधाइयाँ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने का नया कीर्तिमान स्थापित करने पर देशभर से बधाइयाँ मिल रही हैं। इस उपलब्धि के बाद विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और भाजपा नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व की सराहना की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 8931 दिनों का सार्वजनिक जीवन केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि निरंतर तप, त्याग और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में देश विकसित भारत के संकल्प की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। रेखा गुप्ता ने यह भी लिखा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में विकास की नई दिशा देने से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने तक उनकी यात्रा राष्ट्र प्रथम और अंत्योदय के सिद्धांतों को साकार करती है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए उन्हें विश्व के सबसे लोकप्रिय जननेताओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि मोदी का नेतृत्व देश को 'अंत्योदय से सर्वोदय' की दिशा में आगे बढ़ा रहा है और उनके मार्गदर्शन में भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व देश के लिए प्रेरणादायक है और उनकी सेवा भावना राष्ट्र के लिए एक मिसाल है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनका दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में उत्तराखंड भी योगदान दे रहा है।

भाजपा नेताओं ने अपने बयानों में प्रधानमंत्री के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार तीन लोकसभा चुनावों में मिली जीत देशवासियों के भरोसे का प्रमाण है। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ देश निरंतर प्रगति कर रहा है।

धोनी ने चेपॉक के मैदान पर वर्ल्ड चैंपियंस को किया सम्मानित, सोशल मीडिया पर छाया ये लम्हा

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 से पहले चेपॉक स्टेडियम में हुए खास इवेंट में एमएस धोनी ने कुछ खिलाड़ियों को सम्मानित किया, जहां फैंस को शानदार माहौल और यादगार पल देखने को मिले।

28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 से ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने फैंस के लिए एक खास कार्यक्रम आयोजित किया। 22 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में टीम ने मीट एंड ग्रीट इवेंट रखा, जहां मौजूदा खिलाड़ियों के साथ-साथ कई पूर्व दिग्गज भी मौजूद रहे।

धोनी ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने कुछ खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। खास तौर पर उन खिलाड़ियों को सम्मान मिला जिन्होंने हाल ही में भारत को विश्व विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह पल फैंस के लिए बेहद खास और यादगार रहा।

सैमसन, दुबे और म्हात्रे का सम्मान

सीएसके के तीन खिलाड़ियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। संजू सैमसन और शिवम दुबे ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। धोनी ने चेपॉक के मैदान पर इन तीनों को सम्मानित किया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

'रोर 2026' में दिखा दिग्गजों का जमावड़ा

सीएसके ने इस मौके पर 'रोर 2026' नाम से एक भव्य इवेंट भी आयोजित किया। इसमें टीम के कई पूर्व खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें अंबाती रायडू, मैथ्यू हेडन, माइकल हसी, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, लक्ष्मीपति बालाजी और मुथैया मुरलीधरन शामिल रहे। सभी खिलाड़ियों ने मिलकर पुराने यादगार पलों को ताजा किया और हल्के-फुल्के अंदाज में एक-दूसरे के साथ समय बिताया। इस इवेंट के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

आईपीएल 2025 का खराब प्रदर्शन

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 का सीजन बेहद निराशाजनक रहा था। टीम ने 14 मैचों में केवल 4 जीत दर्ज की और पॉइंट्स टेबल में आखिरी स्थान पर रही। यह प्रदर्शन टीम और फैंस दोनों के लिए निराशाजनक रहा।

आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स अपने अभियान की शुरुआत 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करेगी। टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन कर वापसी करने की कोशिश करेगी। अब सभी की नजर इस बात पर है कि सीएसके इस सीजन में कैसा प्रदर्शन करती है और क्या वह अपनी पुरानी लय में लौट पाती है।

सीएसके ने रैना और हेडन को हॉल ऑफ फेम अवार्ड से सम्मानित किया

चेन्नई (एजेंसी)। पांच बार कि आईपीएल खिताब विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 वें सत्र की शुरुआत से पहले प्रतिष्ठित हॉल ऑफ फेम पुरस्कार दिये। चेपॉक स्टेडियम में आयोजित 'रोर 26' नाम के एक कार्यक्रम में ये पुरस्कार टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुरेश रैना और मैथ्यू हेडन दो दिया गया। रैना, सीएसके में ÷चिन्ना थाला÷ के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। वह सीएसके की ओर से सबसे बड़े मैच विजेता माने जाते हैं। उन्होंने साल 2008 से 2021 तक टीम की ओर से 2010, 2011, 2018 और 2021 में जीत हासिल की है। रैना अभी भी सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5,529 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और 38 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 2014 चैंपियंस लीग टी20 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी जीता था।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबा हेडन ने साल 2008 से 2010 तक सीएसके की ओर से खेलते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हेडन साल 2009 में सीएसक की ओर से औरेंज कैप जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने 572 रन बनाए थे। उन्होंने सीएसके की ओर से कुल 1,117 रन बनाए और 8 अर्धशतक लगाए। वह 2010 में आईपीएल जीतने वाली टीम में भी शामिल थे। 'रोर 26' इवेंट इस समारोह में मुथैया मुरलीधरन , अंबाति रायडू सहित पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शामिल हुए।

मुझे 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पसंद नहीं है, आईपील2026 से पहले अक्षर पटेल ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स (DC) के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह नियम 10 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में ऑलराउंडरों की भूमिका को कम कर देता है, जिसका 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है।

'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को 2023 में लागू किया गया था जो सभी 10 IPL टीमों को मैच की किसी भी पारी में एक बल्लेबाज या गेंदबाज को बदलने की अनुमति देता है। अक्षर ने कहा, 'सच कहूं तो, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं। पहले, आप बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए एक ऑलराउंडर को चुनते थे। लेकिन इस नियम की वजह से, टीम मैनेजमेंट किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है, यह सोचकर कि 'हमें ऑलराउंडर की क्या ज़रूरत है?' क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं, इसलिए मुझे यह नियम पसंद नहीं है। साथ ही, नियम तो नियम होते हैं और हमें उनका पालन करना होता है। हालांकि, व्यक्तिगत दृष्टिकोण से मुझे यह नियम पसंद नहीं है।' DC अपना IPL 2026 अभियान एक अप्रैल को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शुरू करेगा। यह पहली बार नहीं है जब अक्षर ने इस नियम के बारे में अपनी नाराजगी जाहिर की है। 2024 में ष्ठ्ट के उप-कप्तान के तौर पर अक्षर ने कहा था कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से उनकी बल्लेबाजी की पोजिशन प्रभावित हुई थी। IPL करियर में 7.3 की इकॉनमी रेट होने के बावजूद अक्षर का पिछला साल गेंदबाज़ी के लिहाज़ से सबसे कमज़ोर रहा - 2019 में DC में शामिल होने के बाद से यह उनका सबसे खराब सीजन था। उन्होंने 11 पारियों में 8.5 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए और सिर्फ 5 विकेट लिए। उन्होंने साफ किया कि पिछले साल गेंदबाजी में उनका खराब प्रदर्शन 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से नहीं, बल्कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सफल अभियान के दौरान लगी उंगली की चोट की वजह से था।

भारत की स्टार क्रिकेटर को मिला फरवरी महीने की 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

दुबई (एजेंसी)। भारत की स्टार क्रिकेटर अरुंधति रेड्डी को फरवरी महीने के आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के पुरस्कार से नवाजा गया है। अरुंधति को यह पुरस्कार ऑस्ट्रेलिया में भारत की यादगार जीत में अहम भूमिका निभाने वाले शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया है। यह मासिक पुरस्कार रेड्डी के अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पुरस्कार है।

तेज गेंदबाज अरुंधति ने इस सम्मान पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना जाना मेरे लिए सचमुच एक बहुत बड़ा सम्मान है और यह और भी खास इसलिए है क्योंकि मुझे ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज जीतने में योगदान देने का मौका मिला। ऑस्ट्रेलिया को उसके अपने घर में हराना कभी आसान नहीं होता और इसी वजह से यह पुरस्कार मेरे लिए और भी ज्यादा मायने रखता है। अइस सीरीज जीत से हमारी टीम का आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है, क्योंकि हम इस गर्मी में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं। हमारी टीम काफी संतुलित है। और मुझे पूरा यकीन है कि हम इस टूर्नामेंट में एक ऐसी टीम साबित होंगे जिस पर सबकी नजरें टिकी होंगी।'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में रेड्डी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। उन्होंने 10.87 की औसत से कुल आठ विकेट लिए और 7.25 की इकॉनमी रेट बनाए रखी। इस दाएं हाथ की तेज गेंदबाज ने सिडनी में खेले गए पहले ही मैच से अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया था। उस मैच में उन्होंने अपने करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 4 विकेट लिए थे, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार भी मिला था।

28 साल की इस गेंदबाज ने अगले दो मैचों में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने कैनबरा में 30 रन देकर 2 विकेट और एडिलेड में खेले गए सीरीज के निर्णायक मैच में 35 रन देकर दो विकेट लिए। भारत की इस ऐतिहासिक जीत में रेड्डी के योगदान की भूमिका निर्णायक रही। भारत ने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की। जो 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में भारत की पहली टी-20 सीरीज जीत थी।

एलएसजी खिलाड़ियों ने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए

लखनऊ। लखनऊ सुपर जांयट्स (एलएसजी) के खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन ने शनिवार सुबह राम मंदिर अयोध्या पहुंच कर रामलला के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान टीम के मालिक संजीव गोयनका के साथ ग्लोबल क्रिकेट डायरेक्टर टॉम मूडी, मुख्य कोच जस्टिन लैंगर, सहायक कोच भारत अरुण और टीम के कप्तान रिषभ पंत समेत कई खिलाड़ियों ने विधिवत पूजा की। टीम के अन्य खिलाड़ियों में मयंक यादव, हिम्मत सिंह, आकाश सिंह, अक्षत रघुवंशी, प्रिंस यादव, अर्शीन कुलकर्णी, नमन तिवारी और मुकुल चौधरी भी मौजूद रहे। सभी ने भगवान श्रीराम के चरणों में नमन कर सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया। डॉ. गोयनका ने कहा कि भगवान राम का आशीर्वाद मिलने से सभी कार्य सफल होते हैं और सभी ने उनकी शरण में आकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर प्रबंधन की ओर से खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को प्रसाद तथा रामनामी अंगवस्त्र भेंट किए गए और राम दरबार के दर्शन भी कराए गए। मंदिर परिसर में रिषभ पंत और अन्य खिलाड़ियों को देखकर प्रशंसकों में उत्साह देखने को मिला और लोगों ने उनके साथ सेल्फी ली। इस बीच, टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों ने ईद का त्योहार भी आपसी सौहार्द के साथ मनाया। सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी। इस अवसर पर मोहम्मद शमी,मोहसिन खान,आवेश खान,शाहबाज अहमद और अब्दुल समद सहित अन्य खिलाड़ियों ने भी एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और विशेष व्यंजनों का आनंद लिया।

केकेआर ने प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरुआती अनावरण पर मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है। पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फ्रेंचाइजी से इसे खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है। एक नए, आधुनिक अंदाज़ में डिज़ाइन की गई यह जर्सी, टीम की पहचान से जुड़ी रहते हुए भी एक जीवंत, गर्मियों के लिए तैयार अपील रखती है। इसकी सबसे खास बात इसका टाइगर-प्रिंट पैटर्न है, जो बंगाल टाइगर से प्रेरित है - यह उस शक्ति, फुर्ती और निडर भावना का प्रतीक है जो टीम और इस क्षेत्र, दोनों की पहचान है। नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स की मुख्य कार्यकारी बिंदा डे ने कहा, 'प्रैक्टिस जर्सी पर हमारे फैंस की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय थी और इसने सचमुच उस गहरे जुड़ाव की पुष्टि की जो वे ब्रांड के साथ साझा करते हैं। हमने प्रैक्टिस जर्सी के लिए स्पष्ट मांग देखी और महसूस किया कि इसे उपलब्ध कराना ही सही होगा। एक परिष्कृत, गर्मियों के लिए तैयार रंग-रूप में फिर से डिज़ाइन की गई और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार की गई, कोलकाता नाइट राइडर्स की प्रैक्टिस जर्सी उस अनुशासन और तीव्रता को दर्शाती है जो केकेआर की पहचान है।'

मैनचेस्टर सिटी ने जीता ईएफएल कप का खिताब, फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराया

लंदन (एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी ने ईएफएल कप फाइनल में आर्सेनल को 2-0 से हराते हुए खिताब को अपने नाम किया। मैनचेस्टर की तरफ से फाइनल में निको ओ'रेली ने दूसरे हाफ में चार मिनट के अंदर दो गोल करते हुए टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

मैनचेस्टर सिटी ने यह 9वीं लीग ट्रॉफी जीती है। सिटी से ज्यादा खिताब अब सिर्फ लिवरपूल के नाम है। पेप गार्डियोला ने मैनचेस्टर सिटी मैनेजर के तौर पर यह मशहूर ट्रॉफी पांच बार जीती है, जो इंग्लिश फुटबॉल में एक रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा सफलता पाने वाले मैनेजर के तौर पर ब्रायन क्लॉ, सर एलेक्स फर्ग्यूसन और जोस मोरिन्हो (जिन्होंने सभी ने चार-चार जीते) से आगे निकल गए हैं।

कराबाओ कप सिटी बॉस के तौर पर पेप की पहली ट्रॉफी थी, जिसमें उन्होंने 2018 में आर्सेनल को 3-0 से हराया था। उन्होंने अब उस विरासत में एक और नाम जोड़ लिया है और 1960 में प्रतियोगिता की शुरुआत के बाद से सबसे सफल मैनेजर बन गए हैं। हाफ टाइम के बाद सिटी ने आर्सेनल के मुकाबले ज्यादा बेहतर खेल दिखाया। मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। आर्सेनल की टीम खिताबी मुकाबले में संघर्ष करती हुई नजर आई, जिसका पूरा फायदा सिटी ने उठाया।

पूरे सीजन मैनचेस्टर सिटी की शानदार कप्तानी करने वाले कप्तान बर्नार्डो सिल्वा ने टीम के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने टीम की इस सफलता को सभी के लिए खास पल बताया। उन्होंने कहा, ÷यह सिटी में सभी के लिए बहुत गर्व का पल है। हमें यह प्रतियोगिता पसंद है और इस सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले आर्सेनल को हराकर इसे जीतना वाकई खास है।

मैनचेस्टर सिटी अब एक इंटरनेशनल ब्रेक पर होगी। टीम अब अपना अगला मुकाबला 4 अप्रैल को एफए कप के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में लिवरपूल के खिलाफ खेलेगी। गार्डियोला की टीम अगले हफ्ते चेल्सी में होने वाले प्रीमियर लीग पर ध्यान देगी। मैनचेस्टर सिटी प्रीमियर लीग टाइटल की दौड़ में बनी हुई है। गार्डियोला की टीम अभी टॉप पर काबिज आर्सेनल से 9 प्वाइंट पीछे है और उन्हें अभी एक मुकाबला खेलना है।

इंग्लैंड टीम में एजे की जगह न्यूकैसल के बार्न्स शामिल

लंदन । न्यूकैसल के विंगर हार्वे बार्न्स को थॉमस टुचेल की इंग्लैंड टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने घायल आर्सेनल मिडफील्डर एबेरेची एजे की जगह ली है। एजे रविवार को मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ काराबाओ कप फाइनल में आर्सेनल की 2-0 से हुई हार वाली टीम में शामिल नहीं थे। उन्हें पैर के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। बार्न्स को इससे पहले भी अक्टूबर 2020 में टीम में बुलाया गया था। उस समय उन्होंने वेल्स के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में इंग्लैंड के लिए अपना एकमात्र मैच खेला था। स्कॉटलैंड ने बार्न्स को अपनी अंतरराष्ट्रीय निष्ठा बदलने और इस गर्मी में होने वाले विश्व कप में स्टीव क्लाक 'की टीम के लिए खेलने के लिए मनाने की कोशिश की थी। 28 वर्षीय बार्न्स अपने दादा-दादी के कारण स्कॉटलैंड की ओर से खेलने के योग्य थे। लेकिन बार्न्स ने स्कॉटलैंड के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अब उन्हें उरुग्वे और जापान के खिलाफ होने वाले फ्रेंडली मैचों के लिए टुचेल की टीम में बुलाया गया है। इन मैचों में कई ऐसे खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा जो टीम में अपनी नियमित जगह बनाने की दौड़ में हैं। 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) का मुकाबला 27 मार्च को उरुग्वे और 31 मार्च को जापान से होगा। ये दोनों मैच वेम्बली स्टेडियम में खेले जाएंगे। बार्न्स ने इस सीजन में न्यूकैसल के लिए सभी प्रतियोगिताओं में कुल 14 गोल किए हैं।

विराट ने आईपीएल से पहले आरसीबी को किया सावधान, सभी टीमें हमें हराना चाहेंगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि इस बार का सत्र पहले से कठिन होगा। इसलिए टीम के सभी खिलाड़ियों को और अधिक गंभीरत से खेलना होगा। विराट ने कहा कि इस बार सभी टीमें आरसीबी को हराने का लक्ष्य लेकर उतरेंगी क्योंकि वह मौजूदा चैम्पियन है। ऐसे में सभी टीमें हमारे खिलाफ अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल में आरसीबी का पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। आरसीबी के शेयर किए गए एक वीडियो में विराट टीम के खिलाड़ियों से बात करने के दौरान उन्हें उत्साहित करते दिखे। उन्होंने कहा कि पिछले 2 से 3 सत्र में टीम ने काफी मेहनत की है और उसी मेहनत के कारण उन्हें पिछले सत्र में खिताबी जीत मिली थी।

विराट ने खिलाड़ियों से कहा कि इस बार चुनौती और बड़ी होगी, इसलिए शुरुआत से ही पूरी ताकत से खेलना होगा। कोहली ने कहा, हमने पिछले 2-3 साल में जो हासिल किया, उसके लिए बहुत मेहनत की पर अब चुनौती और कठिन होने वाली है क्योंकि बाकी टीमें हमें हराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी। हमें अभी से स्विच ऑन होना होगा और हर सेशन में आना सौ फीसदी से अधिक देना होगा।

RCB ने साल 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। तब उसने फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया था। अब टीम IPL 2026 में अपने खिताब का बचाव करने का पूरा प्रयास करेगी और लगातार दूसरी ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेगी। टीम के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि इस बार नीलामी में टीम ने काफी अच्छे खिलाड़ियों को शामिल किया है, जिससे टीम पहले से ज्यादा बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि नए खिलाड़ियों को टीम के माहौल में ढालना और सीनियर खिलाड़ियों के साथ सही तालमेल बनाना इस सत्र में सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। गौरतलब है कि विराट आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने आईपीएल में 267 मैचों में 8661 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 63 अर्धशतक शामिल हैं। आईपीएल में अब विराट कोहली इस सत्र मे भी अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही नये रिकार्ड अपने नाम करना चाहेंगे।

आरसीबी को शुरुआती मैचों में हेजलवुड की कमी खलेगी : श्रीकांत

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल 2026 में शुरुआती मैच में तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की कमी खेलेगी। इसका कारण है कि पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण हेजलवुड शुरु के मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में रजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी के लिए हेजलवुड की कमी पूरी करना आसान नहीं रहेगा। श्रीकांत ने कहा है कि इस तेज गेंदबाज का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेजलवुड ने पिछले सत्र में 12 मैचों में 22 विकेट लिए थे। तब उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 33 रन देकर 4 विकेट था। यही वजह है कि श्रीकांत ने हेजलवुड के नहीं होने को आरसीबी के लिए करारा झटका माना है। हेजलवुड चोटिल होने के कारण पिछले साल नवंबर के बाद से ही पेशेवर क्रिकेट से दूर हैं। वह एशेज सीरीज और टी20 विश्वकप भी नहीं खेल पाये। हैमस्ट्रिंग के बाद उनको एंकल इंजरी का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने एक वीडियो में कहा, हेजलवुड का न होना एक बड़ा झटका है। अगर वह दो सप्ताह भी फिट नहीं होते, तो भी वे वहां तीन से चार मैच खेल लेते। उनके बिना, टीम की गेंदबाजी कमजोर हो जाएगी। उनका कोई भी विकल्प नहीं है। जैकब डफी भी खराब गेंदबाज नहीं है पर विश्व कप में वह विफल रहे थे। यह देखना होगा कि वह आईपीएल में चल पाते है या नहीं उन्होंने साथ ही कहा, हेजलवुड के बिना आरसीबी की 25 फीसदी उम्मीद कम हो वह न सिर्फ गेम-चेंजर हैं, बल्कि मैच-विजेता भी हैं। वह जो डर पैदा करता हैं, वह बुमराह जैसा ही है। हेजलवुड उस शानदार टेस्ट मैच लेंथ पर गेंदबाजी करते हैं, जहां बल्लेबाज आगे या पीछे नहीं जा सकता।

धोनी के इस बार आईपीएल से संन्यास लेने की अटकलें तेज हुईं

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी 44 साल के हो गये हैं। ऐसे में उनके संन्यास की अटकलें जोर पकड़ती जा रही हैं। इस बार माना जा रहा है कि वह अंतिम बार लीग से खेलते दिखेंगे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जब वह स्टेडियम में पहुंचे तो हर तरफ से 'थाला थाला' सुनाई देना लगा। उनकी आवाज सुनकर प्रशंसक भी भावुक दिखे। वहीं धोनी पूर्व क्रिकेटरों सुरेश रैना और डीजे ब्रावो के साथ नजर आये। इससे भी प्रशंसकों को लगा रहा है कि ये धोनी का अंतिम आईपीएल रहेगा।

प्रशंसक सीएसके के 'रोर 26' इवेंट के लिए स्टेडियम में पहुंचे थे। कुछ सीएसके खिलाड़ियों ने मैदान पर अभ्यास किया, वहीं कुछ बातें करते दिखे। वहीं पहली बार टीम में शामिल जब नए खिलाड़ी संजू सैमसन जब मैदान में आए, तब भी जोरदार तालियां बज उठीं। धोनी आईपीएल में अपना 19वां सत्र खेलने जा रहे हैं। उनकी ताकत पहले जैसी नहीं रही पर सीएसके के लिए वह आज भी सबसे कीमती खिलाड़ी हैं हालांकि अब वह निचले स्तर पर ही बल्लेबाजी के लिए उतरते हैं। वहीं चेन्नई के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि धोनी का ये अंतिम आईपीएल रहेगा।

उथप्पा ने कहा, 'आईपीएल 2026 शायद उनका आखिरी साल होगा। मुझे लगता है कि इस साल वह मेंटर-कम-खिलाड़ी की भूमिका में रहेंगे। मुझे नहीं लगता कि वह इस बार नंबर सात पर बल्लेबाजी करेंगे। मुझे लगता है कि वह नंबर आठ पर बल्लेबाजी करेंगे। वह जानते हैं कि वह धीरे-धीरे बाहर हो रहे हैं, इसलिए अपनी को टीम से अलग कर रहे हैं ताकि उनके बिना भी टीम जीत सके। वह जानते हैं कि तभी कप्तान के तौर पर रुतुराज गायकवाड़ की क्षमता का पता चल सकेगा।'

एकता कपूर लॉन्च करेंगी 'हुनर' कलाकारों को मिलेगा नया मंच

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री को कई बड़े सितारे देने वाली प्रोड्यूसर एकता कपूर अब टैलेंट मैनेजमेंट की दुनिया में भी कदम रख रही हैं। उनके नेतृत्व वाली कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने नए टैलेंट मैनेजमेंट वेंचर 'हुनर' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नई कंपनी खास तौर पर कलाकारों को निखारने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कहानी कहने और परफॉर्मेंस के कल्चर को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई है। 'हुनर' का मकसद बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के स्थापित कलाकारों के साथ-साथ नए क्रिएटर्स और एक्टर्स को भी एक ऐसा प्लेटफॉर्म देना है, जहां उन्हें सही दिशा और मौके मिल सकें।

कंपनी के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म टैलेंट को सिर्फ रिप्रेजेंट करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कलाकारों की आर्टिस्टिक ग्रोथ पर भी काम करेगा। यहां कलाकारों को सही गाइडेंस, बेहतर अवसर और एक क्रिएटिव माहौल दिया जाएगा, जिससे वे अपने हुनर को निखार सकें और यादगार कहानियों का हिस्सा बन सकें। नए वेंचर के बारे में बात करते हुए एकता कपूर ने कहा कि बालाजी टेलीफिल्म्स में हमेशा से यह विश्वास रहा है कि टैलेंट तभी चमकता है, जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। उनके मुताबिक, 'हुनर' के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने की कोशिश है, जहां कलाकारों को सिर्फ मैनेज नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें समझा भी जाएगा।

उन्होंने कहा कि कंपनी का मकसद कलाकारों को सोच-समझकर गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के हिसाब से मौके तलाशने में मदद करना और उनके लंबे समय तक विकास में साथ देना है। एकता के अनुसार, यह पहल कलाकारों को एक्सपेरिमेंट करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का मौका देगी। इस नए वेंचर के लॉन्च को सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित फेयरमोंट मुंबई में एक एक्सक्लूसिव 'हुनर लॉन्च पार्टी' का आयोजन किया जाएगा। इस खास शाम में बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री के कई दिग्गज सितारे, क्रिएटर्स, इंडस्ट्री लीडर्स और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे।

एकता कपूर लंबे समय से नए टैलेंट को मौका देने के लिए जानी जाती हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस ने इंडस्ट्री को कई बड़े कलाकार दिए हैं। ऐसे में 'हुनर' के जरिए वह अपने इसी विजन को और आगे बढ़ा रही हैं। इस पहल के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स न सिर्फ कहानी कहने की अपनी विरासत को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच भी तैयार कर रहा है, जहां वे सीख सकें, बढ़ सकें और अपनी पहचान बना सकें।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया भट्ट

करण बोले- मुझे तुम पर गर्व है

बॉलीवुड में लंबे समय से 'इनसाइडर वर्सेस आउटसाइडर' की बहस चलती रही है। ऐसे में जब भी कोई बड़ा स्टार नए टैलेंट को आगे बढ़ाने की बात करता है तो वह चर्चा का विषय बन जाता है। अब इसी कड़ी में अभिनेत्री आलिया भट्ट का बयान सामने आया है, जिसने इस बहस को एक नई दिशा दे दी है। आलिया ने कहा कि वह अपने प्रोडक्शन के जरिए आउटसाइडर्स को लॉन्च करेंगी। दरअसल, आलिया भट्ट शुक्रवार को अपनी नई प्रोडक्शन फिल्म 'डोंट बी शाई' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं। यह फिल्म अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के एक बड़े इवेंट के दौरान पेश की गई, जहां कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा भी हुई। इसी दौरान स्टेज पर आलिया और फिल्ममेकर करण जौहर के बीच एक दिलचस्प बातचीत देखने को मिली, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। इवेंट में करण जौहर ने हल्के-फुल्के अंदाज में आलिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब एक समझदार और अनुभवी प्रोड्यूसर बन गई हैं। उन्होंने कहा, ''आलिया, आपने सच में प्रोड्यूसर होने की कला में महारत हासिल कर ली है, क्योंकि आपके जवाब मेरे सवालों से बहुत अलग लगते हैं।''

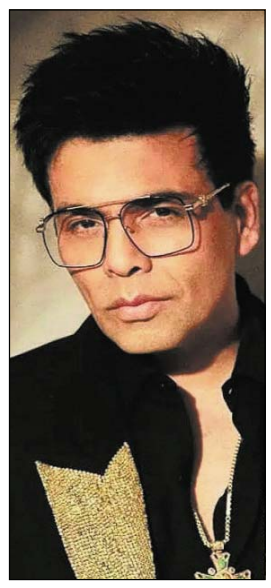

आलिया ने इसका जवाब देते हुए कहा, ''हां करण, क्योंकि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका होता है।''

करण जौहर ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए मजाक में कहा कि शायद उन्हें एक्टर्स को लॉन्च करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। यह कहते हुए कि उन्होंने जब आलिया को अपने प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बारे में याद दिलाया और कहा कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए उन्हें लॉन्च किया था तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, ''अच्छा, मैं क्या कह सकती हूं? सबसे अच्छे लोगों ने हमें हमेशा सिखाया है कि हर चीज की एक टाइमिंग होती है।'' इसी दौरान करण जौहर ने एक अहम सवाल पूछा कि क्या आलिया जिन कलाकारों को लॉन्च करने जा रही हैं, वे 'आउटसाइडर्स' हैं। इस पर आलिया ने बिना किसी हिचकिचाहट के 'हां' कहा। यह जवाब सुनकर करण जौहर ने कहा कि मुझे आप पर गर्व है आलिया। अगर फिल्म 'डोन्ट बी शाई' की बात करें तो यह एक युवा लड़की श्यामिली 'शाई' दास की कहानी है, जो 20 साल की है और अपनी जिंदगी के सभी फैसले खुद करती है। उसे लगता है कि उसने सब कुछ प्लान कर लिया है, लेकिन अचानक उसकी जिंदगी में ऐसे बदलाव आते हैं जो उसे पूरी तरह से हिला देते हैं। यह कहानी एक साधारण लड़की के असाधारण सफर को दिखाती है, जिसमें भावनाएं, संघर्ष और आत्मविश्वास की झलक देखने को मिलेगी। यह फिल्म आलिया भट्ट की कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनाई जा रही है।

करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ने लिखा खास संदेश

मृणाल ठाकुर का फिल्मी करियर दस साल का हो गया है। उनकी पहली फिल्म 'लव सोनिया' आज से दस साल पहले रिलीज हुई थी। पहली ही फिल्म में मृणाल के अभिनय को पसंद किया गया था। अब आज इंडस्ट्री में अपने दस साल पूरे होने पर एक्ट्रेस ने 'लव सोनिया' के समय को याद किया। साथ ही उन्होंने 'लव सोनिया' के फैंस के लिए एक सरप्राइज भी दिया। 19 मार्च को अपनी पहली फिल्म 'लव सोनिया' और अपने करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। पोस्ट में मृणाल ने अपने शुरुआती दिनों के बारे में एक बेहद निजी संदेश लिखा। फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज से दस साल पहले... मैंने पहली बार फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक सपना, एक शुरुआत, एक ऐसा जीवन जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं हमेशा आभारी रहूंगी।'

इस दौरान अपनी पोस्ट में मृणाल ठाकुर ने फैंस के लिए खास घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि 'लव सोनिया' के कुछ अनदेखे डिलीट किए गए सीन ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। एक्ट्रेस ने कहा कि 24 घंटे में पहली बार हम 'लव सोनिया' के नौ अनदेखे डिलीट किए गए सीन रिलीज करेंगे।

तबरेज नूरानी द्वारा निर्देशित 'लव सोनिया' 2016 में निर्माण शुरू होने के बाद 2018 में रिलीज हुई थी। वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म सोनिया की उस जर्नी को दर्शाती हैं, जिसमें वह अपनी बहन प्रीति को बचाने की कोशिश करती है। जिसे अंतरराष्ट्रीय यौन तस्करी में बेच दिया गया था। कहानी में तब एक भयावह मोड़ आता है, जब सोनिया खुद इस जाल में फंस जाती है।

वाराणसी के बाद संदीप रेड्डी वांगा की 'डेविल' में दिख सकते हैं महेश बाबू

महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बड़े बजट की फिल्म में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्मी गलियारों में चर्चा तेज है कि 'वाराणसी' के बाद महेश निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ नई फिल्म कर सकते हैं। फिलहाल वह 'स्पिरिट' की तैयारियों में व्यस्त हैं, रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने 'डेविल' टाइटल से एक दमदार स्क्रिप्ट भी तैयार कर रखी है। बताया जा रहा है कि यह संभावित फिल्म एक इंटेंस और डार्क थ्रिलर हो सकती है।

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। खास बातचीत में दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही 'पूरी' होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, 'चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।' समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, 'तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

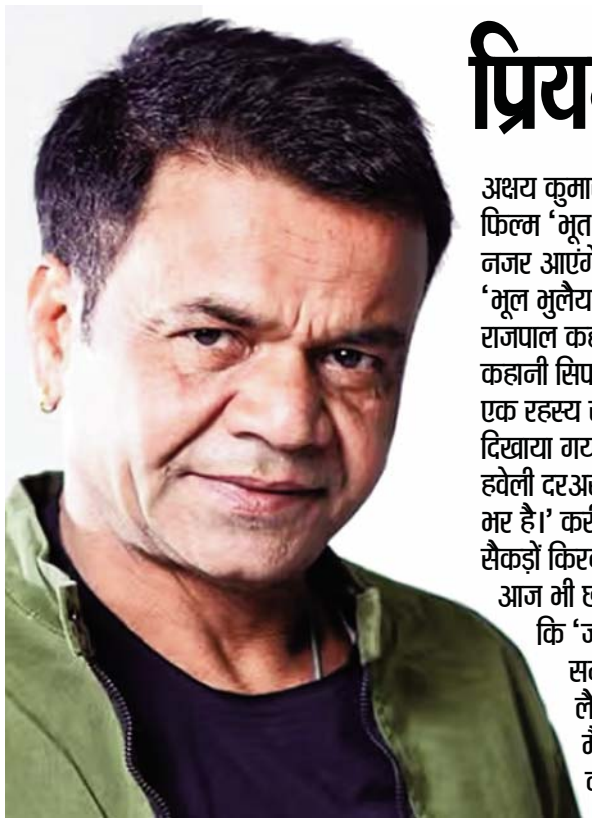

प्रियन सर के साथ काम करना मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में राजपाल यादव भी नजर आएंगे। तीनों की यह तिकड़ी पहले 'भूल भुलैया' में काम कर चुकी है। राजपाल कहते हैं कि 'भूत बंगला' की कहानी सिर्फ एक हॉरर कॉमेडी नहीं, बल्कि एक रहस्य से भरी दुनिया है। टीजर में दिखाया गया 'वधुसुर' और मंगलपुर की हवेली दरअसल उस बड़े रहस्य की झलक भर है।' करीब 25 साल के करियर में सैकड़ों किरदार कर चुके राजपाल खुद को आज भी छात्र ही मानते हैं। वह कहते हैं कि 'जब एक्टर किरदार की सोच को समझ लेता है तो उसकी बॉडी लैंग्वेज अपने आप बदल जाती है। मैं कभी किसी की नकल नहीं करता हूं।'

राजपाल बताते हैं कि, 'प्रियदर्शन के साथ मेरा रिश्ता दो दशक से भी पुराना है। मैंने कभी उनसे स्क्रिप्ट तक नहीं पूछी। जब भी उनका फोन आता है, सिर्फ यही कहते हैं- 'राजपाल, आना है...' तो मैं बिना कुछ पूछे सेट पर पहुंच जाता हूं।

इस फिल्म में हॉरर और कॉमेडी दोनों है। प्रियदर्शन सर के साथ काम करना किसी यूनिवर्सिटी में मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा है। जहां हर एक्टर छात्र होता है।'

'छोटा पंडित' के बाद मेरा नया किरदार भी दर्शक पसंद करेंगे

'भूल भुलैया' के बाद से 'छोटा पंडित' के नाम से भी लोकप्रियता मिली। इस पर राजपाल का कहना है कि 'कोई दबाव महसूस नहीं होता। एक कलाकार के लिए हर किरदार 'रसगुल्ले' की तरह होता है, छोटा हो या बड़ा उसका स्वाद मीठा ही होता है।

'भूत बंगला' में भी मेरा किरदार बारीकी से गढ़ा गया है और प्रियदर्शन सर ने इसमें आम आदमी के ऐसे शेड्स दिए हैं, जिनसे दर्शक आसानी से जुड़ पाएंगे और पसंद भी करेंगे।'

'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर ही डर पैदा करता है

बकौल राजपाल, 'किसी भी फिल्म में लोकेशन सिर्फ एक जगह नहीं बल्कि एक किरदार होती है। जहां 'भूल भुलैया' की हवेली में राजपूताना ठाठ और रहस्य का माहौल था, वहीं 'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर और अंधेरा अपने आप में अलग तरह का डर पैदा करता है। प्रियदर्शन सर ने इसे ब्यूटीफुल हॉरर की तरह ट्रीट किया है, जिससे दर्शकों को लगेगा कि वे खुद उस बंगले के भीतर मौजूद हैं।'

अक्की पाजी के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा

अक्षय के साथ फिर से काम करने को लेकर राजपाल कहते हैं कि 'अक्की पाजी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह हर वक्त लाइव एक्टर जैसे रहते हैं। कैमरा ऑन हो या ऑफ, सेट पर उनका एनर्जी लेवल वही रहता है। शॉट के बीच भी दोनों कलाकार लगातार रिहर्सल करते रहते हैं और सीन में छोटे-छोटे इम्प्रोवाइजेशन जोड़ते हैं ताकि सीन और ज्यादा जीवंत बन सके। अक्षय के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा अनुभव होता है।'

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में देर रात 4.6 तीव्रता का आया भूकंप, एक ही दिन में दूसरी बार कांपी धरती

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में शनिवार देर रात 4.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने दी है। एजेंसी के अनुसार, यह भूकंप रात 10 :43 बजे (भारतीय समयानुसार) आया और इसकी गहराई करीब 82 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र देश के उत्तरी-पूर्वी हिस्से में स्थित था। इससे पहले शनिवार सुबह भी 4.5 तीव्रता का एक और भूकंप आया था। उस झटके की गहराई लगभग 130 किलोमीटर बताई गई थी। लगातार आ रहे झटकों से क्षेत्र में सतर्कता बढ़ गई है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के अनुसार, अफगानिस्तान भूकंप, भूस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति बेहद संवेदनशील है। लंबे समय से संघर्ष और सीमित संसाधनों के कारण यहां की आबादी इन आपदाओं से उबरने में कठिनाइयों का सामना करती है। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

ईरान में अपनी सेना उतारने की तैयारी में अमेरिका, रिपोर्ट में दावा- हजारों मरीन पहले ही हो चुके रवाना

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 23वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच एक बार फिर अमेरिका से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ईरान के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने एक बड़ा कदम उठाया है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार पेंटागन ने ईरान में जरूरत पड़ने पर अमेरिकी जमीनी सेना (ग्राउंड ट्रूप्स) भेजने के लिए पूरी योजना तैयार कर ली है। सूत्रों के अनुसार, यह योजना तब लागू हो सकती है जब डोनाल्ड ट्रंप आगे कोई बड़ा फैसला लेते हैं। हालांकि, अभी तक ट्रंप ने यह तय नहीं किया है कि किन हालात में वह सेना भेजने की मंजूरी देंगे। मामले में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि पेंटागन का काम राष्ट्रपति को हर स्थिति के लिए तैयार रखना है। इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ने ईरान में सेना भेजने का अंतिम फैसला कर लिया है। उन्होंने साफ किया कि फिलहाल ग्राउंड ट्रूप्स भेजने की कोई योजना नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान में संभावित कार्रवाई के दौरान लोगों को पकड़ने और हिरासत में रखने की भी तैयारी शुरू कर दी है।

ईद की नमाज़ के बाद, अज्ञात बंदूकधारियों ने लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सलफ़ी को मारी गोली,

इस्लामाबाद, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सलाफी की पाकिस्तान के मुरीदके स्थित मरकज़ तैयबा के अंदर कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर और चाकू से वार करके हत्या कर दी। यह हमला ईद की नमाज़ के ठीक बाद हुआ। मौके से सामने आए वीडियो में घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल दिख रहा है, और सलाफ़ी खून से लथपथ ज़मीन पर पड़े हैं, जबकि लोग उन्हें उठाने की कोशिश कर रहे हैं। इस हत्या के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है। खबरों के मुताबिक, बिलाल आरिफ सलाफ़ी लश्कर-ए-तैयबा का एक ऊँचा कमांडर था। सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट में दावा किया गया है कि वह मुरीदके सेंटर में युवाओं को भर्ती करने वाला मुख्य व्यक्ति था, जिसकी ज़िम्मेदारी पूरे पाकिस्तान से युवाओं की पहचान करके उन्हें 'कश्मीर जिहाद' में शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बनाना था। आरोप है कि उसने वैचारिक ट्रेनिंग देने के लिए 'मरकज़ तैयबा' को अपने अड्डे के तौर पर इस्तेमाल किया।

दावा-ईरान ने हीट ट्रैकिंग मिसाइल से अमेरिकी एफ-35 को गिराया

यह दुनिया का सबसे एडवांस फाइटर जेट, लेकिन ईरानी खतरे का अंदाजा नहीं लगा पाया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने 19 मार्च को दुनिया के सबसे एडवांस अमेरिकी फाइटर जेट एफ-35 को गिराने का दावा किया। ईरानी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स ने अपने स्वदेशी 'मजीद' एयर डिफेंस सिस्टम के जरिए इसे मार गिराया। अगर यह सच है तो ईरान पहला ऐसा देश होगा जो ऐसा कर पाया है। एफ-35 फाइटर जेट को करीब दो दशकों से अमेरिकी सैन्य ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता रहा है।

यह सबसे प्रीमियम फाइटर जेट है, जिसे खास तौर पर इस तरह बनाया गया है कि वह दुनिया के सबसे मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम में भी बिना पकड़े घुसकर हमला कर सके। ईरान का दावा है कि उसने इस 'अदृश्य' माने जाने वाले जेट की कमजोरी पकड़ ली है। मजीद डिफेंस सिस्टम ने एफ-35 से निकली इंफ्रारेड यानी गर्मी को पकड़कर उसे निशाना बनाया गया। ईरान का कहना है कि एफ-35 भले ही रडार से बचने में सक्षम हो, लेकिन उसके इंजन से निकलने वाली गर्मी को पूरी तरह छिपाया नहीं जा सकता। वहीं, अमेरिकी वेबसाइट सीएनएन ने भी सूत्रों के हवाले से बताया था कि ईरान के हमलों की वजह से एफ-35 को मिडिल ईस्ट में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी है। दावा- सिर्फ 1 मिसाइल से गिराया स्न-35 ईरानी मीडिया के मुताबिक पहले यह माना जा रहा था कि स्न-35 को गिराने में 'तलाश' एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल हुआ है। लेकिन अब कहा जा रहा है कि मजीद शॉर्ट-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम ने ही एफ35 को गिराया है। मजीद डिफेंस सिस्टम रडार की बजाय इंफ्रारेड तकनीक पर काम करता है। ऐसे में एफ-35 के अंदर जो सेंसर और चेतावनी सिस्टम लगे होते हैं, वे इस खतरे को आसानी से पहचान नहीं पाते। एफ-35 के पास जो इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम होते हैं, वे आम तौर पर दुश्मन के रडार सिग्नल को जाम कर देते हैं। लेकिन यहां यह पूरी तरह बेकार साबित हुए। ईरान की ओर से जारी वीडियो के मुताबिक, इस हमले में सिर्फ एक मिसाइल ही काफी रही। इससे यह दिखाने की कोशिश की गई कि सिस्टम कितना सटीक है और एफ-35 की गर्मी वाली कमजोरी कितनी बड़ी है। मजीद एयर डिफेंस 6किमी दूरी तक निशाना लगा सकता है मजीद एयर डिफेंस सिस्टम को ईरान ने 2021 में पहली बार सार्वजनिक तौर पर दिखाया था। इसे खास तौर पर नजदीकी दूरी की सुरक्षा के लिए तैयार किया गया है। इस सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह रडार पर निर्भर नहीं रहता, बल्कि इंफ्रारेड तकनीक का इस्तेमाल करता है। इसी वजह से ऐसे विमान जो रडार से बचने के लिए डिजाइन किए गए हैं, वे भी इसकी नजर से बच नहीं पाते। मजीद सिस्टम आम तौर पर कम ऊंचाई पर उड़ने वाले टारगेट को पकड़ने के लिए बनाया गया है। इसकी मार करने की दूरी करीब 700 मीटर से लेकर 6 किलोमीटर तक मानी जाती है। इस वजह से यह उन हालात में ज्यादा कारगर होता है, जहां दुश्मन के विमान या ड्रोन को किसी खास इलाके के ऊपर आना पड़ता है। इसे 'पॉइंट डिफेंस' सिस्टम कहा जाता है, यानी यह एयरबेस, सैन्य ठिकानों, रडार स्टेशन या किसी महत्वपूर्ण इमारत जैसी जगहों की सीधी सुरक्षा के लिए तैनात किया जाता है। यह सिस्टम आमतौर पर मोबाइल प्लेटफॉर्म पर लगाया जाता है, यानी इसे जरूरत के हिसाब से एक जगह से दूसरी जगह जल्दी शिफ्ट किया जा सकता है। इससे दुश्मन के लिए इसकी सही लोकेशन पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

क्या ईरान युद्ध के बीच ताइवान पर हमला करेगा चीन? द्वीप के पास ही मंडरा रहे युद्धपोत

बीजिंग, एजेंसी। ईरान संकट के बीच चीन के ताइवान पर हमला करने की आशंका जानकार पहले से ही जता रहे हैं। इसी बीच चीनी सेना के कुछ युद्धपोत ताइवान के समंदर में देखे गए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया, रविवार को सुबह 6 बजे के आसपास ताइवान के समंदर में 6 क्रह और 1 आधिकारिक चीनी जहाज देखा गया है। स्थिति के मुताबिक प्रतिक्रिया दी गई है। हालांकि इस दौरान कोई चीनी लड़ाकू विमान नहीं देखा गया है।

इससे पहले शनिवार को ताइवान ने कहा था कि उसके आसपास चीन के 8 युद्धपोत और दो एयरक्राफ्ट देखे गए हैं। बता दें कि चीन लंबे समय से ताइवान पर दावा करते आया है। हालांकि ताइवान अब तक अपनी संप्रभुता बचाने में कामयाब है। यह एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा भी है। 15 मार्च को भी ताइवान ने द्वीप के पास चीनी सैन्य विमानों की जानकारी दी थी।

ताइवान ने कहा था कि शनिवार को मंत्रालय ने द्वीप के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों का पता लगाया, जिनमें से 16 विमान उसके मध्य और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश कर गए। विमानों की संख्या में यह वृद्धि से विश्लेषक यह समझने में असमंजस में पड़ गए कि चीन की सेना आखिर क्या कर रही है।

ताइवान ने 27 फरवरी से पांच मार्च तक एक सप्ताह के दौरान किसी भी चीनी सैन्य विमान के मध्य रेखा को पार करके क्षेत्र में प्रवेश करने की सूचना नहीं दी। छह मार्च को दो मामले सामने आने के बाद, अगले चार दिनों तक कोई मामला नहीं आया। ताइवान की सेना ने पहले संकेत दिया था कि चीनी युद्धक विमानों की गतिविधि में कमी के कारण वह अपनी रक्षा नीति में कोई बदलाव नहीं कर रही है। रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने इससे पहले कहा था कि सैन्य उड़ानों में कमी आने के बावजूद चीन की नौसेना आसपास के जलक्षेत्र में सक्रिय बनी हुई है। बीते दिनों ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाले कार्यकर्ताओं को चीन में कड़ी सजा दी गई थी। राष्ट्रीय संसद सत्र में विचार-विमर्श के लिए जमा की गई रिपोर्ट के अनुसार, चीन में अलगाव रोधी कानून को सख्ती से लागू किया गया है। सुप्रीम पीपुल्स प्रोक्यूरेटोरेट ने उसी दिन समीक्षा के लिए जमा की गई अपनी वर्क रिपोर्ट में कहा कि राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए अलगाववाद को भड़काने के अपराधों के लिए कट्टर 'ताइवान की स्वतंत्रता' के अलगाववादियों को कानून के अनुसार सज़ा दी गई है।

ब्रिटेन से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक, होर्मुज पर ईरान के खिलाफ हुए ये 22 देश; सख्त कार्रवाई की दी धमकी

लंदन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच 22 देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर संयुक्त बयान जारी किया है। इस बयान में होर्मुज के पास-पास ईरान की हालिया गतिविधियों पर कड़ा ऐतराज जताया गया है। संयुक्त बयान जारी करने वाले देशों में संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, जापान, कनाडा, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, डेनमार्क, लातविया, स्लोवेनिया, एस्टोनिया, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, चेकिया, रोमानिया, बहरीन, लिथुआनिया और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

साझा बयान में कहा गया है कि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर ईरान के हमले बेहद निंदनीय हैं। ईरानी सेना ने तेल और गैस संयंत्रों जैसे नागरिक बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य को हकीकत में बंद कर देना एक गंभीर मुद्दा है। इन देशों ने बढ़ते संघर्ष पर भी गहरी चिंता व्यक्त की है।

इन देशों ने ईरान से मांग की है कि वह अपनी धमकियां तुरंत बंद करे। वे चाहते हैं कि ईरान समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाना, ड्रोन और मिसाइल हमले करना और व्यापारिक जहाजों का रास्ता रोकना बंद कर दे। बयान में ईरान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का पालन करने की सलाह दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक, समुद्र में जहाजों की आवाजाही की आजादी एक बुनियादी अधिकार है। ईरान के इन कदमों का बुरा असर पूरी दुनिया के लोगों पर पड़ेगा, खासकर उन पर जो सबसे ज्यादा कमजोर हैं। व्यापारिक जहाजों के रास्ते में दखल देना और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ना अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इन देशों ने नागरिक ठिकानों और तेल-गैस संयंत्रों पर हमलों को रोकने के लिए तत्काल पूर्ण रोक लगाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को सुरक्षित निकलने लिए हर संभव प्रयास करेंगे। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईइए) ने आपातकालीन पेट्रोलियम भंडार जारी करने का फैसला किया है, जिसका इन देशों ने स्वागत किया है।

मस्क ने ट्विटर के दाम गिरा जानबूझकर निवेशकों को दिया धोखा, अदालत की ज्यूरी ने माना दोषी; कुछ आरोपों में बरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक ज्यूरी ने एलन मस्क को ट्विटर (अब एक्स) के शेयर के दाम जानबूझकर गिराकर निवेशकों को धोखा देने का दोषी पाया है। यह धोखाधड़ी 2022 में 44 अरब डॉलर में ट्विटर कंपनी के अधिग्रहण से पहले के उथल-पुथल भरे महीनों में की गई। हालांकि, ज्यूरी ने उन्हें कुछ धोखाधड़ी के आरोपों से बरी कर दिया। सैन फ्रांसिस्को में चला यह दीवानी केस मस्क द्वारा ट्विटर का नियंत्रण लेने से ठीक पहले दायर सामूहिक मुकदमे पर केंद्रित था। ज्यूरी को यह तय करना था कि क्या मई 2022 में मस्क द्वारा किए गए दो ट्वीट और एक पॉडकास्ट पर आई टिप्पणियां ट्विटर के शेयरधारकों को जानबूझकर धोखा देने के बराबर थीं, जिन्होंने मस्क के बयानों के आधार पर अपने शेयर बेच दिए

थे। 100 सदस्यीय ज्यूरी ने चार दिनों के विचार-विमर्श के बाद फैसला सुनाया, जो 2 मार्च को शुरू हुए मुकदमे के करीब तीन सप्ताह बाद आया है। ज्यूरी ने कहा, मस्क दो ट्वीट निवेशकों को गुमराह करने के लिए उत्तरदायी थे। ज्यूरी ने यह भी माना कि अरबपति कारोबारी की मंशा ट्विटर के दाम घटाने की थी।

प्रति शेयर हर दिन तीन से आठ डॉलर का हर्जाना : अमेरिकी ज्यूरी ने शेयरधारकों को प्रति शेयर प्रतिदिन लगभग 3 से 8 डॉलर के बीच हर्जाना दिया। इसे वादी के वकीलों ने करीब 2.1 अरब डॉलर के स्टॉक और 50 करोड़ डॉलर के विकल्प के बराबर बताया। मस्क की संपत्ति का वर्तमान अनुमान लगभग 814 अरब डॉलर है, जिसका अधिकांश हिस्सा टेस्ला के शेयरों में लगा हुआ है।

निवेशकों व बाजारों के लिए अहम फैसला : वादी पक्ष के वकील मार्क मोलम्फी ने कहा, यह न केवल ट्विटर के निवेशकों के लिए, बल्कि सार्वजनिक बाजारों के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीत है। वह बोले, मुझे लगता है कि ज्यूरी का फैसला एक कड़ा संदेश देता है कि भले ही आप अमीर और शक्तिशाली व्यक्ति हों, आपको कानून का पालन करना ही होगा, और कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। मस्क की कानूनी टीम ने मस्क द्वारा जीते गए अन्य मामलों का हवाला दिया और कहा कि वे अपील करेंगे।

ट्विटर पर बॉट्स की संख्या गलत बताई : कैलिफोर्निया के उत्तरी जिले के सैन फ्रांसिस्को संघीय कोर्ट में लगभग तीन सप्ताह तक चले इस मुकदमे में सीईओ पराग अग्रवाल और सीएफओ नेड सेगल सहित ट्विटर के पूर्व अधिकारियों के साथ-साथ मस्क ने भी गवाही दी। मस्क ने गवाही में कहा कि ट्विटर के नेतृत्व ने बॉट्स की संख्या पर झूठ बोला और फर्जी खातों की संख्या की गणना की जानकारी भी उनसे जानकारी छिपाई। उन्होंने ट्विटर बोर्ड द्वारा दी गई जानकारी को एक बैल के मल-मूत्र के संक्षिप्त रूप से वर्णित किया।

'ईरान से प्यार है, तो वहीं चले जाओ': पाकिस्तान में रह रहे शिया समुदाय को आसिम मुनीर की खुली धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 22वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब पाकिस्तान में इसी संबंध में बड़ा विवाद खड़ा हो गया। इसका कारण पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज और सेना प्रमुख मार्शल आसिम मुनीर का पाकिस्तान में रह रहे शिया

समुदायों को खुली धमकी है। दरअसल पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने रावलपिंडी में एक इफ्तार कार्यक्रम के दौरान शिया धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने धमकी भरे अंदाज में कहा कि अगर आपको ईरान इतना पसंद है, तो आप वहां चले जाएं। इस बयान को शिया समुदाय के नेताओं ने आपत्तिजनक और भड़काऊ बताया है। शिया घर्मगुरुओं का कहना है कि इससे पूरे समुदाय को गलत तरीके से निशाना बनाया गया है। खामेनेई की मौत पर पाकिस्तान में प्रदर्शन बता दें कि मुनीर का यह बयान ऐसे समय में आया है। जब बीते दिनों अमेरिका और इस्राइल के ईरान पर हमले में वहां के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इसके बाद पाकिस्तान में कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भी हुई, जिसके बाद सेना प्रमुख ने चेतावनी दी थी कि दूसरे देशों की घटनाओं के आधार पर पाकिस्तान में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिया नेताओं का आरोप मुनीर के इस बयान के बाद शिया नेताओं का आरोप है कि मुनीर ने इन प्रदर्शनों के लिए शिया समुदाय को जिम्मेदार ठहराया, जो गलत और अपमानजनक है। शिया धर्मगुरु मुहम्मद शिफा नजफी ने भी इस पर आपत्ति जताई और कहा कि पूरे समुदाय को एक साथ दोषी ठहराना सही नहीं है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पाकिस्तान की स्थापना करने वाले मोहम्मद अली जिन्ना भी शिया थे और देश में शिया समुदाय की अहम भूमिका रही है। पाकिस्तान की बदलती विदेश नीति भी समझिए गौरतलब है कि पाकिस्तान में शिया समुदाय करीब 15% आबादी का हिस्सा है और ईरान के बाद यहां उनकी सबसे बड़ी संख्या है।

'मैं खुश हूं, वो मर गया', FBI के पूर्व निदेशक रॉबर्ट मुलर के निधन पर बोले डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई के पूर्व निदेशक रॉबर्ट मुलर का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मुलर ने 9/11 के हमलों के बाद एफबीआई को आतंकवाद-रोधी एजेंसी के रूप में बदलने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें विशेष वकील के रूप में रूस और डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति अभियान के बीच संबंधों की जांच का नेतृत्व करने के लिए जाना गया। मुलर के निधन पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मुलर के निधन पर कहा, 'रॉबर्ट मुलर का निधन हो गया है। अच्छा है, मुझे खुशी है कि वह मर गया।' उन्होंने आगे कहा, 'वह अब निर्दोष लोगों को नुकसान नहीं पहुंचा सकते। ' कैसा रहा एफबीआई में मुलर का कार्यकाल? रॉबर्ट मुलर ने 11 सितंबर, 2001 के हमलों से ठीक एक सप्ताह पहले एफबीआई निदेशक का पद संभाला था। इस घटना ने तुरंत ही एफबीआई के प्राथमिक लक्ष्य को घरेलू अपराधों को सुलझाने से बदलकर आतंकवाद को रोकने की ओर मोड़ दिया। इस बदलाव ने मुलर और संघीय सरकार के सामने एक अत्यंत कठिन चुनौती पेश की, जहां 100 में से 99 आतंकवादी हमलों को रोकना भी पर्याप्त नहीं माना जाता था। अपने 12 साल के कार्यकाल के दौरान, मुलर ने एफबीआई के मिशन को 21वीं सदी की कानून प्रवर्तन आवश्यकताओं के अनुरूप पुनर्गठित किया। उन्होंने दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के राष्ट्रपतियों के अधीन सेवा की और रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश द्वारा उन्हें नामित किया गया था। रूस जांच में

विशेष वकील की भूमिका एफबीआई निदेशक के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद मुलर ने सार्वजनिक सेवा में वापसी की। उन्हें उप अटॉर्नी जनरल रॉड रोसेनस्टीन द्वारा ट्रंप-रूस जांच के लिए विशेष वकील नियुक्त किया गया था। इस जांच का उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या ट्रंप के चुनावी अभियान ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के लिए रूस के साथ अवैध रूप से समन्वय किया था। मुलर के नेतृत्व में उनकी टीम ने लगभग दो साल तक इस अहम जांच को गुप्त रूप से संचालित किया। उन्होंने कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की और जांच के दौरान कोई सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज नहीं कराई, भले ही उन्हें ट्रंप और उनके समर्थकों से हमलों का सामना करना पड़ा। रूस जांच की रिपोर्ट और विवाद अप्रैल 2019 में जारी की गई 448 पन्नों की मुलर रिपोर्ट में ट्रंप के चुनावी अभियान और रूस के बीच महत्वपूर्ण संपर्कों का पता चला, लेकिन किसी आपराधिक साजिश का आरोप नहीं लगाया गया। रिपोर्ट में ट्रंप द्वारा जांच को नियंत्रित करने और उसे समाप्त करने के प्रयासों का विवरण दिया गया था। हालांकि, मुलर ने यह तय करने से इनकार कर दिया कि क्या ट्रंप ने कानून तोड़ा है।

इजयरायल में डिमोना के पास मिसाइल दुर्घटना के बाद विकिरण के खतरे की आशंका नहीं: आईएईए

वियना, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की है कि वह डिमोना में मिसाइल घटना की खबरों पर करीबी नजर रख रही है। इज़रायल के संवेदनशील परमाणु अनुसंधान ढांचे में किसी भी तरह का नुकसान नहीं पाया गया है। एजेंसी ने सोशल साइट एक्स पर दिए बयान में कहा कि उसे शहर में मिसाइल के प्रभाव से जुड़ी रिपोर्टों की जानकारी है लेकिन उसे 'नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र को किसी नुकसान का कोई संकेत नहीं मिला है।' यह केंद्र व्यापक रूप से इज़रायल के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ा माना जाता है। आईएईए ने बताया कि क्षेत्रीय देशों से मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद किसी भी असामान्य विकिरण स्तर का पता नहीं चला है। महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने 'अधिकतम सैन्य संयम' बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया। खासकर परमाणु सुविधाओं के आसपास ताकि ऐसी किसी भी स्थिति से बचा जा सके जो परमाणु सुरक्षा संकट का कारण बन सकती है।

यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है और ईरान में परमाणु ढांचे पर नए हमलों की खबरें सामने आई हैं। आईएईए ने शनिवार को पहले कहा था कि उसे ईरानी अधिकारियों द्वारा नतांज परमाणु सुविधा पर हमले की जानकारी दी गई है। एजेंसी ने पुष्टि की है कि वह स्थिति की जांच कर रही है और उसे बाहरी क्षेत्रों में विकिरण स्तर बढ़ने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। ग्रोसी ने एक बार फिर संयम बरतने की अपील दोहराई और चेतावनी दी कि परमाणु स्थलों के पास जारी सैन्य कार्रवाइयों से गंभीर और संभावित रूप से अपरिवर्तनीय परिणाम हो सकते हैं। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के अनुसार दिन में पहले नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा पर हुए हमले के लिए अमेरिका और इज़राइल जिम्मेदार थे। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि कोई

रेडियोधर्मी रिसाव नहीं हुआ है और आसपास रहने वाले लोग खतरे में नहीं हैं। रिपोर्टों के अनुसार, 28 फरवरी से शुरू हुए कथित अमेरिका-इज़राइल संयुक्त अभियान के बाद से ईरान की परमाणु सुविधाओं को बार-बार निशाना बनाया गया है। सप्ताह की शुरुआत में फारस की खाड़ी तट पर बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास भी हमलों की खबरें आई थीं। ईरानी अधिकारियों ने इसे परमाणु से जुड़े स्थलों पर तीसरी ऐसी घटना बताया, इससे पहले नतांज और इस्फहान पर हमले हो चुके हैं। तेहरान ने आईएईए से इन कार्रवाइयों की कड़ी निंदा करने की अपील की है और चेतावनी दी है कि परमाणु ढांचे के पास लगातार हमले 'बहुत गंभीर और चिंताजनक स्थिति' पैदा कर सकते हैं, जिसके वैश्विक प्रभाव हो सकते हैं।

ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक रिहा, विदेश मंत्री मोतेगी ने की पुष्टि

तेहरान, एजेंसी। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को कहा कि ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है और वह जापान लौट रहा है। मोतेगी ने कहा कि उस व्यक्ति को पिछले साल से हिरासत में रखा गया था और बुधवार को उसे रिहा कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि एक अन्य जापानी नागरिक, जिसे इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था, अभी भी हिरासत में है। ईरान में अभी भी हिरासत में मौजूद व्यक्ति की पहचान जापान के सरकारी प्रसारक एनएचके के एक पत्रकार के रूप में की गई है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed at MANGALYAM MUDRANALAY, 107/B, Parwati Industrial Estate, Opp. PNB, Tavdipura, Ahmedabad-380004. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.

CMYK